शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस चुनावी अनियमितताओं का कर रही पाखंडी नाटक: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 31 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-210

बांग्लादेश के पाक-पोषित जेहादी कर रहे नेपाल की घेराबंदी

एनजीओ के वेश में नेपाल को डंस रहा जेहादी सांप

सूफी यायावर

अमेरिकी डीप स्टेट के प्रतिनिधि व्यक्तित्वों जो बाइडेन, बिल एवं हिलेरी क्लिंटन, जॉर्ज सोरोस, अलेक्जेंडर सोरोस, बराक ओबामा और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के सहयोग से बांग्लादेश में हुए इस्लामी तख्तापलट के बाद पूरे दक्षिण एशिया में उग्रवाद का एक काला अध्याय शुरू हो गया है। इस्लामोफासीवादी मोहम्मद यूनुस के प्रत्यक्ष संरक्षण में इस्लामी और जेहादी ताकतों ने अपने आतंकी अभियान को तेज कर दिया है और बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों, ईसाइयों जैसे धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। बांग्लादेश के पाकिस्तान पोषित जेहादी तत्व एक एनजीओ का नकाब ओढ़ कर नेपाल की घेराबंदी कर रहे हैं, ताकि भारत को उत्तर और उत्तर-पूरब की तरफ से दबाया जा सके। इस एनजीओ का नाम है अलहाज शम्सुल हक फाउंडेशन (ऐश फाउंडेशन), जो आतंकवादियों के बीच एएसएच के नाम से जाना जाता है। ऐश फाउंडेशन ने नेपाल की कई राजनीतिक हस्तियों को उपकृत कर उनका मुंह बंद कर दिया है और वहां जहरीले वायरस की तरह पसरना शुरू कर दिया है।

एक तरफ बांग्लादेश में उत्पीड़न बेरोकटोक जारी है। दूसरी तरफ इस चरमपंथी योजना का दूसरा खतरनाक चरण पड़ोस के गैर-मुस्लिम देशों में शुरू किया गया है। नेपाल और भूटान जैसे गैर इस्लामिक देश कट्टरपंथी इस्लामवादी एजेंडे का निशाना बन रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय जेहादी विस्तार का पहला निशाना नेपाल को बनाया जा रहा है। नेपाल-एक्सपेरिमेंट के बाद भूटान का नंबर आएगा। नेपाल एक शांतिपूर्ण हिंदू-बहुल देश है, जिसका धार्मिक उग्रवाद का कोई इतिहास नहीं है। 90 के दशक से ही नेपाल को आईएसआई ने भारत में आतंकियों के घुसाने का जरिया बनाया था। बाद में नेपाल आईएसआई का अड्डा बना और आईएसआई के मिर्जा दिलशाद बेग जैसे पिट्ठू नेपाल की राजनीति में सक्रिय होकर मंत्री तक बन गए। उसके बाद यह सिलसिला थमा नहीं। अब तो नेपाल को इस्लामिक जेहाद का शिकार बनाने की तैयारी है, जिसमें बांग्लादेश सक्रिय तौर पर शामिल हो गया है। वर्ष 2003 से अल-कायदा सहित कई इस्लामी आतंकवादी संगठन हिमालय के सुदूर और बीहड़ इलाकों में गुप्त प्रशिक्षण शिविर स्थापित करने के लिए नेपाली जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन समूहों ने अंतरराष्ट्रीय खुफिया जांच से बचने के लिए नेपाल को एक पनाहगाह के रूप में भी इस्तेमाल किया है। हालिया घटनाक्रम उनकी रणनीति में एक चिंताजनक बदलाव का संकेत देते हैं।

इस्लामोफासीवादी यूनुस का मिल रहा प्रत्यक्ष संरक्षण

अफ्रीकी और अरब स्रोतों से मिल रही अकूत फंडिंग के सहारे नेपाल में लव-जेहाद और धर्मांतरण का नेटवर्क फैला कर नेपाल में सामाजिक-आर्थिक असंतुलन पैदा करने का कुचक्र काफी व्यापक कर दिया गया है। नेपाल में मुस्लिम आबादी वहां की कुल आबादी का केवल 5 प्रतिशत है। वहां मुस्लिम आबादी बढ़ाने के लिए अधिक आक्रामक और संरचित अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान तब्लीगी जमात और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) के माध्यम से धार्मिक आउटरीच की आड़ में चलाया जा रहा है। हाल ही में आधिकारिक तौर पर खुलासा हुआ कि अलहाज शम्सुल हक फाउंडेशन (ऐश फाउंडेशन) नामक एक संगठन ने नेपाल में एक विशाल मस्जिद की आधारशिला रखी। यह स्थान विराटनगर के पास सुनसरी जिले के सुदूर इनरवा क्षेत्र में है। रज्जाक मस्जिद नामक ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में जयशंकर का राहुल पर तीखा कटाक्ष

चीनी राजदूत से ट्यूशन लेकर बन गए चीन-गुरु

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष करते हुए उन्हें चीन-गुरु बताया और कहा कि कुछ नेता चीनी राजदूत से निजी ट्यूशन लेकर चीन पर ज्ञान हासिल करते हैं। जयशंकर ने साफ-साफ कहा कि एससीओ समिट के दौरान उन्होंने चीन जाकर सभी मुद्दों को पारदर्शी तरीके से उठाया, कोई गुप्त सौदा नहीं किया। जयशंकर ने कहा कि वे 41 साल तक विदेश सेवा में रहे हैं और चीन में भारत के सबसे लंबे समय तक राजदूत रहे हैं। लेकिन अब कुछ लोग चीन-गुरु बन रहे हैं, जो चीन को लेकर ज्ञान बांटते फिरते हैं। जयशंकर का सीधा इशारा राहुल गांधी और कांग्रेस की तरफ था। जयशंकर ने यह भी कहा कि 2008 बीजिंग ओलंपिक में राहुल गांधी और सोनिया गांधी बतौर विशेष अतिथि शामिल हुए थे और वहीं से उनकी चीन की दीक्षा शुरू हुई। जयशंकर ने कहा,

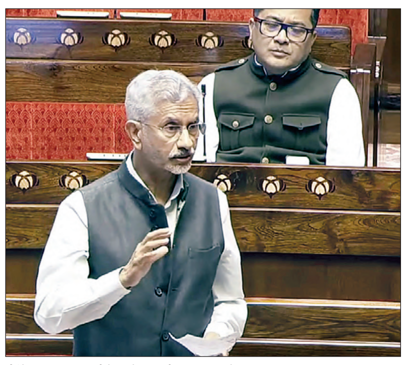

मैंने चीन दौरे के दौरान जो भी किया, वह सब कुछ सार्वजनिक था। मैंने आतंकवाद,

सिंधु जल संधि कर देश का नुकसान किसने किया था?

तनाव कम करने और चीन की तरफ से व्यापार पर लगाए गए प्रतिबंधों पर बात की। मैंने साफ कहा कि भारत-चीन संबंध तीन मूल बातों पर आधारित होंगे आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता। जयशंकर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, मैं ओलंपिक क्लास में नहीं गया, क्योंकि मैं विशेष व्यक्ति नहीं था। कुछ लोग ओलंपिक में जाकर चीन से ज्ञान प्राप्त करते हैं और फिर चीनी राजदूत को घर बुलाकर ट्यूशन लेते हैं। जयशंकर ने कहा कि चीन और पाकिस्तान की नजदीकी 1960 के दशक में शुरू हुई थी, लेकिन कांग्रेस सरकारें इस पर ठीक से काम नहीं कर पाईं। उन्होंने कहा कि चीन-गुरु अब कहते हैं कि चीन और पाकिस्तान बहुत करीब आ गए हैं, लेकिन असल में यह सब तब हुआ जब हमने पीओके को छोड़ दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि विपक्ष बार-बार राष्ट्रीय सुरक्षा की बात करता है, लेकिन सच्चाई यह है कि श्रीलंका के हंबनटोटा पोर्ट पर चीन का कब्जा देश की सबसे बड़ी रणनीतिक चूक थी, जो कांग्रेस सरकार के समय हुआ। ▶10 पर

पाकिस्तानी आतंकी गुट टीआरएफ ने ही किया था पहलगाम हमला

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने लगाई मुहर

न्यूयॉर्क, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने पहलगाम हमले में पाकिस्तान के आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के शामिल होने पर मुहर लगा दी है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध निगरानी टीम की रिपोर्ट पेश होने के बाद संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। इसी वजह से अमेरिका ने टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और वैश्विक आतंकवादी संगठन (एसडीजीटी) घोषित किया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध निगरानी टीम ने कहा है कि द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की दो बार जिम्मेदारी ली थी और पहलगाम हमला स्थल बैसरन घाटी की फोटो सोशल मीडिया पोस्ट की थी। टीम ने अपनी रिपोर्ट

में कहा है कि यह हमला पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के समर्थन के

सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध निगरानी टीम की रिपोर्ट पेश

बिना संभव नहीं था। यूएनएससी में आईएसआईएल (दाएश), अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों की निगरानी करने वाली टीम ने 36वीं रिपोर्ट पेश की। इसमें 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर जानकारी दी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि हमले की जिम्मेदारी उसी दिन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। संगठन ने हमला स्थल की एक तस्वीर भी पोस्ट की थी। हमले के अगले दिन टीआरएफ ने एक बार फिर अपना दावा दोहराया। इस तरह टीआरएफ ने दो बार हमले की जिम्मेदारी ली। हालांकि 26 अप्रैल को टीआरएफ ने अपना दावा वापस ले लिया। टीआरएफ की ओर से इसके बाद कोई और सूचना नहीं मिली और किसी अन्य समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली।

रिपोर्ट में पाकिस्तान का नाम लेते हुए कहा गया कि यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना नहीं हो सकता था। लश्कर-ए-तैयबा और टीआरएफ के बीच संबंध थे। जबकि भारत ने कहा कि यह हमला टीआरएफ द्वारा किया गया था, ▶10 पर

अमेरिका भेजे गए सबसे ज्यादा मेड इन इंडिया फोन

स्मार्टफोन निर्यात में भारत ने चीन को पछाड़ा

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत ने पहली बार अमेरिका को स्मार्टफोन सप्लाई करने वाले देशों की सूची में चीन को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि मुख्य रूप से एप्पल द्वारा भारत में बढ़ाए गए आईफोन निर्माण की वजह से संभव हुई है। शोध संस्था कैनालिस के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दूसरी तिमाही में भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन की शिपमेंट 240 प्रतिशत की तेजी से बढ़ी है।

भारत से अमेरिका भेजे गए स्मार्टफोन का हिस्सा अब 44 प्रतिशत हो गया है, जबकि एक साल पहले यह केवल 13 प्रतिशत था। दूसरी ओर, चीन का हिस्सा गिरकर 25 प्रतिशत रह गया है, जो कि 2024 की दूसरी तिमाही में 61 प्रतिशत था। यह बदलाव एपल की आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) में भारत की भूमिका के तेजी से बढ़ने के कारण हुआ है। एपल अब अपने आईफोन 15 और आईफोन 16 जैसे स्टैंडर्ड मॉडल भारत में बड़े पैमाने पर बनवा रहा है। यहां तक कि कुछ आईफोन 16 प्रो मॉडल भी भारत में असेंबल किए जा रहे हैं, हालांकि प्रो मॉडल का मुख्य उत्पादन अभी भी चीन पर निर्भर है। ▶10 पर

तेलंगाना के 1000 करोड़ के भेड़पालन घोटाले में कार्रवाई

ईडी ने पूर्व मंत्री समेत आठ ठिकानों पर मारा छापा

हैदराबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

बीआरएस सरकार के कार्यकाल में हुए 1000 करोड़ के भेड़पालन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तेलंगाना में बड़ी कार्रवाई कर रहा है। ईडी ने बीआरएस सरकार के कार्यकाल में हुए करोड़ों के भेड़ पालन और वितरण घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच तेज कर दी है। इसके तहत हैदराबाद में कई जगहों पर छापेमारी की गई।

पिछली बीआरएस सरकार के कार्यकाल में हुए भेड़पालन घोटाले के सिलसिले में हैदराबाद में आठ जगहों पर ईडी की छापेमारी जारी है। ईडी अधिकारी के मुताबिक, छापे उन लोगों के ठिकानों पर मारे गए हैं, जिन पर सरकारी योजना के धन की हेराफेरी करने का संदेह है। बीआरएस सरकार में मंत्री रहे तलसानी श्रीनिवास यादव के ओएसडी जी कल्याण के अलावा घोटाले में शामिल लाभार्थियों, कथित बिचौलियों से जुड़े शहर में कम से कम आठ ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छापेमारी की जा रही है। जांच कुछ राज्य पुलिस की एफआईआर पर आधारित है। ▶10 पर

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मुंबई और बेंगलुरु में खुलेंगे 4 नए कैंपस

भारत में खुलेंगे 15 विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

देश के विद्यार्थियों को यहां रहते हुए ही विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई करने का मौका मिलेगा। 15 विदेशी विश्वविद्यालय भारत में अपने कैंपस खोलने जा रहे हैं। इनमें चार विश्वविद्यालयों के कैंपस नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मुंबई और बेंगलुरु में खुलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के तीन विश्वविद्यालय में से वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का कैंपस ग्रेटर नोएडा और विक्टोरिया यूनिवर्सिटी का कैंपस नोएडा में खुलेगा। ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी का कैंपस बेंगलुरु में खुलेगा और ब्रिटेन की ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी अपना कैंपस मुंबई के पास खोलेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की पांचवीं वर्षगांठ के मौके पर भारत में कैंपस खोलने का आशय पत्र जारी किया गया। केंद्र सरकार ने चार विदेशी विश्वविद्यालयों को अपना पहला कैंपस भारत में खोलने की अनुमति दी है। भारत में कुल 11 विदेशी विश्वविद्यालयों को आशय पत्र जारी हो चुका है, चार विदेशी विश्वविद्यालयों की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में इन चार विदेशी विश्वविद्यालयों को अपना ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,01,460/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,16,160/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 21^0

31.56 करोड़ छात्रों को मिली यूनिक डिजिटल पहचान

अपार-आईडी में यूपी शीर्ष, प. बंगाल सबसे पीछे

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

देशभर में कुल 31.56 करोड़ छात्रों को ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार आईडी) के तहत 12 अंकों की विशिष्ट डिजिटल पहचान मिल गई है। इसमें से 13.89 करोड़ छात्र स्कूलों के हैं। सबसे अधिक उत्तर प्रदेश के 2.46 करोड़ स्कूली छात्र शामिल हैं। यूपी के कुल 2.54 लाख स्कूलों में 94 प्रतिशत स्कूलों के छात्र अपार-आईडी से जुड़े चुके हैं। हालांकि अभी भी 1.68 करोड़ बाकी हैं।

खास बात यह है कि केंद्र और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच रिश्तों में खटास का असर स्कूली शिक्षा की योजनाओं पर भी पड़ा है। पश्चिम बंगाल देश में एकमात्र ऐसा राज्य हैं, जहां 1.76 करोड़ छात्र पढ़ते हैं पर एक भी छात्र ने अपार-आईडी के लिए पंजीकरण नहीं किया है।

उत्तर प्रदेश में 2.46 करोड़ छात्रों को अपार-आईडी प्राप्त हुई। इसके बाद महाराष्ट्र के 1.83 करोड़ छात्र, बिहार के 1.21 करोड़ छात्र, राजस्थान के 1.03 करोड़ छात्र, हरियाणा के 48.54 लाख छात्र, पंजाब के

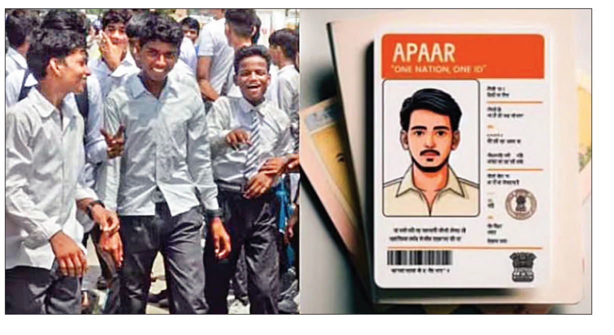

35.94 लाख छात्र, दिल्ली के 34.77 लाख छात्र, उत्तराखंड के 16.33 लाख छात्र, जम्मू-कश्मीर के 13.78 लाख छात्र, हिमाचल प्रदेश के 9.06 लाख छात्र, चंडीगढ़ के 2.19 लाख छात्र, लद्दाख के 45 हजार छात्र, मध्य प्रदेश के 99 हजार छात्र, नवोदय विद्यालय के 2.69 लाख छात्र और केंद्रीय विद्यालय के 10.70 लाख छात्रों का अपार-आईडी में रजिस्ट्रेशन हुआ है। केंद्र समेत अधिकतर राज्यों ने 29 जुलाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की पांचवीं वर्षगांठ मनाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में अपार-आईडी छात्रों के लिए प्रमुख सिफारिशों में से एक थी। इसका मकसद छात्रों के शैक्षणिक रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करना था, ताकि उन्हें विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में आसानी से स्थानांतरण, छात्रवृत्ति, सरकारी योजनाओं में लाभ और उनके शैक्षणिक प्रगति की निगरानी के साथ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके।

देशभर में कुल 14,72,390 स्कूलों में 24.74 करोड़ छात्र पढ़ाई करते हैं। इसमें से अभी 13.89 करोड़ छात्रों की अपार-आईडी बन चुकी है। इसमें यूपी पहले तो महाराष्ट्र 1.83 करोड़ छात्रों के साथ दूसरे तो बिहार 1.21 करोड़ के साथ तीसरे स्थान पर है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

संसार सागर से पार होना है तो स्वयं की निगरानी करें: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में आयोजित धर्मसभा में साध्वी उपासना ने प्रभावशाली प्रवचन देते हुए कहा यह संसार एक गहन महासागर की भाँति है, जिसमें जीव जन्म-मरण के निरंतर चक्र में फंसा रहता है। लेकिन कोई विरली आत्माएं ही होती है जो इस भव सागर से पार होकर किनारे पहुँचती है। इस भवसागर से पार होना है तो केवल बाह्य उपाय नहीं, बल्कि स्वयं के दिल की निगरानी सबसे महत्वपूर्ण है। दिल की निगरानी करते करते जो परमात्मा की निगरानी में आ जाए वही सच्चा इंसान है। जिस आत्मा से हम परमात्मा बन सकते है उस आत्मा के लिए हमारे पास समय नहीं हैं, जबकि यह देह शाश्वत नहीं है उसकी हम देखभाल करते है। हम अपने चेहरे की निगरानी करते है दिल की नहीं। जितनी

बार चेहरे की निगरानी करते है उतनी अगर दिल की करें तो हमारी आत्मा का उद्धार हो जाए। यह शरीर नाव के समान है और आत्मा नाविक की तरह है। संसार के भव सागर से पार होना है तो धर्म रूपी नाव की शरण में जाना ही होगा। घड़ी के दसवे घंटे पर विवेचन देते हुए उन्होंने कहा कि यह दसवा घंटा हमे दस यती धर्म के पालन का संदेश देता है। ये दस गुण जैन धर्म में आध्यात्मिक विकास और आत्म-संयम के लिए आवश्यक माने जाते हैं। इनका पालन करके, व्यक्ति सांसारिक बंधनों से मुक्त हो सकता है और मोक्ष प्राप्त कर सकता है। साध्वीश्री ने आगे कहा कि जैसे नाविक अपनी नाव की दिशा पर निरंतर ध्यान देता है, वैसे ही आत्मा को परमगति की ओर ले जाने के लिए हमें अपने विचारों, भावनाओं व कर्मों की निरंतर निगरानी करनी चाहिए। जो आत्मा स्वयं पर दृष्टि रखती है, वही सच्चा साधक बनकर परमात्मा की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने आगे कहा कि संसार में दुःख ही दुःख है, जन्म भी दुःख है, मरण भी दुःख है। सुख की प्राप्ति तभी संभव है जब हम स्वयं की अंतरात्मा से जुड़कर धर्म की धारा में बहने लगें। साध्वी ऋषिता ने स्तवन व साध्वी निर्मला ने मांगलिक प्रदान किया। इस मौके पर मातृछाया महिला संगठन से अध्यक्ष ललिता नागोरी, पुष्पा बाफना, रेशमा बडोला, लीला भंसाली, त्रिशला कोठारी, नीलम ललवानी व अन्य, जैन कॉन्फ्रेंस जीवन प्रकाश योजना की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष रत्नीबाई मेहता और विजयनगर श्रीरामपुरम से अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। बालक हर्ष नाहर ने 8 उपवास के पच्चखान लिए। संघ की ओर से तपस्वी का अभिनंदन किया गया। मातृछाया से त्रिशला कोठारी ने अपने संगठन की सेवाओं से अवगत कराया। रायपुर से बालिका दर्शना मेहता ने तपस्या के उपलक्ष्य में स्तवन की प्रस्तुति दी। पांडेसरा, सूरत में साध्वी मधुसुधा के संथारा सहित देवल-ोकगमन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संचालन संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

एक सहस्त्राब्दी से अधिक प्राचीन गच्छ खरतरगच्छ दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित पूज्य मलयप्रभ सागर जी और साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा में एक सहस्त्राब्दी से अधिक प्राचीन गच्छ खरतरगच्छ दिवस मनाया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने एक हजार सात वर्ष प्राचीन खरतर-गच्छ मनाने के लिए पूरे बेंगलूरु से पधारे सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें सभी गच्छों में सबसे प्राचीन गच्छ होने का गौरव है। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि हमें हमारे गच्छ के पूर्वजों का गच्छ के प्रति दिए बलिदानों को याद रखना है। गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी ने वन्दनावली कार्यक्रम में एक हजार वर्ष पूर्व हुए जिनेश्वर सूरी जी से लेकर वर्तमान गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री मणिप्रभ सूरीश्वर जी महाराजा तक के आचार्यों के बारे में बताया। गुरुवर्या श्री हर्षपूर्णा श्री जी ने कहा कि हमें हमारे गच्छ के प्रति गौरव और गर्व रखना है। संघवी तेजराज गुलेच्छा ने आगामी समय में ऐसे कार्यक्रम वृहत् स्तर पर करने का गुरुदेव से निवेदन किया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि हमें गच्छ के प्रति तन मन और धन से पूर्णतया समर्पित रहना चाहिए। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर गच्छ के नवरत्न श्रावकों सेठ आबू भन्साली, हाथीशाह लुनिया, थाहरुशाह भन्साली, करमचंद बच्छावत, जोरावरमल बाफना, मोतीशाह नाहटा, देश को आजाद कराने में शहीद हुए अमरचंद बांठिया, रायबहादुर बद्रीदास, अगरचंद और भंवरलाल नाहटा के गच्छ के प्रति समर्पण और बलिदानों के बारे में बताया, जिनका किरदार अंकित गुलेच्छा, विकास खटोड़, ललित डाकलिया, भरत रांका, विनोद बाफना, भरत कोठारी, हेमन्त गुलेच्छा, विजयराज गुलेच्छा, हेमन्त प्रशांत कवाड ने जीवंत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं सहयोग नीलेश मेहता, भरत गटागट, तेजस छाजेड़, विनोद बाफना आदि सदस्यों का रहा।

कैद किसी भी जीव को पसंद नहीं होती: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि नरक तीर्यांच मनुष्य और देव गति मुक्ति पथ गामी जीव के लिए कैद के समान है।

कैद किसी भी जीव को पसंद नहीं होती है। आत्मा का स्वभाव भी मुक्त होना ही है। इस संसार में सुख का थोड़ा आभास हो सकता है। परन्तु ज्ञानियों ने संसार में जन्म मरण रोग और बुढ़ापे को दुख की संज्ञा दी है। प्रभु ने अनुकंपा कर प्राणी मात्र के लिए सुख का मार्ग प्रशस्त किया। आत्मा को सुख हो, वो कार्य करना ही शाश्वत सुख का राजमार्ग है। पेट भरने, पेट घटाने और पेटी भरने में हमने बहुत समय गवां दिया है। अब चेतना है।

प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि संसार के विकल्पों में हम भटक रहे हैं और मात्र धक्के और धोखे खा रहे हैं। संकल्प हमारे संस्कार है। वीरजी भाई का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि वीरजी भाई 19 वर्षों तक अपने संकल्प पर दृढ़ रहे। अपने शरीर को तपस्या के सुपुर्द कर दिया। अंततः परिवार जनों से आज्ञा ले कर संयम स्वीकार किया। संसार के सारे रिश्ते ईर्ष्या और अहंकार की भेंट चढ़ गए हैं। विकल्पों में विनाश और तनाव है। अत्यधिक सोचने से अपनी आंतरिक शक्ति क्षीण हो जाती है। मुक्ति का मार्ग सरल है। हम टेढ़े चलते हैं। शांति का मार्ग अपनाते हुए हम सोचें कम और करें ज्यादा। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए तपस्वियों की अनुमोदना की। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

जीवन में आगे जाना है तो धैर्यवान बने: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने बुधवार को कहा कि सब कुछ कर्म के हाथ में है और कर्म मनुष्य ही करता है। जैसा कर्म करेगा वैसा ही उसे वापस मिलेगा। भाग्य हम करते है। अगर हमने शुभ किया है तो उसका फल भी शुभ होगा। अशुभ करने वालों को अशुभ ही मिलता है। अपने अच्छे बुरे समय का कर्म हम स्वयं करते है। इसलिए अच्छा चाहिए तो पहले अच्छा कर्म करें। उन्होंने कहा कि मनुष्य को हमेशा सक्रिय रहना चाहिए। सक्रिय मनुष्य हर काम करने में सक्षम होता है। वर्तमान में लोग आलस बहुत करते है। उसी की वजह से उन्हें तरह तरह की बीमारी आती है।

आलस्य से मनुष्य को कोई लाभ नहीं बल्कि हानि ही मिलती है। जीवन में आगे जाना है तो काम में चोरी नहीं करनी चाहिए। कोई भी काम हो उसे तुरंत करने का प्रयास करना चाहिए। लोगों को पानी तो पीना होता है लेकिन काम करना मंजूर नहीं होता है। याद रहें हम अगर भगवान को याद करेंगे और पूजा करेंगे तो वो हमसे खुश रहेंगे। गुरु भी मेहनत करने वालों से खुश रहते हैं।

लेकिन आज के समय में लोग मेहनत करने से पीछे भाग रहे हैं। बिना मेहनत के सब कुछ मिलने की उम्मीद में बैठे रहते हैं। हाथ पैर नहीं चलाएंगे तो हम बीमार पड़ जाएंगे। कहने का मतलब यह है कि हाथ पैर चलाने से आपका हर काम भी होता है और आप स्वस्थ भी रहते हैं। इसलिए स्वस्थ रहना है तो आलस्य को छोड़ कर हाथ पैर चलाते रहिए। गुरुदेव ने कहा कि मनुष्य को जैसा समय मिले उसमें समायोजन कर लेना चाहिए।

हर स्थिति को समझने वाला मनुष्य कभी परेशान नहीं होता हैं। वर्तमान में लोगों को हर चीज तुरंत चाहिए होता है। लोगों में धैर्य नाम का चीज अब नहीं दिखता है। लेकिन याद रहे जीवन में धैर्यवान मनुष्य को कभी परेशानी नहीं आती है। धैर्य रखने वाले को समय के हिसाब से सब कुछ मिलता है। जैसे फकीर होते हैं वैसे ही लोगों को भी बनना चाहिए। फकीर को कभी खीर मिला तो कभी कुछ नहीं। लेकिन हर परिस्थिति में वे शांत रहते हैं। सरल व्यक्ति सभी के लिए प्रिय होता है। प्रिय होने के लिए सरल बनने का प्रयास करें। गुरुदेव ने कहा कि दुख और सुख की सारी माया कर्म ही है। जैसा कर्म रहेगा वैसा ही मिलने वाला है। किसी के पास सब कुछ है तो किसी के पास कुछ भी नहीं। यह सब कर्मों का ही खेल है। इसलिए ऐसा कोई भी कर्म न करें जिससे कर्मों का बंध हो। श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया एवं महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ की राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ (कर्नाटक) बेंगलूरु, के जैन स्वाध्याय भवन राजाजीनगर में सोमवार को संघ के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर की महत्ती सभा आयोजित हुई। शुरुआत महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण से हुई। फिर मंचासीन राष्ट्रीय श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष महावीर बोथरा, राष्ट्रीय श्रावक संघ के मंत्री सुभाष गुंदेचा, राष्ट्रीय संयोजक घनपत सेठीया, राष्ट्रीय संयोजक प्रमोद लोढा, राष्ट्रीय संयोजक राजेन्द्र लुंकड,

राष्ट्रीय श्राविका संघ के महासचिव सुमन सिंघवी, राष्ट्रीय युवा संघ के अध्यक्ष विवेक लोढा, राष्ट्रीय युवा संघ के महासचिव अमित मुणोत, विजय रूनवाल, क्षेत्रीय प्रधान किशोर छाजेड़ एवं सभी इकाईयों के बड़े पदाधिकारियों की बेंगलूरु की धरा पर स्वागत करते हुए उनका स्वागत अभिनंदन अध्यक्ष निर्मल बम्ब ने किया। उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि उपाध्यक्ष गौतमचंद ओस्तवाल ने गुरु हस्ती, हीरा, महेंद्र, मान एवं साध्वी प्रमुखा तेजकंवर आदि के जय उद्घोश एवं देश भर से सादर उपस्थित सभी मानद अतिथियों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत

किया। महावीर बोथरा ने संघ की विविध गतिविधियों के बारे में, प्रमोद लोढा ने सामायिक स्वाध्याय भवन बनाने बाबत, राजेन्द्र लुंकड़ ने रत्न स्वर्ण महोत्सव बाबत, विवेक लोढा ने युवक संघ की गतिविधियों बाबत, सुमन सिंघवी ने श्राविका मंडल की गतिविधियों बाबत, सुभाष गुंदेचा एवं धनपत सेठिया ने संघ की यशस्वी गाथाओं बाबत सटीक सारगर्भित उद्बोधन दिए। सभी अतिथियों का बहुमान संघ के पूर्व पदाधिकारी गण, श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ (कर्नाटक) बेंगलूरु, श्री जैन रत्न श्राविका मंडल, श्री जैन रत्न युवक परिषद की कार्यकारिणी एवं वरिष्ठ श्रावक श्राविका चेतन प्रकाश डूंगरवाल, यशवन्त राज सांखला, पदमराज मेहता, नरेन्द्र भंडारी, धनरूप चंद मेहता, छगन लुणावत, महावीर मरलेचा, नेमीचंद भंसाली, मीठालाल मकाना, हुक्मीचंद डोसी, वैजयंती मेहता, प्रभा गुलेच्छा, शीतल भंसाली, प्रदीप भंसाली, बुधमल बाघमार, जसवंत छाजेड़, गौतम भंडारी, महेन्द्र पगारिया, प्रदीप चौरड़िया, प्रमोद सिंघवी, सुनील लोढा, वेदांत सांखला द्वारा किया गया। संचालन गौतमचंद ओस्तवाल ने करते हुए बताया कि पर्युषण के दौरान राष्ट्र पंडित प्रकाश चंद जैन (जयपुर-जलगांव) के सानिध्य में जप, तप, स्वाध्याय का स्वाध्याय भवन में ठाठ रहेगा।

शक्तिशाली और धनवान को जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि करुणामूर्ति प्रभु महावीर स्वामीजी ने अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र में चार चीजों की दुर्लभता बताई है, जिसमें मानवता, सत्संग, श्रद्धा, आचरण शामिल है। चारों गति में मनुष्य सबसे कम संख्या में है।

दस दृष्टांत से दुर्लभ मानव जीवन को प्राप्त कर सच्चा मानव बनने का प्रयास करना आवश्यक है। करुणा से शुरू होने वाली सद्गुणों की यात्रा केवल ज्ञान तक पहुंचने में बहुत मदद करती है। दूसरों के दुःखों को देखकर जिसका हृदय करुणा से पिघल जाता है, उसका तप, जप और व्रत सफल होते हैं। शक्तिशाली और धनवान को जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए। दान देने

से दुआ मिलती है। दुआ से बंधे पुण्य से बड़ी-बड़ी विपत्तियां दूर हो जाती हैं। हाय और दुआ के लेख नहीं लिखे जाते हैं। हाय अग्नि है, जो आबादी को भस्म कर देती है। दुआ अमृत है, जो बीमार को निरोगी, निर्धन को धनवान, रंक को राजा बना देती है। दया भाव पनपने के लिए प्रतिदिन कम से कम एक दान का कार्य अवश्य करना चाहिए। सभी कार्य धन से होता है वैसा नहीं है। सड़क पर पत्थर हटाना, अंधे को सड़क पार कराना, केले के छिलके कूड़ेदान में डालना, वृद्धाश्रम में जाना और बुजुर्गों से बात करना जैसे कार्यों के लिए धन की आवश्यकता नहीं है। बच्चों में मानवता पनपने के लिए मानवप्रेम और पशुप्रेम का प्रैक्टिकल ज्ञान देना। बच्चे को गरीब बस्तियों में ले जाकर कपड़े, फल और मिठाइयां बांटने का पुण्यकर्म करना चाहिए। गौशाला में पशुओं के प्रति प्रेम जगाने के लिए गायों को घास, केले और गुड़ खिलाना चाहिए। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि सुखी जीवन का एक ही सिद्धांत है कि जीवन में कभी सुख आए तो हंस लेना चाहिए, और दुख आए तो हंस कर उड़ा देना चाहिए। सुख और दुख पारिवारिक सदस्य नहीं हैं मेहमान हैं, मेहमानों का आना जाना तो लगा ही रहता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने कहा कि पुणे से पधारे राजु भाई राठौर, कमलेश कुमार मुथा, ललित कुमार शाह का संघ की ओर से बहुमान किया गया। वियासणा के लाभार्थी शांतिलाल, वरदीचंद परिवार का बहुमान किया गया। विशेष अतिथि परमेश्वर हेगड़े अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और मंजूनाथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, दावणगेरे ने साध्वीवृंद के दर्शन का लाभ लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक ड्राइवर एंड ओनर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा रविंद्र कला क्षेत्र में आयोजित शतमान उत्सव महासंगम कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उत्तम सेवा देने वाले ड्राइवरों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

देवासी समाज क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अवलाहल्ली स्थित गोपालन स्पोर्ट्स एकाडमी प्ले ग्राउंड में देवासी समाज द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन समारोह में देवासी समाज के सैकड़ों समाज बंधुओं एवं खेल प्रेमियों ने हिस्सा लिया।

देवासी समाज के उपस्थित सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। समापन समारोह में राजस्थान से लोकप्रिय रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी भी मौजूद थे। विधायक के स्वागत में जनसैलाब उमड़ पड़ा। विधायक ने स्व. शैतानराम भैसाना को श्रद्धांजलि देकर उनकी यादों को साझा किया।

सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए विजेता एवं उप विजेता टीम को बधाई दी। सभी खिलाड़ियों के साथ क्रिकेट खेलकर खेल का भी आनंद लिया। आयोजन के मुख्य कार्यकर्ता कलसा नाडसर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 16 टीमों ने भाग लिया। जिसमें आ-

रसीआर एवं आरआरबी जैसी मजबूत टीम को मात देकर फाइनल तक पहुंचने वाली जेसीसी चेन्नई टीम को हराकर टीम पाबूजी क्रिकेट क्लब (पीसीसी) देवनहल्ली ने रोमांचक जीत हासिल की। आयोजक कर्ता अर्जुन भैंसाना ने बताया कि विजेता टीम को 51000 एवं उप विजेता टीम को 21000 रुपए एवं ट्रॉपी देकर सम्मानित किया गया। साथ ही इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले नरेश झालामंड को मैन ऑफ द टूर्नामेंट दिया गया। सभी खिलाड़ियों को उनकी भूमिका अनुसार पुरस्कार दिए गए। सभी टीमें अपनी अपनी रंग बिरंगी जर्सी में दिखाई दी। जिसमें आर आर बी टीम की जर्सी आकर्षण का केंद्र बनी। सभी खिलाड़ियों ने अनुशासित व्यवहार से इस सामाजिक प्रतियोगिता में अच्छा परिचय दिया।

राईका रॉयल्स बेंगलूरु (आरआरबी) टीम के कप्तान रमेश देवासी लांबिया ने इस सफल आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामाजिक स्तर पर ऐसे आयोजन समाज में खेल भावना की जागृति के साथ साथ प्रेम भाव, एकता एवं सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देते हैं।

अगर उनके पास सबूत हो तो पेश करें

कांग्रेस चुनावी अनियमितताओं का कर रही पाखंडी नाटक: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि केंद्र में सत्ता में आने में नाकाम रही कांग्रेस पार्टी अपनी हार से हताश होकर चुनावी अनियमितताओं का एक नया पाखंडी नाटक कर रही है। राहुल गांधी कर्नाटक में यह पाखंडी नाटक करने की तैयारी कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 4 या 5 अगस्त को बेंगलूरु आ सकते हैं और महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में धरना या प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी के व्यवहार को देखकर ऐसा लगता है जैसे यह पाप हो। उन्होंने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट पर भी संदेह जताया। उन्होंने राहुल गांधी, सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार को चुनौती दी कि अगर उनके पास सबूत हैं तो वे अदालत में पेश करें। उन्होंने मांग की कि आप सुप्रीम कोर्ट में इस पर सवाल उठाएँ। कांग्रेस ने किसी भी तरह केंद्र में सत्ता में आने की कोशिश की थी। हालांकि जीतना संभव नहीं था, और आरोपों के कारण वे कुछ भी हासिल नहीं कर पाएँगे। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा ने चुनाव आयोग का दुरुपयोग किया होता, तो हमें (भाजपा) कर्नाटक में विपक्ष में बैठने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने विश्लेषण किया कि अगर कांग्रेस के 66 विधायक होते, तो भाजपा 136 सीटों के साथ सत्ता में आ जाती। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा-जेडीएस तीन सीटों पर उपचुनाव जीत सकते थे। अगर ऐसा होता, तो कांग्रेस तीनों सीटों

पर कैसे जीत जाती। विजयेंद्र ने आपत्ति जताई कि यह मूर्खता की पराकाष्ठा है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए उसे मूर्खों की पार्टी बताया।

उन्होंने पूछा कि भाजपा-जेडीएस ने लोकसभा चुनाव में 19 सीटें जीती थीं। अगर ऐसा है, तो कांग्रेस रायचूर और दावणगेरे में कैसे जीत गई। इस तरह के पागलपन और उत्पात के जरिए संवैधानिक संस्था पर संदेह व्यक्त करना एक खतरनाक घटनाक्रम है। यह एक अक्षम्य अपराध है। उन्होंने कहा कि भाजपा 4 या 5 तारीख को देखेगी कि वे क्या करेंगे। उन्होंने कहा कि हम एक रणनीति भी तैयार करेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगर भाजपा मुख्यमंत्री आवास के सामने विरोध प्रदर्शन करती है, तो कमिश्नर हाईकोर्ट का आदेश दिखा देंगे। सिद्धरामैया जहाँ चाहें वहाँ से मार्च निकाल सकते हैं, राहुल गांधी मार्च निकाल सकते हैं। यह बिल्कुल सही नहीं है। उन्होंने कहा कि हम उनके लिए एक कानून और दूसरे के लिए एक कानून नहीं बना सकते। अगर उन्हें मौका दिया जाए, तो हम भी लड़ेंगे। राहुल गांधी हताश हैं। वह दिशाहीन हैं। एक तरफ, वह नेशनल हेराल्ड मामले में जमानत पर हैं। अगर वह देश के किसी भी राज्य में चले जाएँ, तो उनकी एक कौड़ी की कीमत नहीं होगी। कर्नाटक में सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं और डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री हैं। वे यहाँ आते हैं और गुब्बारा उड़ाते हैं। सिद्धरामैया द्वारा डी.के. शिवकुमार को विधायकों की बैठक में नहीं बुलाने को लेकर उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच मतभेद देख रहे हैं। आपने देखा कि कैसे डी.के. शिवकुमार मैसूरु में आयोजित सिद्धरामैया के साधना समावेश कार्यक्रम में अकेले मंच छोड़कर चले गए, न कि कांग्रेस पार्टी के। वे रातोंरात दिल्ली चले गए। कुल मिलाकर, सत्तारूढ़ दल के विधायकों के बीच मतभेद साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल का मुख्यमंत्री पर से विश्वास उठ गया है। मुख्यमंत्री भी विचलित हैं और विधायकों को फिर से विश्वास में लेने की कोशिश कर रहे हैं। स्वामी ने 50 करोड़ का अनुदान कहाँ जारी किया? सिद्धरामैया को बयान दिए एक हफ्ता हो गया है। उन्होंने आलोचना की कि सत्तारूढ़ दल के विधायकों को आज तक कोई अनुदान जारी नहीं किया गया है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि विपक्षी विधायकों को 25 करोड़ दिए गए हैं, लेकिन वह भी नहीं दिए गए। कुल मिलाकर, उन्होंने कहा कि यह सच है कि अगला दिवाली धमाका कर्नाटक में होगा।

अल्पसंख्यक मोर्चा की राज्य स्तरीय कार्यशाला

इससे पहले भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम युवा स्टार्टअप पुरस्कार पर एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विजयेंद्र ने इसमें भाग लिया और इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल थॉमस, अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महासचिव इंद्र कुमार जैन, अल्पसंख्यक मोर्चा सोशल मीडिया के राष्ट्रीय सह-संयोजक जसवंत जैन, अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष अब्दुल अजीम, सैयद सलाम, अल्पसंख्यक विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष मुख्तार पठान, ईसाई विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष शांताकुमार कैनेडी, निर्णायक समिति के सदस्य शेख तालिब उपस्थित थे।

धर्मस्थल मामला, शवों के लिए दो नए स्थानों पर खुदाई शुरू

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल और उसके आसपास जिन जगहों पर एक अज्ञात व्यक्ति ने शव होने का जिक्र किया था, वहाँ शवों के निशान ढूँढने का अभियान बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा और पुराने गड्ढ के अलावा दो नए स्थानों पर खुदाई शुरू की गई। धर्मस्थल में स्नानघट्टा के पास वन क्षेत्र में मंगलवार दिन भर खुदाई की गई। शुरुआत में, संदिग्ध गड्ढे को मजदूरों ने कुदाल, गैंती और फावड़े से 8 फीट गहराई और 15 फीट परिधि तक खोदा। जब कुछ नहीं मिला, तो जेसीबी से गड्ढे की खुदाई जारी रही। भारी बारिश के बीच चलाए गए इस अभियान में मिट्टी के अलावा कोई अवशेष नहीं मिला।

इसलिए, शाम को अभियान को अस्थायी रूप से रोक दिया गया। अज्ञात व्यक्ति के बयानों पर संदेह व्यक्त किया गया। मौके पर मौजूद एसआईटी अधिकारियों ने अज्ञात व्यक्ति से कई सवाल पूछे। सवाल उठने लगे कि क्या वाकई यहाँ शव दफनाए गए थे। क्या यह प्रचार के लिए था? या मंदिर को बदनाम करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से? एसआईटी अधिकारियों ने यह पता लगाने के लिए कई जाँचें कीं कि क्या वह झूठ बोल रहा है। लेकिन शिकायतकर्ता, जिसने सभी को एक ही जानकारी दी, ने दोहराया कि उसने शव को इसी जगह दफनाया था। उसके दबाव में आकर, उन्होंने जेसीबी से और गहरा खोदा, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

चूँकि पहला प्रयास विफल रहा, इसलिए एसआईटी अधिकारियों को उस अज्ञात व्यक्ति के बयान पर संदेह हुआ और उन्होंने शुरुआत में दो जगहों पर जेसीबी से तीन से चार फीट गहरा खोदा। बाद में, मानव द्वारा खुदाई जारी रखने का अभियान चलाया गया। यदि जेसीबी से खुदाई करने पर कोई कंकाल मिलता है, तो वह क्षतिग्रस्त हो सकता है। चिंता थी कि इससे अपराध की प्रकृति का पता लगाने में फोरेंसिक जांच में बाधा आ सकती है। लेकिन चूँकि मंगलवार को पूरे दिन की कार्रवाई से कोई नतीजा नहीं निकला, इसलिए एसआईटी टीम ने कई संदेह व्यक्त किए हैं। शीर्ष सूत्रों के अनुसार, अगर व्यक्ति द्वारा बताई गई 13 जगहों की तलाशी के बाद भी कुछ नहीं मिलता है, तो एसआईटी अधिकारी उसके बयान और उसके पीछे के लोगों का पता लगाएँगे। व्यक्ति ने एक जगह खुदाई करके एक खोपड़ी निकाली थी। इसे राष्ट्रीय मीडिया में प्रसारित किया गया था। इस पर व्यापक रूप से चर्चा हुई और अफवाहें फैलाई गईं कि आरोपों में सच्चाई हो सकती है।

उसने न्यायाधीश के समक्ष बयान दर्ज कराया था और मामला दर्ज करवाया था। लगभग 15-20 साल पहले, कई लड़कियों के साथ बलात्कार और हत्या की गई थी। शिकायतकर्ता ने बार-बार कहा है कि उसने उन शवों को खुद दफनाया था। मुझे एक स्कूली बच्ची को उसके बैग सहित दफनाने का अपराधबोध सता रहा है। इसी वजह से उसने कहा कि अब वह गवाह बन गया है। राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया था और सच्चाई का पता लगाने के लिए एक एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी अधिकारियों ने राजस्व, वन और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की मदद से फोरेंसिक विशेषज्ञों की मौजूदगी में खुदाई की। यदि ऑपरेशन के दूसरे दिन कोई सबूत नहीं मिलता है तो गुमनाम बयान पर संदेह गहरा जाएगा और पूरी संभावना है कि मामला गंभीर हो जाएगा।

अगस्त के पहले सप्ताह में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर पड़ गया है और तटीय तथा मलनाड क्षेत्रों को छोड़कर राज्य में शुष्क मौसम बना हुआ है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगस्त के पहले सप्ताह में सामान्य से कम बारिश होगी। वातावरण में बदलाव के कारण मानसून कमजोर पड़ गया है और बारिश कम हो गई है। तटीय और मलनाड क्षेत्रों में, जहाँ भारी वर्षा हो रही थी, बारिश कम हो गई है। परिणामस्वरूप, नदियों का प्रवाह और जलाशयों का जलस्तर भी काफी कम हो रहा है। राज्य के कई हिस्सों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान है। तटीय और मलनाड क्षेत्रों में मध्यम वर्षा जारी रहेगी। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, मंगलवार को कोडागु, दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में व्यापक वर्षा हुई, जबकि चिक्कमगलूरु और शिवमोग्गा जिलों में मध्यम वर्षा हुई। राज्य में सबसे अधिक वर्षा मदिकेरी तालुक के माडे ग्राम पंचायत क्षेत्र में 76 मिमी हुई। राज्य के शेष जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई है। राज्य में चालू मानसून में 1 जून से अब तक सामान्य वर्षा हुई है। इस दौरान 454 मिमी सामान्य वर्षा हुई और 459 मिमी वर्षा हुई है। हालाँकि, जून और जुलाई के महीनों में दक्षिणी आंतरिक भागों में वर्षा की कमी रही। सामान्य से 19 प्रतिशत कम वर्षा हुई। केवल 113 मिमी सामान्य वर्षा हुई और सभी जगह व्यापक वर्षा नहीं हुई। उत्तरी आंतरिक भागों में सामान्य से 3 प्रतिशत कम वर्षा हुई और पहाड़ी क्षेत्रों में 1 प्रतिशत कम वर्षा हुई। हालाँकि, तटीय क्षेत्रों में सामान्य से 10 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई। मौसम विभाग के बेंगलूरु क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक सी.एस. पाटिल ने कहा कि मानसून के कमजोर होने के कारण तटीय और तटीय जिलों को छोड़कर राज्य में वर्षा कम होगी। उन्होंने कहा कि राज्य में औसत शुष्क मौसम जारी रहेगा और 12 अगस्त तक सामान्य से कम वर्षा का अनुमान है।

पेन ड्राइव मामला : प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका पर फैसला स्थगन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
के.आर. नगर की एक महिला से बलात्कार के मामले में गिरफ्तार पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका पर विशेष अदालत ने कुछ स्पष्टीकरण की आवश्यकता के चलते फैसला 1 अगस्त तक के लिए टाल दिया है। बेंगलूरु विशेष अदालत के न्यायमूर्ति गजानन भट्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों से पूछा कि क्या इस मामले में एसआईटी द्वारा जब्त किए गए सैमसंग मोबाइल को सबूत माना जाए या नहीं। इस दौरान, जब विशेष लोक अभियोजक जगदीश, अशोक नायक और रेवन्ना के वकील अरुण जी ने सरकार की ओर से दलीलें पेश करने की कोशिश की, तो उन्होंने कहा बहस मत कीजिए। सिर्फ अपनी राय रखिए। चूँकि स्पष्टीकरण की आवश्यकता है, इसलिए अदालत ने बुधवार को फैसला नहीं सुनाया और आदेश 1 अगस्त तक के लिए टाल दिया। एसआईटी ने घटनास्थल का दौरा करते हुए सैमसंग मोबाइल को अपने कब्जे में ले लिया है। इसमें सैकड़ों अश्लील तस्वीरें कैद हुई हैं। जगदीश ने न्यायाधीश से इसे सबूत मानने का अनुरोध किया। प्रज्वल रेवन्ना के वकील अरुण ने इस पर आपत्ति जताई। जाँचकर्ताओं के अनुसार, जब मामला दर्ज हुआ तब सैमसंग मोबाइल वहाँ मौजूद नहीं था। उन्होंने सवाल किया कि अदालत इसे सबूत कैसे मानेगी। तब न्यायाधीश ने कहा कि मेरे सामने बस यही सवाल है कि मोबाइल और गूगल लोकेशन को सबूत माना जाए या नहीं। चूँकि इस पर स्पष्टीकरण जरूरी है, इसलिए उन्होंने घोषणा की कि वह 1 अगस्त को आदेश देंगे। होलेनरसीपुर के कन्निकाडा स्थित घर का गूगल मैप दिया गया है, घर और

मजदूरों के शेड को गूगल मैप पर दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया गूगल मैप के आधार पर की गई थी। अंत में, अदालत ने सरकारी वकीलों को दोपहर तक स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। प्रज्वल रेवन्ना पर एक घरेलू सहायिका के साथ बलात्कार करने और उसका वीडियो बनाने का आरोप है। प्रज्वल रेवन्ना अदालती कार्यवाही में मौजूद थे। पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान, कथित तौर पर प्रज्वल रेवन्ना से संबंधित अश्लील दृश्यों वाली पेन ड्राइव हासन निर्वाचन क्षेत्र में वितरित की गई थीं। होलेनरसीपुर की एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर जाँच शुरू की गई थी। पुलिस ने इस मामले में 31 मई, 2024 को प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार किया। बाद में, पुलिस ने के.आर. नगर निवासी एक घरेलू सहायिका की शिकायत के आधार पर बलात्कार का मामला दर्ज किया। जाँच करने वाली विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने आरोप पत्र दाखिल किया। इसके बाद, 30 दिसंबर, 2024 को मामला मजिस्ट्रेट कोर्ट से जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया। न्यायाधीश संतोष गजानन भट, जिन्होंने मामले के स्थानांतरण के 7 महीने के भीतर साक्ष्यों की सुनवाई पूरी कर ली, ने फैसला सुरक्षित रख लिया। 2021 में कोविड महामारी के दौरान, होलनारसीपुर के गन्निकाडा स्थित एक फार्महाउस में रहने वाले प्रज्वल रेवन्ना ने घरेलू कामगार महिला को पानी लाने के बहाने जबरन पहली मंजिल पर ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। यहाँ तक कि जब प्रज्वल की माँ भवानी रेवन्ना बेंगलूरु के बसवनगुडी स्थित घर की सफाई करने आई थीं, तब भी वह उन्हें तीसरी मंजिल पर ले गया और उनके साथ बलात्कार किया, और अपने मोबाइल फोन पर इसकी रिकॉर्डिंग कर ली। बाद में, उसने सबूत मिटाने के इरादे से उस मोबाइल फोन को नष्ट कर दिया जिस पर उसने घटना रिकॉर्ड की थी। उसने महिला को इस बारे में किसी को न बताने की धमकी भी दी। घटना के सबूत के तौर पर मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड किया गया वीडियो, पीड़िता का बयान और उसके अंडरवियर पर प्रज्वल रेवन्ना के वीर्य के धब्बे मिले।

मुख्यमंत्री ने दूसरे दिन भी विधायकों, मंत्रियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विधायकों, मंत्रियों और जिला प्रभारी मंत्रियों के साथ दूसरे दिन भी गहन विचार-विमर्श जारी रखा और बुधवार को बीदर जिले के मंत्रियों और विधायकों के साथ चर्चा की।

ईश्वर खंड्रे और रहीम खान बीदर जिले से कांग्रेस के विधायक हैं और दोनों ही मंत्री हैं। डॉ. चंद्रशेखर, बसवराज पाटिल विधान परिषद के सदस्य हैं और विधान परिषद के सदस्यों को बैठक में आमंत्रित नहीं किए जाने के कारण वे बैठक में शामिल नहीं हुए।

दूसरे दिन, मुख्यमंत्री ने सुबह के पहले चरण में बीदर, कलबुर्गी, यादगिरी, रायचूर, कोप्पल, विजयनगर और बल्लारी सहित 7

जिलों के विधायकों और मंत्रियों के साथ चर्चा की, और बाद में दोपहर में बेलगावी, हुब्बल्ली-धारवाड़ और उत्तर कन्नड़ जिलों के विधायकों के साथ चर्चा की। तीखे विवाद के बावजूद, केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को बैठक से दूर रखा गया। डी.के. शिवकुमार बेंगलूरु में होने के बावजूद बैठक में शामिल नहीं हुए। खासकर, बीदर जिले में कांग्रेस में मतभेद देखने को मिले। विधान परिषद सदस्य चंद्रशेखर पाटिल और राजशेखर बसवराज हितनाल के नेतृत्व में जिले के कांग्रेस नेताओं ने मंत्री ईश्वर खंड्रे के खिलाफ खुलकर नाराजगी जताई थी। डी.के. शिवकुमार ने उनसे बातचीत कर सुलह करा दी थी। हालाँकि, अंदरूनी तनाव सुलगते अंगारे की तरह सुलगता रहा। बैठक में मुख्यमंत्री ने केवल मंत्रियों और विधायकों से ही चर्चा की और मतभेद पूरी तरह से सुलझते नहीं दिखे। चूँकि डी.के. शिवकुमार बैठक में शामिल नहीं हुए, इसलिए संदेह है कि चर्चा एकतरफा रही।

कलबुर्गी जिले के विधायक भी नाराज हैं। विजयनगर जिले के प्रभारी मंत्री जमीर अहमद खान ने अपनी बेचैनी जाहिर की थी। बेलगावी जिले में असंतोष भी पूरे राज्य को पता है। शुरुआत में कहा गया था कि मुख्यमंत्री निर्वाचन क्षेत्र द्वारा जारी 50 करोड़ रुपये के अनुदान के इस्तेमाल तक ही सीमित बैठक करेंगे। हालांकि, विधायकों और मंत्रियों की बैठक में जिले में मतभेदों को लेकर चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री उन्हें एकजुट होकर आगे बढ़ने के निर्देश दे रहे हैं।

उन्होंने गारंटी योजनाओं के लिए लगातार संपर्क में रहने की भी सलाह दी है। केडीपी की बैठकों में मची खींचतान, पार्टी संगठन, जिले के विकास कार्यों, कृषि गतिविधियों, जारी की गई धनराशि, उपयोग की गई राशि और बजट में घोषित परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। पार्टी संगठन का समर्थन करने वाले शिवकुमार को इन चर्चाओं से बाहर रखने से कई तरह की शंकाएँ पैदा हुई हैं।

बसों में सामान संबंधी नियमों में कोई बदलाव नहीं: केएसआरटीसी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
परिवहन विभाग ने केएसआरटीसी में नए सामान संबंधी नियमों के कार्यान्वयन को लेकर चल रही असमंजस की स्थिति को दूर कर दिया है, जिस पर काफी बहस हुई थी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि विभाग द्वारा कोई नया नियम लागू नहीं किया गया है। केएसआरटीसी में नए सामान संबंधी नियमों के लागू होने की खबर ने सोशल मीडिया और मीडिया में असमंजस की स्थिति पैदा कर दी थी। निगम की बसों में सार्वजनिक यात्रियों के सामान, माल परिवहन की व्यवस्था 5 नवंबर, 1999 से (बस में उपलब्ध स्थान के

अनुसार) लागू है। निगम के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कोई नया सामान संबंधी नियम लागू नहीं किया गया है। इस व्यवस्था के कार्यान्वयन में, समय-समय पर दरों में संशोधन किया गया है। हालाँकि, सामान संबंधी नियम, परिपत्र वर्तमान में 28 अक्टूबर, 2022 से लागू हैं, जिनमें 30 किलो तक सामान ले जाने की निःशुल्क अनुमति, ले जाई जा सकने वाली वस्तुओं की मात्रा आदि का उल्लेख है। अभी तक इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि हमारे संज्ञान में लाया गया है कि 28 अक्टूबर, 2022 के बाद निगम में कोई नया सामान नियम, परिपत्र लागू नहीं किया गया है। यात्री बस में 30 किलो तक का सामान निःशुल्क ले जा सकते हैं। केवल 30 किलो से अधिक सामान होने पर ही उन्हें भुगतान करना होगा। बताया गया है कि बस में 40 किलो वजन की वाशिंग मशीन, एक फ्रिज और 25 किलो वजन का एक खाली कंटेनर भी ले जाने की अनुमति है।

राहुल गांधी कर्नाटक में कौन सा चेहरा लेकर आ रहे हैं: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बताएं कि कर्नाटक में वे कौन सा चेहरा लेकर आ रहे हैं। उन्होंने इस बारे में एक्स पर एक पोस्ट किया और राहुल गांधी, कांग्रेस और सत्तारूढ़ सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वे तब नहीं आए जब पिछले 24 महीनों में 2,000 से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या कर ली। क्या अब आपको कर्नाटक याद भी है? अदम्य राहुल गांधी चुनाव प्रक्रिया को लेकर ऐसे हंगामा कर रहे हैं मानो वे अपने आप में एक आदमी बन गए हों। तीन लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरी तरह से धूल चटा देने वाले राहुल गांधी अब कर्नाटक में चुनाव आयोग के खिलाफ मार्च कर रहे हैं। राहुल गांधी, यह मार्च किस मकसद से है? हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद, क्या बिहार में भी करारी हार के संकेत हैं? वे तब नहीं आए जब सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी के कारण 500 से ज्यादा गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और नवजात शिशुओं की मौत हो गई, वे तब नहीं आए जब माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के उत्पीड़न के कारण 50 से ज्यादा गरीबों ने आत्महत्या कर ली, वे तब नहीं आए जब आईपीएल जीत के जश्न के दौरान सरकारी लापरवाही के कारण 11 निर्दोष युवाओं की मौत हो गई। एक और पोस्ट में उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार केम्पेगौड़ा द्वारा बनाई गई झीलों को रियल एस्टेट दिग्गजों के हाथों में सौंपने जा रही है। अगर यह संशोधन लागू हो जाता है, तो बीबीएमपी के अधिकार क्षेत्र में आने वाली 172 झीलों का बफर जोन 30 मीटर से भी कम रह जाएगा, जिससे प्राकृतिक आपदाओं का रास्ता खुल जाएगा। एक ओर, सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और हाईकोर्ट ने कई आदेश जारी किए हैं, लेकिन झीलों पर अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। कोई बफर जोन ही नहीं है। उन्होंने उल्लेख किया कि झीलों के संरक्षित क्षेत्र को कम करने का कांग्रेस सरकार का फैसला ब्रांड बेंगलूरु के भविष्य के लिए घातक होगा।

पहलगाम हमले के बाद के घटनाक्रम पर केंद्र सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी: स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद के घटनाक्रम पर केंद्र सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है। अभी तक इस बात का कोई जवाब नहीं है कि इतना बड़ा आतंकवादी हमला क्यों होने दिया गया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पुलवामा में 40 जवानों की शहादत के बारे में अभी भी कोई स्पष्टता नहीं है। आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है। हाल ही में हुए पहलगाम हमले के बारे में भी कोई स्पष्टता नहीं है। केंद्र सरकार कोई जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि नष्ट हुए विमानों की संख्या अभी भी स्पष्ट नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं कि युद्धविराम के लिए वे जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान ने कहा है कि उसने 5 भारतीय विमानों को मार गिराया है। उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि केंद्र सरकार यह निश्चित रूप से नहीं बता रही है कि ऐसा हुआ है या नहीं। केंद्र सरकार ने सूखे के दौरान राज्य को दी जाने वाली मुआवजा राशि जारी नहीं की है। इसे पाने के लिए उन्हें सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। भाजपा सांसद विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी और प्रह्लाद जोशी कुछ बोल नहीं रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया खुद में मजबूत हैं। उन्हें अपनी ताकत दिखाने की जरूरत नहीं है। हर साल की तरह इस साल भी वे विधायकों के साथ बैठक कर रहे हैं। इसमें कुछ खास नहीं है। मुख्यमंत्री के पास कामों की अपनी सूची होती है। बैठकें उसी के अनुसार होती हैं।

केआईओसीएल लिमिटेड की मेंगलूरु स्थित संयंत्र इकाई को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मेंगलूरु की 76वीं अर्द्धवार्षिक बैठक तथा प्रशस्ति वितरण समारोह का आयोजन सोमवार को यूनियन बैंक, अंचल कार्यालय, सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता राजेंद्र कुमार, अध्यक्ष, नराकास मेंगलूरु व कार्यालय प्रमुख, अंचल कार्यालय मेंगलूरु, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत सरकार के गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग के उप निदेशक (कार्यान्वयन) अनिर्बान कुमार विश्वास मौजूद थे। उन्होंने भारत सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, स्वायत्त निकायों और बैंकों के राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा करते हुए केआईओ-सीएल लिमिटेड की मेंगलूरु स्थित संयंत्र इकाई को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार प्रदान किया। बैठक का संचालन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक कृष्णा यादव द्वारा अत्यंत सक्षमता से संपादित किया गया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76वीं अर्द्धवार्षिक बैठक में केआईओसीएल को प्राप्त उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार पी. पलनी, मुख्य महा प्रबंधक प्रभारी मेंगलूरु द्वारा प्राप्त किया गया।

बार-बार होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए मेंगलूरु पुलिस सख्ती से केसीओसीए लागू करेगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए, मेंगलूरु सिटी पुलिस ने आदतन अपराधियों के खिलाफ कर्नाटक संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (केसीओसीए) को और सख्ती से लागू करने का फैसला किया है।

अधिकारियों ने एक प्रवृत्ति देखी है जहाँ आरोपी व्यक्ति, एक मामले में जमानत मिलने के बाद, कानून का कोई डर न दिखाते हुए, बेखौफ होकर आपराधिक गतिविधियों में लग जाते हैं। इस चक्र को तोड़ने के लिए, पुलिस केसीओसीए के तहत मामले दर्ज करने की योजना बना रही है, जिससे आरोपियों के लिए जमानत पाना और मुश्किल हो जाएगा और कड़ी सजा सुनिश्चित होगी। छह व्यक्तियों के खिलाफ केसीओसीए के मामले पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें मुंबई के दो व्यक्ति शामिल हैं जिन्हें विदेशी नौकरी के वीजा का वादा करके लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, और चार अन्य जेल में एक साथी कैदी से जबरन वसूली में शामिल थे। यहाँ तक कि संगठित अपराध समूहों से जुड़े लोगों को भी जिन पर पहले कोई आपराधिक मामला नहीं है 'संगठित गिरोह का सदस्य' धारा के तहत दंडित किया जा सकता है, जिसके लिए न्यूनतम पाँच साल की सजा का प्रावधान है।

शहर के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने कहा सिर्फ गिरोह का हिस्सा होने पर ही मुकदमा दर्ज हो जाएगा। कर्नाटक में संगठित अपराध और आतंकवाद से निपटने के लिए 2000 में लागू किया गया केसीओसीए, पुलिस को विशेष अधिकार देता है और अभियुक्तों के लिए जमानत हासिल करना बेहद मुश्किल बना देता है। जहाँ एक अभियुक्त को सामान्य कानूनों के तहत अधिकतम तीन साल की सजा हो सकती है, वहीं केसीओसीए के तहत मुकदमे में न्यूनतम पाँच साल की सजा हो सकती है, जो आजीवन कारावास तक हो सकती है।

आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने कहा अगर किसी व्यक्ति का नाम पिछले दो मामलों में है और वह किसी तीसरी आपराधिक गतिविधि में शामिल होता है, तो हम जमानत से इनकार और अधिकतम सजा सुनिश्चित करने के लिए केसीओसीए लगाएँगे।

विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री का वितरण

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आदि चुनचनगिरी शिक्षण संस्थान ट्रस्ट, बन्नूर के तत्वावधान तथा महा मठ संस्थान के सचिव सोमेश्वरनाथ स्वामी के सान्निध्य में संस्थान में प्रथम स्थानक में नए विद्यार्थियों का अभिनंदन समारोह रखा गया। दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया गया। मुख्य अथिति महेंद्रसिंह राजपुरोहित रहे। जिनका स्वामी की ओर से सम्मान किया गया। राजपुरोहित ने विधार्थियों को पाठ्य सामग्री दी। साथ ही स्मृति चिन्ह के रूप में सरस्वती माता की तस्वीर भेंट की गई। महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि शिक्षा हमें एक व्यक्ति के रूप में आकार देने और हमारे दृष्टिकोण को निखारने से कहीं आगे ले जाती है। यह आपको एक बेहतर नागरिक बनने और एक बेहतर समाज बनाने में मदद करती है। हमारी अगली पीढ़ी को शिक्षित करने व अज्ञानता के विरुद्ध लड़ाई में मदद करती है। जीवन एक आईना है, यह वही दिखाता है जो आप देखते हैं। हमें अपने सपने सच करने के लिए पहले सपने को देखना पड़ता है। विधार्थी को सकारात्मक सोच हमेशा सफलता की ओर ले जाती है। हमें हर दिन कुछ नया सिखने का अवसर मिलता है। आपकी सकारात्मक सोच ही आपकी दुनिया बनाती है। चेहरे पर मुस्कान वह चाबी है जो सभी के दिलों के दरवाजे खोल देती है। इस अवसर पर साहित्यिक एचएम. पृथ्वीराज, बन्नूर पुलिस थाना उपनिरीक्षक कांशीनाथ, प्राचार्य उमाशंकर, राजशेखर, नागलिंगे स्वामी, सुरेश, व्यवस्थापक आनंद गौड़ा, अश्वथ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

मुनिश्री ने करवाया 21 की तपस्या का प्रत्याख्यान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य डॉ मुनि पुलकित कुमारजी, सहवर्ती नचिकेता मुनि, श्री आदित्य कुमारजी ने मंगलवार प्रातः गांधीनगर में मीना देवी की तपस्या के प्रत्याख्यान के अवसर पर कहा कि शरीर के लिए जितना जरूरी अन्न है, उतना ही जरूरी तपस्या करना है। तप से तन और मन दोनों की शुद्धि होती है। इसे धर्म शास्त्रों में दुःख मिटाने का उत्तम उपाय बताया है। धार्मिक व्यक्ति के लिए अनेक प्रकार की समाधि प्राप्ति का विधान है। उनमें एक मुख्य है तप की समाधि। मुनि ने विनय समाधि पर भी विस्तार से विवेचन किया। मुनि ने आगे कहा अभी सावन के महीने में जैसे बरसात की झड़ी लगती है, वैसे ही श्रावक समाज में तपस्या की लड़ी बननी चाहिए। मुनि ने उपस्थित सभी श्रावक समाज को राजस्थानी भाषा में तपस्या रो बादलियो बरस्यो गीत के माध्यम से तपस्या करने की प्रेरणा दी। मुनि आदित्य कुमार जी ने तप की अनुमोदना में गीत प्रस्तुत किया। तपस्विनी मीना सुरेश दक को मुनि ने जैसे ही 21 की तपस्या का प्रत्याख्यान करवाया तेरापंथ भवन ओम् अर्हम की मंगल ध्वनि से गूंज उठा। टीना मांडोत ने नौ तपस्या का पंच्चखान किया। तेरापंथ सभा की तरफ से तपस्विनी का साहित्य एवं जैन पट्ट से तप अभिनंदन किया गया। तप अनुमोदना में विमल पितलिया, राजाजीनगर सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, मंत्री चंद्रेश मांडोत आदि अनेक वक्ताओं ने विचार प्रस्तुत किए।

गोवा ट्रिप के लिए पैसे जुटाने हेतु चाचा के घर चोरी करने वाली छात्रा गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोथानूर पुलिस ने चोरी के एक मामले का पर्दाफाश करते हुए एक बी.कॉम छात्रा और उसके तीन दोस्तों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने इस साल मई में अपने चाचा के घर से 65 लाख मूल्य के सोने के कीमती सामान चुराए थे ताकि वे अपनी गोवा ट्रिप और अपने पुरुष मित्र के लिए निवेश कर सकें।

आरोपी सचिता अपनी पढ़ाई के लिए अपने चाचा के घर में रह रही थी और उसने कथित तौर पर मई में कीमती सामान चुराकर अपने पुरुष मित्र और सहपाठी यशवंत को दे दिया था।

दोनों एक निजी कॉलेज में वाणिज्य स्नातक की पढ़ाई कर रहे थे।

कीमती सामान मिलने के बाद, यशवंत ने कथित तौर पर उन्हें अपने दोस्तों तनुश और रामप्रकाश को बेच दिया ताकि वे उन्हें बेचकर पैसे ले सकें।

आरोपी ने कथित तौर पर कुछ सोने के कीमती सामान को पिघलाकर गोवा में एक पार्टी को बेच दिया और यशवंत ने उस पैसे का एक हिस्सा अपनी भविष्य की योजनाओं में लगा दिया।

राजनीति में जैन समाज की सक्रियता बढ़े

जीतो केकेजी जोन पदाधिकारियों की केएमडीसी चेयरमैन से भेंट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में मानव सेवा, जीवदया, आपदा सेवा एवं राष्ट्र सेवा में सदैव तत्पर रहने वाला जैन समाज राजनैतिक रूप से कभी भी उतना सक्रिय नहीं रहता है, जबकि आज व्यापारिक, सामाजिक एवं व्यावहारिक रूप से मजबूत जैन समाज को राजनैतिक रूप से मजबूत होने की नितांत आवश्यकता है। यह सुझाव कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम के अध्यक्ष अल्ताफ खान ने जीतो केकेजी जोन के प्रतिनिधि मंडल को दिये।

केकेजी जोन के महामंत्री दिलीप जैन के नेतृत्व में जीतो के एक प्रतिनिधि मंडल ने अल्ताफ खान से भेंट के दौरान जैन समाज के उत्थान की मांगों का एक ज्ञापन सौंपा एवं मांगों को कर्नाटक सरकार तक पहुंचाने का अनुरोध किया।

अल्ताफ खान ने जैन समाज के उत्थान की मांगों का समर्थन करते हुए संबंधित मंत्रियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। जीतो केकेजी जोन के अल्पसंख्यक एवं मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार अल्पसंख्यक विकास निगम चेयरमैन को सौंपे ज्ञापन में जैन समाज से संबंधित शैक्षणिक, व्यापारिक एवं आर्थिक मांगों के साथ जैन विकास निगम के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग को प्रमुखता से रखा गया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल जीतो बेंगलूरु साउथ के अल्पसंख्यक प्रभारी इंदर नाहर, नार्थ के अल्पसंख्यक प्रभारी किशोर कर्णावट एवं जीतो जैन बंधु योजना के समिति सदस्य अमित कोठारी ने अल्ताफ खान से सरकार की ओर से दी जाने वाली नियुक्तियों में जैन समाज को प्राथमिकता का अनुरोध किया। इस दौरान कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम के निदेशक मोहम्मद सिराज विशेष रूप से उपस्थित थे।

महाराष्ट्र प्रवर्तिनी प्रभाकंवरजी की जन्म जयंती पंचरंगी सामायिक दिवस के रूप में मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विल्सन गार्डन में महाराष्ट्र प्रवर्तिनी साध्वी श्री प्रभाकंवरजी की जन्म जयंती 'पंचरंगी सामायिक स्वाध्याय दिवस' के रूप में श्रद्धा और भक्ति के साथ भावपूर्वक मनाई गई। कर्नाटक तप चंद्रिका साध्वी आगमश्रीजी ने प्रभाकंवरजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे वात्सल्य, विनय और अनुशासन की साक्षात प्रतिमूर्ति है। उनकी वाणी में मधुरता और व्यवहार में सहजता है। उन्होंने अपनी शिष्याओं को आत्मबल, आत्मविश्वास और आगम आधारित जीवन जीने की प्रेरणा दी। वे गुरुभक्ति की आदर्श है, और उनका जैन धर्म के प्रचार प्रसार में उल्लेखनीय योगदान रहा। साध्वी धैर्याश्रीजी ने कहा कि जीवन को सार्थक बनाने के लिए हमें त्याग, क्षमा, धैर्य और समता जैसे गुणों को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा। सामायिक आत्मा की शुद्धि का उत्तम माध्यम है। इसमें ध्यान, स्वाध्याय, संकल्प, मैत्री और समता के भाव समाहित होते हैं, जो आत्मिक उन्नति की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं। संघ के चेयरमैन मिठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। मंत्री सज्जन बोहरा ने संघ के आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया।

मांड्या मेरे लिए कनकपुरा जितना ही महत्वपूर्ण है: डीके शिवकुमार

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि मेरे लिए मांड्या के सातों निर्वाचन क्षेत्र भी कनकपुरा जितना ही महत्वपूर्ण है। पूरी सरकार मद्दुर विधायक उदय के साथ खड़ी है। शिवकुमार ने कहा कि हमने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का कर्ज चुकाने के लिए 1146 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास किया है। उन्होंने मद्दुर में आयोजित विभिन्न विभागों की 1146 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में यह बात कही। हम आज आपसे तालियाँ बजाने नहीं आए हैं। आपने इस निर्वाचन क्षेत्र में हमारे उम्मीदवार उदय को जिताकर जिले की 7 में से 6 सीटों पर कांग्रेस का समर्थन किया है। हम आपका कर्ज चुकाने आए हैं, जिसकी बदौलत राज्य में 136 सीटों वाली एक मजबूत सरकार बनी है। मैं सिंचाई विभाग का कार्यालय शुरू कर रहा हूँ। हमने मालवल्ली तक पानी पहुँचाया है और मद्दुर में नहरों के विकास के लिए 500 करोड़ रुपये से ज्यादा दिए हैं। चेलुवरायस्वामी भी किसानों के बच्चों के लिए एक कृषि

विश्वविद्यालय लाने के लिए आगे आए हैं। जिले के सभी सातों विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न योजनाएँ शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि इस जिले में सबसे ज्यादा विधायक जीतकर आने के बाद ही कांग्रेस की सरकार बनी थी। राज्य में महिलाएँ मुफ्त बसों में यात्रा कर रही हैं, घरों में 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिल रही है। महिलाओं को 2,000 रुपये प्रति माह, 10 किलो चावल और बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है। उन्होंने सरकार के काम का बखान करते हुए कहा कि पूरे देश में किसी भी सरकार ने ऐसी योजना नहीं दी है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने 4.08 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। गारंटी योजनाओं के लिए 52 हजार करोड़, किसानों के पंपसेटों को मुफ्त बिजली देने के लिए हमारी सरकार 19 हजार करोड़ प्रति वर्ष, समाज कल्याण विभाग और अन्य विभागों से 25 हजार करोड़ लोगों को दे रही है। हम पेंशन के लिए 10,900 करोड़ दे रहे हैं। इसके जरिए हम बजट का 1 लाख करोड़ लोगों को दे रहे हैं। आप सभी को भाजपा से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने सत्ता में रहते हुए ऐसी कोई योजना लागू की थी? क्या उन्होंने मुश्किल में फंसे लोगों की मदद की? नहीं। इसलिए, वे हमारे बारे में बात करने का साहस खो चुके हैं। उपलब्धि कोई विलासिता नहीं है। यह समय के पायदान पर नहीं है, उपलब्धि प्रयास के पहाड़ की चोटी पर है। उन्होंने कहा कि हमारी कांग्रेस सरकार कई कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों का जीवन बदल रही है। उन्होंने पार्टी कार्यालय के लिए अपनी संपत्ति त्यागने वाले उदय को बधाई दी और कहा कि खुद को योगी कहने से ज्यादा जरूरी है खुद को उपयोगकर्ता कहना।

ऑपरेशन शिवशक्ति ने नाकाम की घुसपैठ की कोशिश

पुंछ में सुरक्षाबलों ने ढेर किए दो आतंकी

जम्मू, 30 जुलाई (ब्यूरो)।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में बाड़ के पास भारत की सीमा में घुसने का प्रयास कर रहे दो आतंकियों को भारतीय सेना ने मार गिराया। घुसपैठ की कोशिश करते देख सुरक्षाबलों ने गोली चलाई। आतंकियों ने भी फायरिंग की। मुठभेड़ में दो आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। सुरक्षाबलों का ऑपरेशन अभी जारी है।

जम्मू-कश्मीर में बॉर्डर पर पुंछ जिले में भारत पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर स्थित दिगवार सेक्टर में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश की।

अलर्ट सुरक्षाबलों ने संदिग्ध गतिविधियां देख गोलीबारी की। आतंकियों ने भी फायरिंग की। सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई। व्हाइटनाइट कोर के अनुसार, ऑपरेशन शिवशक्ति के घुसपैठ को कोशिश को नाकाम किया गया है। भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने नियंत्रण रेखा पार कर घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को मार गिराया। त्वरित कार्रवाई और सटीक गोलाबारी ने उनके नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। तीन हथियार बरामद किए गए हैं।

इससे पहले, सोमवार को जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा के बीच ऑपरेशन महादेव शुरू करते हुए सेना ने पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड समेत तीन आतंकियों को मार गिराया। श्रीनगर के दाचीगाम के ऊपरी क्षेत्र में हुई भीषण मुठभेड़ में मारे गए तीनों आतंकी लश्कर-ए-ताइबा के बताए गए। मारा गया एक आतंकी पहलगाम आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता सुलेमान उर्फ आसिफ है। दो अन्य की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। जिबरान पिछले वर्ष सोनमर्ग सुरंग हमले में शामिल था। मुठभेड़ स्थल से अमेरिका निर्मित एक एम4 कार्बाइन असॉल्ट राइफल, एके सीरीज की दो राइफल समेत गोला-बारूद बरामद की गईं। दाचीगाम वन क्षेत्र श्रीनगर से 25 किमी दूर है। ऑपरेशन से जुड़े एक सैन्य अफसर ने बताया, स्पेशल फोर्सेज 4 पैरा व 24 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) को पहलगाम हमले में आतंकियों की ओर से इस्तेमाल सैटेलाइट फोन के उपयोग का संकेत मिला था। इसके तत्काल बाद ऑपरेशन महादेव शुरू कर घेराबंदी की गई। दहशतगर्दों की मौजूदगी की पुष्टि होने पर अतिरिक्त बल बुलाकर घेरा और भी सख्त किया गया, ताकि वे भाग न सकें। खुद को घिरा देख आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ में दोनों तरफ से भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें तीन आतंकी मारे गए।

अल कायदा की पहली महिला आतंकवादी गिरफ्तार

भारत में अल कायदा की सरगना है शमा परवीन

बेंगलुरु, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

गुजरात के एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने आतंकी संगठन अल कायदा के लिए काम करने वाली महिला आतंकी शमा परवीन को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया। शमा परवीन पाकिस्तान के सीधे सम्पर्क में थी।

वह अपने हैंडलर्स से बातचीत करती थी। एटीएस ने बताया कि शमा परवीन इंस्टाग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आतंकी कंटेंट साझा करती थी और लोगों को भड़काती थी। इसके साथ ही वह आतंकियों की भर्ती भी कर रही थी। शमा परवीन की गिरफ्तारी अल कायदा मॉड्यूल के आतंकियों के पकड़े जाने के बाद हुई है।

गुजरात की एटीएस इकाई ने बेंगलुरु से अल कायदा इंडियन सब कॉन्टिनेन्ट की एक महिला इस्लामी आतंकवादी को गिरफ्तार किया, जिसका नाम शमा परवीन है। शमा परवीन का लिंक हाल ही में उजागर हुए आतंकी मॉड्यूल से है। पकड़ी गई शमा परवीन (30 वर्ष) झारखंड की रहने वाली है। वह बेंगलुरु में अपने भाई के साथ रहती थी और वहीं से वह आतंकी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में सक्रिय थी। एटीएस ने उसे अल कायदा के भारतीय मॉड्यूल का सरगना बताया है। शमा परवीन की गिरफ्तारी अल कायदा मॉड्यूल के खुलासे के बाद हुई है। 23 जुलाई 2025 को देश के अलग-अलग हिस्से से पकड़े गए 4 इस्लामी आतंकियों से पूछताछ में शमा परवीन का नाम आया था। इसके बाद बाद उसे बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया।

एटीएस ने उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर पूछताछ और छानबीन तेज कर दी है। इससे पहले गुजरात एटीएस ने अल कायदा के चार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। यह आतंकवादी देश के अलग-अलग हिस्सों से गिरफ्तार किए गए थे। यह चारों अल कायदा के लिए भर्ती चला रहे थे। इनकी पहचान मोहम्मद फरदीन रईस, सैफुल्लाह कुरैशी रफीक, मोहम्मद फैक रिजवान और जीशान अली के रूप में हुई थी। दो आतंकी को गुजरात में अलग-अलग जगहों से पकड़ा गया था। वहीं, एक को दिल्ली और अन्य को नोएडा से गिरफ्तार किया गया था। ये सभी आतंकी सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालकर लोगों को अल कायदा से जोड़ने का काम कर रहे थे।

लद्दाख के गलवान में सेना के वाहन पर गिरा पत्थर

ले. कर्नल और जवान शहीद दो मेजर और कैप्टन जख्मी

जम्मू, 30 जुलाई (ब्यूरो)।

लद्दाख के गलवान के चारबाग इलाके में बड़ा हादसा हुआ है। सेना के एक वाहन पर बोल्डर (पत्थर) गिर गया। इससे वाहन में बैठे दो अधिकारी शहीद हो गए। तीन अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

घायलों को एयरलिफ्ट किया गया। घायलों में 2 मेजर और 1 कैप्टन हैं। उनकी दशा नाजुक बताई जा रही है। जवानों का काफिला दुरबुक से चोंगताश ट्रेनिंग यात्रा पर था।

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि यह हादसा बुधवार को 11.30 बजे दिन में हुआ जब दुरबुक से चोंगताश जा रहा सैन्य वाहन भूस्खलन की चपेट में आ गया। इसमें 14 सिंध हॉर्स के लेफ्टिनेंट कर्नल मनकोटिया और जवान दलजीत सिंह शहीद हो गए। जबकि मेजर मयंक शुभम (14 सिंध हॉर्स), मेजर अमित दीक्षित और कैप्टन गौरव (60 आर्म्ड) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायल फौजियों को 153 एमएच लेह ले जाया गया है।

एमएलसी द्वारा 100 लाभार्थियों को पत्थर काटने की मशीनें वितरित

1 लाख परिवारों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के एक लाख परिवारों के जीवन को बदलने के अपने मिशन के तहत, एमएलसी आमेर अली खान ने बुधवार को राज्य भर से आए 100 वंचित व्यक्तियों को पत्थर काटने की मशीनें वितरित कीं। इस पहल के दूसरे चरण के तहत आयोजित वितरण समारोह तेलंगाना तुर्का काशा संगसेमा संगठन के लिए हैदराबाद के सियासत ऑडिटोरियम में हुआ।

कार्यक्रम में उत्साह और एकता का माहौल रहा, जिसमें कई वक्ताओं ने प्रभावशाली भाषण दिए। वक्ताओं ने आमेर अली खान की सामुदायिक विकास के प्रति निरंतर समर्पण की प्रशंसा की और उनके चल रहे प्रयासों के लिए समर्थन की पुष्टि की।

आमेर अली खान का संबोधन

सभा को संबोधित करते हुए, एमएलसी आमेर अली खान ने जनसेवा के प्रति अपनी आजीवन प्रतिबद्धता दो-हराई। उन्होंने कहा, समुदाय की सेवा मेरा पहला कर्तव्य है। इस्लाम हमें दूसरों के कल्याण के लिए काम करने की शिक्षा देता है। उन्होंने समुदाय से आंतरिक मतभेदों को दरकिनार कर सामान्य प्रगति के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, हम एकजुट न होने के कारण पीछे रह गए हैं। अब समय है कि हम अपने मतभेदों को सुलझाएँ और एक साथ आगे बढ़ें।

जाति सर्वेक्षण पर टिप्पणी करते हुए, आमेर अली खान ने बताया कि तेलंगाना में 34 लाख मुस्लिम पिछड़े वर्ग में आते हैं, फिर भी सरकारें संसाधनों में उनका उचित हिस्सा आवंटित करने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा, मैंने बीआरएस सरकार से अल्पसंख्यक बजट के लिए कम से कम 5,000 करोड़ रुपये आवंटित करने का आग्रह किया था। जब ऐसा नहीं हुआ, तो मैंने कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने का फैसला किया।

मुस्लिम प्रतिनिधित्व की कमी

वक्ताओं द्वारा वर्तमान तेलंगाना मंत्रिमंडल में मुस्लिम मंत्री की अनुपस्थिति पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए, आमेर अली खान ने इस कमी को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, हाँ, हमें मंत्रिमंडल में मुस्लिम प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है। मैं भी एक मुस्लिम मंत्री देखना चाहता हूँ, लेकिन मैं स्वयं को आगे नहीं रख रहा हूँ। यह निर्णय पार्टी को करना है। उन्होंने यह भी बताया कि अतीत में कई मुस्लिम नेताओं ने मंत्रिपद संभाले, लेकिन अधिकांश ने या तो व्यक्तिगत लाभ पर ध्यान केंद्रित किया या समुदाय के भीतर स्थायी नेतृत्व विकसित करने में असफल रहे। कार्यक्रम का समापन उपस्थित लोगों में एक नई एकजुटता और उद्देश्य की भावना के साथ हुआ। आमेर अली खान के नेतृत्व में आजीविका सहायता के माध्यम से परिवारों को सशक्त बनाने की यह पहल लगातार गति पकड़ रही है।

पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल ने राज्यपाल से की भेंट

दिव्यांगों के लिए विशाल स्वास्थ्य शिविर की घोषणा

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से राजभवन में भेंट की। इस मुलाकात के दौरान, संगठनों ने राज्यपाल को जरूरतमंद लोगों के लिए चलाए जा रहे अपने विभिन्न सेवा कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह भेंट समाज सेवा के प्रति दोनों संगठनों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

राज्यपाल को सेवा कार्यों से अवगत कराया

प्रतिनिधियों, प्रदीप अग्रवाल और गोपाल सिंह ने राज्यपाल को बताया कि पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल लंबे समय से समाज के वंचित वर्गों की सहायता के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, और अन्य कल्याणकारी क्षेत्रों में चल रहे अपने अभियानों पर प्रकाश डाला, जिनका उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना है।

दिव्यांग बंधुओं के लिए विशाल स्वास्थ्य शिविर की घोषणा

इस भेंट का एक प्रमुख बिंदु राज्यपाल के निर्देशानुसार निकट भविष्य में आयोजित होने वाले एक विशाल स्वास्थ्य शिविर की घोषणा थी। यह शिविर विशेष रूप से विकलांग बंधुओं (दिव्यांगजनों) के लिए समर्पित होगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी हैदराबाद ब्रांच, डिसेबल फाउंडेशन और महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से संचालित किया जाएगा।

शिविर में दिव्यांग व्यक्तियों का संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। उनकी आवश्यकतानुसार, उन्हें दवाइयाँ, चश्मे, बैसाखियाँ, कैलीपर और ट्राईसाइकिल जैसी आवश्यक सामग्री निःशुल्क प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यदि आवश्यक हुआ तो उनका निःशुल्क ऑपरेशन भी करवाया जाएगा, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति

इस महत्वपूर्ण अवसर पर, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी हैदराबाद ब्रांच के चेयरमैन मामिडी भीम रेड्डी, डिसेबल फाउंडेशन के चेयरमैन डॉक्टर विजय भास्कर और डॉक्टर कीर्तन यादव भी उपस्थित थे। इनकी उपस्थिति ने इस मानवीय पहल के महत्व को और बढ़ा दिया, और यह दर्शाता है कि विभिन्न संगठन मिलकर समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। यह पहल समाज के प्रति पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल की गहरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना और उन्हें बेहतर जीवन जीने में मदद करना है।

रेलवे सुरक्षा बल और राष्ट्रीय महिला आयोग ने मानव तस्करी के खिलाफ सहयोग को मजबूत किया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व मानव तस्करी निषेध दिवस के अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के बीच एक नवीनीकृत समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समारोह में केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव उपस्थित थे।

एमओयू का उद्देश्य

रेल मंत्री ने सोशल मीडिया पर इस विकास को साझा करते हुए कहा कि इस एमओयू का उद्देश्य आरपीएफ कर्मियों की क्षमता को मजबूत करना है ताकि वे महिलाओं और बच्चों की तस्करी को रोकने के साथ-साथ महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराधों को प्रभावी ढंग से रोक सकें। एमओयू पर एनसीडब्ल्यू की उप सचिव श्रीमती शिवानी डे और आरपीएफ के डीआईजी/प्रोजेक्ट्स श्री एस. सुधाकर ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एनसीडब्ल्यू द्वारा तैयार मानव तस्करी विरोधी एक विशेष पुस्तिका भी जारी की गई।

मानव तस्करी : एक गंभीर चुनौती

एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष श्रीमती विजया राहटकर ने इस मुद्दे की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि मानव तस्करी मानवाधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन है, जिसमें महिलाएँ और लड़कियाँ सबसे अधिक प्रभावित होती हैं।

उन्होंने आरपीएफ की प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप में महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने पिछले साढ़े चार वर्षों में आरपीएफ द्वारा देशभर में 65,000 से अधिक तस्करी पीड़ित और खोए/भागे हुए बच्चों को बचाने के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

आरपीएफ की प्रतिबद्धता

आरपीएफ के महानिदेशक श्री मनोज यादव ने इस कारण के प्रति बल की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे, अपने व्यापक नेटवर्क के साथ, तस्करी के खिलाफ अग्रिम पंक्ति में रक्षा करने की जिम्मेदारी और अवसर दोनों रखता है। एनसीडब्ल्यू के साथ यह साझेदारी आरपीएफ की परिचालन प्रतिक्रिया और सामुदायिक जागरूकता को और तेज करेगी।

प्रशिक्षण और जागरूकता पहल

इस एमओयू के तहत आरपीएफ कर्मियों के लिए संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम और संवेदनशीलता पहल आयोजित की जाएंगी। रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में सूचना सामग्री के प्रसार के माध्यम से जन जागरूकता अभियान भी चलाए जाएँगे। इसके अलावा, 750 से अधिक स्थानों पर पहले से ही कार्यरत मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (एएचटीयू) का उपयोग निगरानी को मजबूत करने और संदिग्ध मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा।

राष्ट्रीय प्रतिबद्धता

यह सहयोगात्मक प्रयास कमजोर समुदायों की सुरक्षा और मानव तस्करी के प्रति शून्य-सहिष्णुता के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय रेलवे, देश की सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवा प्रणालियों में से एक, इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

योगी ने किया सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 का शुभारम्भ

68 हजार युवाओं को दिए गए 2,751 करोड़

पूंजी की कमी दूर कर युवाओं के जीवन में परिवर्तन लाने का प्रयास

लखनऊ, 30 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सीएम युवा उद्यमी अभियान एक ब्याजमुक्त तथा गारंटीमुक्त योजना है। नए उद्यमी के रूप में उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनने के इच्छुक प्रदेश के 68 हजार युवाओं को सरकार द्वारा 2,751 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए गए हैं। यह उत्तर प्रदेश की असीमित क्षमता को प्रदर्शित करता है। योजनान्तर्गत सरकार लाभार्थी को 10 प्रतिशत मार्जिन मनी भी उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री आज यहां मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 का शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मशीनरी सप्लायर्स पोर्टल यूपी मार्ट को लॉन्च किया। मुख्यमंत्री के समक्ष एमएसएमई विभाग के साथ उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, यूपी नेडा व उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन तथा 14 शैक्षणिक संस्थानों/तकनीकी संस्थानों के मध्य कुल 17 एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम में सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान से लाभान्वित युवाओं ने अपनी सफलता की कहानियाँ व अनुभव साझा किए। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री ने कॉन्क्लेव में 150 से अधिक फ्रेन्चाइजी ब्रांड, बिजनेस ऑन व्हील्स व मशीनरी पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीएम युवा पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यहां सीएम युवा उद्यमी योजना से लाभान्वित 05 उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए। सीएम युवा उद्यमी योजना से लाभान्वित युवाओं की सफलता की कहानियों के माध्यम से उनके उत्साह व उमंग को देखा जा सकता है। ऐसे ही अनेक युवा प्रदेश में अलग-अलग सेक्टर में कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा युवा जब विश्वविद्यालयों में अध्ययन करता है, तो उसे केंद्र व राज्य सरकार की पॉलिसी की कोई विशेष जानकारी नहीं होती है।

जब युवा विश्वविद्यालयों से निकलता है, तो असमंजस की स्थिति में रहता है। उसे विशेष सेक्टर की गहन जानकारी नहीं होती है। बिना किसी प्रशिक्षण के जब वह लोन ले लेता है, तो एक समय के बाद उस पर कर्ज बढ़ता चला जाता है। उसके सामने निराशा आती है। बिजनेस की जानकारी नहीं होने के कारण पलायन करने का मन करता है, लेकिन तब तक देर हो चुकी होती है। ऐसे बहुत से युवा हैं, जो स्वयं का काम शुरू करना चाहते हैं, लेकिन उनके पास पूंजी नहीं होती है। इन सबकी समस्या का समाधान सीएम युवा उद्यमी योजना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सैकड़ों वर्षों से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम बड़े पैमाने पर थे। प्रत्येक जनपद में अच्छा क्लस्टर मौजूद था। वर्ष 2017 से पूर्व की तत्कालीन सरकार ने इनके महत्व को नहीं समझा। वर्ष 2017 में जब हमारी सरकार का गठन हुआ, तो अध्ययन के उपरान्त ज्ञात हुआ कि प्रत्येक जनपद में कोई न कोई परम्परागत उद्योग हैं। यह सभी परम्परागत उद्योग दम तोड़ रहे थे। पिछली सरकारों की अराजकता, भ्रष्टाचार, गुण्डागर्दी व बेईमानी के कारण लोग पलायन कर रहे थे और यहां का उद्यम बंद होता दिखाई दे रहा था। हस्तशिल्पी पलायन कर रहे थे, कारीगर हतोत्साहित होकर दूसरे कार्यों को ढूंढ़ रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में हमारी सरकार का गठन होने के उपरान्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में लोक कल्याण संकल्प-पत्र के अनुरूप परम्परागत उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में 24 जनवरी, 2018 को एक जनपद एक उत्पाद योजना प्रारम्भ की गई। इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक जिले के एक उत्पाद को बढ़ावा दिया गया। आज यह योजना पूरे देश में एक ब्रांड बन गई है। यह योजना आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बनी है। प्रधानमंत्री ने इसे वोकल फॉर लोकल का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया है। अकेले इस योजना ने उत्तर प्रदेश के एक्सपोर्ट को 86 हजार करोड़ रुपए से बढ़ाकर 02 लाख करोड़ रुपए से अधिक कर दिया है। प्रधानमंत्री ने इस योजना की सराहना की है।

उत्तर प्रदेश में भयंकर बिजली संकट

डबल इंजन सरकार की गलत नीतियों का नतीजा

लखनऊ, 30 जुलाई (ब्यूरो)। विगत एक हफ्ते से उत्तर प्रदेश में बिजली का संकट चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा बिजली विभाग की हाई लेवल मीटिंग में बिजली के शीर्ष प्रबंधन पर बुरी तरह बिफर गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बिजली संकट के लिए कर्मचारियों को दोषी ठहराते हुए चेतावनी दी गई है। परिणामतः प्रदेश में इंजीनियरों और कर्मचारियों पर दमन की मनमानी कार्रवाई हो रही है। वास्तव में प्रदेश अभूतपूर्व बिजली संकट के दौर से गुजर रहा है। सरकार की घोषणा कि जिला मुख्यालयों पर 24 घंटा, तहसील मुख्यालयों पर 21.30 घंटा, ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटा और सिंचाई हेतु ट्यूबवेल के लिए 10 घंटा बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। यह एक दिवा स्वप्न बनकर रह गया है। गांव और छोटे शहरों की बात तो छोड़ दें राजधानी लखनऊ तक में विधानसभा और सचिवालय के आस-पास के महत्वपूर्ण इलाके में भी घंटों बिजली की कटौती हो रही है। दरअसल पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण से पहले उत्तर प्रदेश में एक ऐसा माहौल बनाया जा रहा है ताकि लोग खुद ही कहने लगें कि सरकारी क्षेत्र से बेहतर निजी क्षेत्र होगा। सचेत ढंग से सरकार और भाजपा के लोग इस बिजली संकट के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों, इंजीनियरों और कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहरा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ले रहे हैं। जनता की नजर में कर्मचारियों को खलनायक बनाने के लिए चौतरफा प्रयास हो रहे हैं।

ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर ने कहा, दरअसल उत्तर प्रदेश के व्याप्त मौजूदा विद्युत संकट का मुख्य कारण योगी सरकार की नीतियां हैं। प्रदेश में आज लगभग 29000 मेगावाट तक बिजली की पीक डिमांड है, जो पिछले 10 वर्षों की तुलना में दोगुनी से भी ज्यादा है। इस डिमांड के सुचारू संचालन के लिए जिस मैनपावर की आवश्यकता थी जिसे पूरा करने के लिए सरकार तैयार नहीं है। जितनी संख्या में जूनियर इंजीनियर, फील्ड स्टाफ, संविदा कर्मचारी की जरूरत थी उनकी भर्ती नहीं की गई। रोजगार अधिकार अभियान की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में बिजली विभाग में करीब 40000 पद रिक्त पड़े हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या जूनियर इंजीनियर और फील्ड स्टाफ की है। आज की जरूरत के हिसाब से पदों का सृजन भी नहीं किया जा रहा है। उलटा हो यह रहा है कि जो स्टाफ अभी मौजूद है उसी के ऊपर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। जूनियर इंजीनियर संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि एक-एक जूनियर इंजीनियर 20-20 किलोमीटर के एरिया को देख रहा है। यहीं नहीं उसके ऊपर ही जिले तक के नोडल आफिसर से लेकर अन्य जिम्मेदारियां भी डाल दी जाती हैं। हालत यह है कि मध्यांचल विद्युत वितरण निगम से लेकर अन्य डिस्काम में हजारों अनुभवी संविदा कर्मियों को 55 वर्ष की उम्र का हवाला देकर काम से ही निकाल कर बाहर कर दिया गया है। इतना ही नहीं संविदा कर्मियों का भी ट्रांसफर किया जा रहा है। कर्मचारी संगठनों का यह साफ-साफ कहना है कि बिजली विभाग एक अत्यंत दक्षता का विभाग है। यहां अन्य विभागों की तरह ट्रांसफर नीति लागू नहीं की जा सकती। जो इंजीनियर जिस जॉब पर काम करता है वह उसकी सभी कमजोरियों के बारे में जानकार होता है और ट्रांसफर के बाद आए नए व्यक्ति के लिए मशीनों को सुचारू रूप से चला पाना संभव नहीं होता है।

आगरा स्मार्ट सिटी के आंकड़ों में बड़ी गड़बड़ी

खर्च हुए 978 करोड़, मंत्री ने बताया 2369 करोड़

आगरा, 30 जुलाई (ब्यूरो)। आगरा स्मार्ट सिटी मिशन के तहत खर्च की गई रकम में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 978 करोड़ रुपए खर्च किए गए लेकिन सरकार के आंकड़ों में यह रकम लगभग ढाई गुना ज्यादा है।

आगरा को स्मार्ट बनाने के लिए स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 978 करोड़ रुपए खर्च किए गए लेकिन सरकार के आंकड़ों में यह रकम लगभग ढाई गुना ज्यादा है। राज्यसभा सांसद नवीन जैन ने राज्यसभा में आगरा में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे कार्यों पर सवाल पूछा, जिसके जवाब में शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने सोमवार को जवाब दिया कि आगरा में 62 योजनाओं पर आगरा स्मार्ट सिटी कंपनी ने 2369 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

हकीकत में आगरा स्मार्ट सिटी ने 19 प्रोजेक्ट पर 978 करोड़ रुपए ही खर्च किए हैं। इनमें से ज्यादातर योजनाएं लोगों के काम नहीं आ रहीं हैं, जबकि दो कार्य अनुमति न मिलने के कारण ड्रॉप कर दिए गए। राज्यसभा में सांसद नवीन जैन ने अतारांकित प्रश्न नंबर 862 में पूछा कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत आगरा में स्मार्ट सिटी से जुड़े सभी काम पूरे हो चुके हैं। अगर नहीं तो बाकी बचे कार्यों का ब्योरा क्या है और उनके पूरे होने की समय सीमा क्या है।

इसके जवाब में आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने राज्यसभा में जवाब दिया कि आगरा में आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 62 परियोजनाओं पर 2369 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं और सभी योजनाएं पूरी हो चुकी हैं। 31 मार्च 2025 के बाद स्मार्ट सिटी मिशन समाप्त हो चुका है और इस वर्ष कोई बजट जारी नहीं किया गया है।

आगरा स्मार्ट सिटी में 62 प्रोजेक्ट का दावा केंद्रीय राज्य मंत्री ने राज्यसभा में किया है, जबकि हकीकत में केवल 19 प्रोजेक्ट ही शुरू हुए। इन 19 प्रोजेक्ट में ताजमहल के पास कुत्ता पार्क में डिस्पेंसरी और पश्चिमी गेट पर मलको गली के पास जच्चा-बच्चा अस्पताल का निर्माण शामिल था, लेकिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और नेशनल मॉन्यूमेंट अथॉरिटी से इन दोनों कार्यों के लिए अनुमति नहीं दी। केवल पूर्वी गेट पर ताज से 500 मीटर दूर कुष्ठ आश्रम के जीर्णोद्धार का काम ही किया गया। स्मार्ट सिटी ने अनुमति से पहले ही वर्ष 2018 में दोनों इमारतों को तोड़ दिया था, जिससे इनका संचालन भी बंद हो गया। क्षेत्रीय लोग सात साल से परेशानी में हैं लेकिन राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री ने स्मार्ट सिटी के सभी प्रोजेक्ट पूरे होने का दावा किया है।

उत्तर प्रदेश के 157 रेलवे स्टेशनों का होगा विकास

अमृत भारत योजना में 20 स्टेशनों के प्रथम चरण का काम पूरा

लखनऊ/नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद अरुण गोविल के लोकसभा में पूछे गए प्रश्न के जवाब में बताया कि उत्तर प्रदेश में रेलवे स्टेशन विकास की दिशा में एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत राज्य के 157 रेलवे स्टेशनों को चरणबद्ध ढंग से आधुनिक रूप में तैयार किया जाएगा, जिनमें से 20 स्टेशनों पर प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो चुका है।

रेल मंत्री ने बताया कि जिन स्टेशनों पर कार्य सम्पन्न हो चुका है, उनमें अयोध्या धाम, बरेली सिटी, बिजनौर, गोवर्धन, गोमती नगर, इज्जतनगर, सहारनपुर जंक्शन, सिद्धार्थ नगर, आगरा जंक्शन, मैलानी, बलरामपुर, स्वामीनारायण छपिया जैसे स्टेशन प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि इन स्टेशनों पर प्रतीक्षालयों का नवीनीकरण, प्लेटफॉर्म उन्नयन, फुट ओवर ब्रिज, शौचालय, लिफ्ट-एस्केलेटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। रेल

मंत्री ने मेरठ के सांसद अरुण गोविल के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मेरठ सिटी रेलवे स्टेशन को भी इस योजना में शामिल किया गया है और उसका कायाकल्प कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। मेरठ से हापुड़ तक 14 ट्रेनों की सेवा उपलब्ध है, जबकि हापुड़ से बिजनौर के लिए 4 ट्रेन सेवाएं हैं। मेरठ से बिजनौर जाने वाले यात्री हापुड़ से ट्रेन बदल सकते हैं। मेरठ-हस्तिनापुर-बिजनौर (63.5 किमी) नई लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे स्वीकृत किया गया है और डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) की तैयारी की जा रही है। परियोजना को स्वीकृति देने से पहले नीति आयोग, वित्त मंत्रालय, राज्य सरकार जैसी संस्थाओं से परामर्श आवश्यक होता है।

रेल मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित योजना में मुख्य और द्वितीय प्रवेश द्वार पर आधुनिक स्टेशन भवन, विस्तृत प्रतीक्षालय, 12 और 6 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म अपग्रेडेशन, लिफ्ट-एस्केलेटर, पार्किंग और यात्री सुविधाओं का समावेश है। उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य प्रमुख स्टेशनों जैसे मोदी नगर, सीतापुर, लखनऊ (चारबाग), प्रयागराज और गाज़ियाबाद में भी कार्य प्रगति पर है। हालांकि, परियोजनाओं की प्रकृति जटिल होती है और इसमें सुरक्षा, तकनीकी अनुमति, उपयोगिता शिफ्टिंग जैसे अनेक कारक समयसीमा को प्रभावित करते हैं। रेल मंत्री ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से पुनः विकसित कर उन्हें स्मार्ट और यात्री हितैषी बनाना है। इस योजना में स्टेशनों को शहर के दोनों ओर से जोड़ने, मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, हरित समाधान, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी पहल शामिल हैं

उत्तर प्रदेश में जनगणना

जो जहां रह रहा उसकी गिनती वहीं होगी

लखनऊ, 30 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के जिला जनगणना और चार्ज अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि 1 फरवरी 2027 से 28 फरवरी 2027 की अवधि में जो जहां होगा, उसकी गिनती वहीं की जाएगी। जनगणना निदेशालय और राजस्व परिषद ने संयुक्त रूप से यह ट्रेनिंग दी। अधिकारियों को संबंधित नियमों से अवगत कराया। यहां बता दें कि सभी एडीएम (वित्त) को जिला जनगणना अधिकारी बनाया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में तहसीलदार और शहरी क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारी (ईओ) जनगणना चार्ज अधिकारी बनाए गए हैं।

यूपी में 31 दिसंबर तक सभी परिवारों का चिन्हांकन किया जाएगा। जनगणना कर्मियों की ड्यूटी को भी तब तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। जो जेल में है, उसे जेल में गिना जाएगा और जो मानसिक अस्पताल में है, उसे अस्पताल में गिना जाएगा।

गणना करने वाले कर्मी प्रत्येक गांव और मोहल्ले में जाएंगे। निदेशक (जनगणना) शीतल वर्मा और राजस्व परिषद के विशेष कार्याधिकारी राजकुमार द्विवेदी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर की भूमिका निभाई।

जिलों में जनगणना के लिए डीएम नोडल बनाए गए हैं। जबकि, नगर निगम क्षेत्रों में यह जिम्मेदारी नगर आयुक्तों की होगी। जहां नगर निगम नहीं है, उन जिलों में डीएम ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जनगणना के लिए नोडल अफसर होंगे।

सीएम योगी ने की लखनऊ मंडल के जनप्रतिनिधियों से वार्ता

लखनऊ, 30 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज यहां उनके सरकारी आवास पर लखनऊ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंडल के जनपद लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे 42 विधायकों एवं 05 विधान परिषद सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से सम्बन्धित प्रमुख नव प्रस्तावित परियोजनाओं, अधोसंरचनात्मक आवश्यकताओं एवं जनअपेक्षाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का क्षेत्रीय अनुभव एवं स्थानीय धरातल की गहन समझ शासन को योजनाओं के निर्धारण और प्रभावी क्रियान्वयन में नई दृष्टि प्रदान करती है। यह संवाद व्यवस्था शासन और समाज के बीच विश्वास की एक जीवन्त कड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 42,891 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत के प्राप्त 3,397 विकास प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधियों के सुझावों को गम्भीरता से लिया जाए और इन परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने मंडल के सभी जनपदों एवं विधानसभा क्षेत्रों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विशिष्टताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक जनपद की अपनी एक अलग पहचान है, जिसे सशक्त करते हुए विकास योजनाओं का समायोजन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लखनऊ न केवल नव्य आधुनिकता का केंद्र है, बल्कि अवध की सांस्कृतिक राजधानी, कला, साहित्य तथा संस्कार की जीवंत मिसाल भी है। काशी की तरह ही इसकी आत्मा सनातन और इसकी आत्मीयता वैश्विक है। जनपद हरदोई में सत्य और तप की परम्परा गहराई तक रची-बसी है। जनपद रायबरेली साहित्य, स्वतंत्रता संग्राम और लोककला की दृष्टि से समृद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नाव जनपद चन्द्रशेखर आज़ाद और स्वतंत्रता संग्राम के अन्य नायकों की कर्मभूमि रहा है। उन्नाव में विकासपरक परियोजनाओं को स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक चेतना के साथ जोड़ते हुए समेकित रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सीतापुर जिले की धार्मिक और आध्यात्मिक गरिमा अद्वितीय है। यहां का नैमिषारण्य वह भूमि है, जहां ऋषियों ने वेदों का श्रवण कराया। लखीमपुर खीरी दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के कारण वैश्विक वन्यजीव मानचित्र पर स्थापित है। यहां की जैव विविधता, तराई की कृषि सम्पन्नता और थारू संस्कृति इसे विशिष्ट बनाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन जनपदों की विशिष्ट पहचान ही इन्हें महत्वपूर्ण बनाती है। इसके दृष्टिगत मंडल के प्रत्येक जनपद एवं विधानसभा क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं की नियमित समीक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि स्पष्ट कार्ययोजना, समयबद्धता, सतत संवाद एवं नियमित फीडबैक ही परियोजनाओं को समय पर और गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने का आधार है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर संवेदनशील है। हर जनप्रतिनिधि जनता की आकांक्षाओं का संवाहक होता है। राज्य सरकार इन सुझावों और मांगों को प्राथमिकता के आधार पर लागू करेगी।

मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सड़क, दीर्घ सेतु, लघु सेतु, आरओबी/आरयूबी, धर्मार्थ स्थलों की सड़कें, फ्लाईओवर निर्माण से सम्बन्धित प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए वरीयताक्रम के आधार पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही जिला मुख्यालय को चार लेन एवं ब्लॉक मुख्यालय को दो लेन से जोड़ने, चीनी मिल की सड़कें, सिंगल कनेक्टिविटी वाली सड़कों का निर्माण और ब्लैक स्पॉट सुधार के कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण कराएं। इसके अलावा जनप्रतिनिधियों एवं शहीदों के गांवों की सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता पर रखें। हर विधानसभा क्षेत्र में जनहित से जुड़े विकास कार्यों की निरन्तरता बनी रहनी चाहिए, जिससे पिक एंड चूज की संभावना न्यूनतम रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अंतर्गत प्रदेश में 1,000 से ज्यादा धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा चुका है। पर्यटन विभाग को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक पर्यटन स्थल का चयन कर, उसके पर्यटन सुविधाओं के विकास की कार्ययोजना तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री ने नगर विकास विभाग को स्पष्ट कहा कि किसी भी परियोजना का प्रस्ताव तैयार करने से पूर्व सम्बन्धित जनप्रतिनिधि से मार्गदर्शन एवं सहमति अवश्य प्राप्त की जाए, ताकि परियोजना क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप और सर्वहितकारी सिद्ध हो।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर समयबद्ध, समन्वित एवं पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। योजनाओं का भूमिपूजन एवं शिलान्यास आगामी 15 सितम्बर के बाद जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों से कराएं। साथ ही, शिलापट्ट पर उनका नाम अवश्य अंकित करें। उन्होंने यह भी कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी अथवा शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। प्रत्येक कार्य का गुणवत्तापूर्ण निर्माण एवं निष्पक्ष मॉनिटरिंग शासन की प्राथमिकता में शामिल है।

संपादकीय

संसद में संयोग या प्रयोग

लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर 12 बजे बहस आरंभ होनी थी, लेकिन विपक्ष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) पर हंगामा करता रहा, लिहाजा दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इसी दौरान करीब 12.30 बजे एक खबर आई कि कश्मीर में 'ऑपरेशन महादेव' के तहत तीन आतंकियों को ढेर कर दिया गया। उनमें से एक आतंकी 'पहलगाम नरसंहार' का मास्टरमाइंड बताया गया। करीब 1.32 बजे सेना की 'चिनार कॉप्र्स' ने आतंकियों को मारने की पुष्टि की, लेकिन उनकी पहचान का खुलासा नहीं किया। अलबत्ता नाम जरूर बताए गए। करीब 2 बजे की खबर में दावा किया गया कि दो आतंकी 'पहलगाम नरसंहार' में शामिल थे। इसी समय लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस शुरू हो गई। शाम 5 बजे सेना को जो प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आतंकियों की पूरी पहचान ब्रीफ करनी थी, उसे अचानक ही रद्द कर दिया गया। फिर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने तीन आतंकियों को ढेर किए जाने की खबर सत्यापित की, लेकिन वे आतंकी कौन हैं? 'पहलगाम नरसंहार' से उनका जुड़ाव क्या था? उनकी पहचान क्या है? वे पाकिस्तानी नागरिक हैं अथवा कश्मीर के ही स्थानीय आतंकवादी? इन सवालों को उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर पुलिस पर छोड़ दिया कि वह ब्रीफ करेगी और पहचान की पुष्टि करेगी। बहरहाल लोकसभा में देर रात तक बहस जारी रही। अब गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी को बोलना है। एक तरफ संसदीय बहस और दूसरी तरफ तीन आतंकियों का एक ऑपरेशन में मारे जाना, सुलेमान उर्फ हासिम मूसा को 'पहलगाम नरसंहार' का 'सरगना मास्टरमाइंड' करार देना, आतंकी हमले के 97 दिनों के बाद अचानक आतंकियों को घेर कर मुठभेड़ में मार देना, क्या यह संयोग है अथवा ऑपरेशन के स्तर पर कोई प्रयोग किया गया है? यदि पहलगाम के सरगना समेत तीन आतंकी ही मार दिए गए हैं, तो उनके स्पष्ट नामों और पहचान की पुष्टि अभी तक क्यों नहीं की गई? जिन 'स्थानीय जयचंदों' ने मूसा की पहचान की है, तो वे अन्य का भी खुलासा कर सकते हैं, क्योंकि तीनों आतंकी पहले लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े रहे और अब 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के बैनर तले सक्रिय रहे हैं। दरअसल यह राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की संप्रभुता से जुड़ी खबर है, सरकार और सुरक्षा बल इसे संयोग या प्रयोग की खबर क्यों बनाए हैं? अंततः गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बताया कि ऑपरेशन महादेव के तहत तीन आतंकवादी ढेर किए गए। यह भी पुष्टि की कि तीनों आतंकी पहलगाम नरसंहार में लिप्त थे। एक संवेदनशील और विवादास्पद सवाल का जवाब सार्वजनिक हो सकता है कि अचानक आतंकी पहलगाम के उस घसियाले मैदान में कैसे घुसे? 26 बेगुनाह हत्याएं करने के बाद वे कहां गायब हो गए? धरती निगल गई या आसमान खा गया? क्या इन आतंकियों के निशाने पर अमरनाथ यात्रा भी थी? संसदीय बहस के दौरान इन सवालों पर न तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कोई जवाब दिया और न ही विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कोई स्पष्टीकरण दिया। शायद वह विदेश नीति पर ही केंद्रित रहे! रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस का आगाज किया। यकीनन उनका वक्तव्य बिंदुवार रहा। उन्होंने उन तमाम घटनाओं का ब्योरा सिलसिलेवार रखा, जो 22 अप्रैल नरसंहार के दिन से 10 मई को संघर्षविराम की घोषणा तक देश के सामने आता रहा है।

> संसदीय बहस और दूसरी तरफ तीन आतंकियों का एक ऑपरेशन में मारे जाना, सुलेमान उर्फ हासिम मूसा को 'पहलगाम नरसंहार' का 'सरगना मास्टरमाइंड' करार देना, आतंकी हमले के 97 दिनों के बाद अचानक आतंकियों को घेर कर मुठभेड़ में मार देना, क्या यह संयोग है अथवा ऑपरेशन के स्तर पर कोई प्रयोग किया गया है? यदि पहलगाम के सरगना समेत तीन आतंकी ही मार दिए गए हैं, तो उनके स्पष्ट नामों और पहचान की पुष्टि अभी तक क्यों नहीं की गई? जिन 'स्थानीय जयचंदों' ने मूसा की पहचान की है, तो वे अन्य का भी खुलासा कर सकते हैं, क्योंकि तीनों आतंकी पहले लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े रहे और अब 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के बैनर तले सक्रिय रहे हैं।

उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल समेत नेपाल तक फेरी वाले उनकी जैकेट बेचते हैं

आत्मनिर्भरता के लिए कौशल दक्षता का आलाप

प्रमोद भार्गव

> बड़े कारोबारियों के कारखाने देखकर हैरानी होती है कि इतने छोटे कस्बे में जैकेट का इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन कैसे हो रहा? इन जैकटों की कीमत न्यूनतम 80 रुपए से लेकर 300 रुपए तक है। यहां के सिले वस्त्र निर्माता इतना सस्ता उत्पाद कैसे कर पाते हैं, इस रहस्यमयी तरकीब को जानना जरूरी है, जिससे चीन की तरह भारत के माल से दुनिया के बाजार भरे जा सकें। जैकेट व्यापारी अपने ठिकानों पर विभिन्न आकार-प्रकार की जैकेटों के कपड़े की कटिंग कराते हैं।

देश में वस्तु निर्माण के पुख्ता स्तंभ बनाने के लिए कौशल दक्षता में कमी की बात कही जाती है। यहां तक कि इंजीनियर और पीएचडी डिग्रीधारी को भी अयोग्य ठहरा दिया जाता है। हाल ही में आईफोन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एप्पल ने चेन्नई में फोन निर्माण के लिए एक संयंत्र स्थापित किया है, किंतु उसे पर्याप्त दक्ष युवा नहीं मिल रहे। इनकी प्रतिपूर्ति कंपनी ने चीन और ताइवान से की। यहां सवाल उच्च शिक्षित पेशेवरों के साथ उन शिक्षा संस्थानों पर भी खड़ा होता है कि तमाम आधुनिक संसाधनों से भरे पड़े ये पढ़ा व सिखा क्या रहे हैं? दक्षता की लक्ष्य पूर्ति के लिए अक्सर चीन से सीख लेने की बात कही जाती है। जिससे यह जान लिया जाए कि सस्ते मजदूरों के जरिए सस्ती वस्तुओं का निर्माण कैसे हो? क्योंकि इन्हीं वस्तुओं के निर्माण से चीन दुनिया की औद्योगिक व प्रौद्योगिक षक्ति बना है। उसके माल से दुनिया के बाजार भरे पड़े हैं। यहां प्रश्न खड़ा होता है कि क्या हम सस्ती वस्तुओं के निर्माण की तरकीब और देशज ज्ञान भारत और भारतीयों से नहीं सीख सकते? मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक तहसील स्तरीय कस्बा है बदरवास। संयोग से मैं (लेखक) यहीं का रहने वाला हूं। अब से करीब पैंतालीस साल पहले बदरवास के ही बैंक से 10 हजार रुपए का ऋण लेकर रमेश अग्रवाल ने यहीं छोटी सी दुकान में जैकेट बनाने का काम प्रारंभ किया था, तब वे रोजाना 40-50 जैकेट बनवाकर बेच लेते थे। किंतु आज हजारों जैकेट बनवा कर बेच रहे हैं। मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल समेत नेपाल तक फेरी वाले उनकी जैकेट बेचते हैं। इसे मोदी जैकेट कहा जाता है। सस्ती जैकेट का यह व्यापार समूचे देश में फैल रहा है। इस उत्पाद के षौ-रूम भी खुल रहे हैं और बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है। अब जैकेट निर्माण का विकेंद्रीकरण हुआ है। करीब एक सैंकड़ा लोग जैकेट के निर्माण और व्यापार में जुटे हैं। पांच-सात हजार क्षेत्रीय ग्रामीण पुरुश और महिलाएं जैकेट की सिलाई के काम से जुड़े रहते हुए आत्मनिर्भर हुए हैं। बदरवास की गली-गली में जैकेट सिलने और बेचने का व्यापार परवान चढ़ा दिखाई देता है। बड़े कारोबारियों के कारखाने देखकर हैरानी होती है कि इतने छोटे कस्बे में जैकेट का इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन कैसे हो रहा? इन जैकटों की कीमत न्यूनतम 80 रुपए से लेकर 300 रुपए तक है। यहां के सिले वस्त्र निर्माता इतना सस्ता उत्पाद कैसे कर पाते हैं, इस रहस्यमयी तरकीब को जानना जरूरी है, जिससे चीन की तरह भारत के माल से दुनिया के बाजार भरे जा सकें। जैकेट व्यापारी अपने ठिकानों पर विभिन्न आकार-प्रकार की जैकेटों के कपड़े की कटिंग कराते हैं। फिर इन कटे वस्त्रों को आसपास के पन्द्रह किलोमीटर तक के ग्रामों में सिलने के लिए दर्जन के हिसाब से भेज देते हैं। अतएव यहां देखने में आता है कि घर-घर और खेत-खेत महिलाएं और छात्राएं जैकेट की सिलाई में लगी हैं। इनमें ज्यादातर महिलाएं खेती-किसानी से जुड़ी होती हैं। ये घरेलू और किसानी की दिनचर्या से निपटने के बाद खेत में बने घर की दहलान में पैरों से चलने वाली सिलाई मशीन से सिलाई के काम में लग जाती हैं। सिलाई के बाद इनके घर का कोई व्यक्ति जैकेटों को साइकिल या बाइक से व्यापारी को दे आते हैं। तत्काल इन्हें प्रति जैकेट के हिसाब से मजदूरी दे दी जाती है। जैकेट की सिलाई खाली समय में की जाती है, इसलिए मजदूर को अतिरिक्त धन मिल जाता है, जो इनकी आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन गया है। सिलाई की इस कौशल दक्षता को मां या बड़ी बहन नई पीढ़ी को सिखाती चलती हैं। इस कौशल के लिए अच्छी पढ़ाई या उत्तम प्रशिक्षण की जरूरत ही नहीं पड़ती है। जैकेटों में काज-बटन लगाने का काम पुरुश या तो हाथ से करते हैं या फिर मशीनों से। जैकेट के जितने भी बड़े कारोबारी हैं, उनके कारखानों में आधुनिक व इलेक्ट्रोनिक तकनीक से जुड़ी बड़ी-बड़ी मशीनें लगी हैं। इन मशीनों को चलाना भी लोग परस्पर सीख लेते हैं। इसी तरकीब से बदरवास में प्रतिदिन लगभग दस हजार जैकेट बनाकर बेची जा रही हैं। सस्ते श्रम से सस्ते माल के उत्पादन की इस विधि को संपूर्ण भारत समेत विदेश में भी फैलाने की जरूरत है। चीन इसी तकनीक से विश्व बाजार में औद्योगिक षक्ति बना हुआ है। दरअसल चीन पिछले चार दशक से बदरवास जैसी वस्तु निर्माण की तरकीब अपनाए हुए है। वह वस्तु निर्माण से जुड़े कारीगरों को नगरों में आकर काम करने को विवश नहीं करता, अपितु कच्चा माल गांव-गांव भिजवाकर वस्तु निर्माण कराता है। देवी-देवताओं की मूर्तियां, दीपक, राखी, बिजली की झालर वह इसी तरकीब से बनवाता है और फिर उनकी दर्शनीय पैकिंग कराकर निर्यात करता है। अमेरिका समेत अन्य देशों के उद्योगपति चीन की इस सस्ती तरकीब से जुड़े सफल मंत्र के चमत्कार को अनुभव करके इसे अपनाने की पहल कर रहे हैं। लेकिन भारत जो अपनी समृद्ध ज्ञान परंपरा से वस्तुओं के निर्माण में हजारों साल से जुड़ा हुआ था, वहां के लोग और शिक्षा संस्थान पश्चिम की ओर ताक रहे हैं। भारत के शिक्षा विशेशज्ञ भी इसी विचार से प्रेरित हैं। लोगों को षेयर बाजार के सिद्धांत और ऋण से धंधे की स्थापना के जुनून का पाठ पढ़ाया जाकर सरकारी या कंपनियों की नौकरी मिल जाए। जिससे वे कुलीन की श्रेणी में आ जाएं। उच्च शिक्षा के इस लक्ष्य को साधने के लिए कर्ज की सुविधा देकर विदेशी व्यापार-प्रबंधन के संस्थानों में पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कथित कामयाबी के लिए यह प्रोत्साहन सर्वथा अनुचित है। जबकि भारतीय संस्कृति में शिक्षित होने का उद्देश्य धनवान या आभिजात्य होना कतई नहीं था। विनम्र व षालीन बने रहते हुए ज्ञान को अन्य समुदायों में बांटना और वंचितों की सेवा करना था। जैकेट का कारोबार षुरू करने वाले रमेश अग्रवाल एक ऐसे अपवाद हैं, जो 'अपना घर' के माध्यम से उपेक्षित रोगियों की सेवा में नियमित लगे हैं। किसी भी धनवान का देश और समाज के प्रति यही उत्तरदायित्व होना चाहिए। दूसरी तरफ हमारे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। जबकि देश के सकल घरेलू उत्पाद में 29 प्रतिशत, रोजगार में 60 प्रतिशत और निर्यात में 40 प्रतिशत योगदान इन्हीं उद्योगों का है। फिर भी इन उद्योगों से लेकर ऑटोमोबाइल, कृत्रिम-मेघा और मशीन लर्निंग जैसे उद्योगों के लिए दक्ष युवाओं की कमी है। आखिर भारतीय राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन युवाओं को दक्ष करने में असफल क्यों रहा? क्योंकि इस अभियान में युवाओं को प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाने का दायित्व जिन लोगों को सौंपा गया था, वे वही किताबी ज्ञान देते रहे, जिसे प्रशिक्षु शिक्षा संस्थानों से पढ़कर निकले थे, जबकि उन्हें उद्योग में प्रायोगिक ज्ञान की जरूरत थी। इसी ज्ञान से उत्पादकता बढ़ेगी। उत्पादकता बढ़ेगी तो आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी। मेक इन इंडिया का यही उपाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बाजार में भारत को स्थापित करेगा। राजस्व और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

कुछ अलग

हमने त्रासदी खुद चुनी

मंडी शहर की लाचारी यह कि उसकी आंखों के सामने विकास के नक्शे तहस-नहस हो गए। सारी योजनाएं दगा दे गईं और एक साथ खिड़कियां निराशा और असमंजस के मलबे से भर गईं। इस आपदा को तराजू में तोलने से पहले उस अफरातफरी को तोलना होगा जिसके हम सभी भागीदार हैं। अगर व्यवस्था नगर परिषद को नगर निगम बना देने से सुधरी होती, तो काल का नाला यूं उफान पर न निकलता। क्या फर्क पड़ता हमें, हम तो अपने लिए, अपनी ही तरह का विकास करेंगे। बेशक इस आपदा के खंडहर में हमारी आहें, हमारे रिश्ते, हमारी कमाई और हमारे सपने आज बिलख रहे हैं, लेकिन ये दिन हमने खुद चुने हैं। ब्यास नदी के तट पर बसे शहर के भविष्य की जो चिंताएं होनी चाहिएं, क्या हम उन्हें समझ पाए। मंडी में मौत का नाला एक दिन में तो बना नहीं और न ही जल निकासी का यह पैगाम नया था। जाहिर है हमने नगरों का आकार और प्रकार बदल दिया, लेकिन व्यवस्था को शून्य तक पहुंचा दिया। मंडी में बरसात का कहर दरअसल हमने स्वयं आमंत्रित किया है। हिमाचल का हर घर आपदा को किसी न किसी बहाने बुला रहा है, इस तरह अब तो लगता है कि हम हिमाचली धीरे-धीरे आपदाओं के ही काबिल होकर रह जाएंगे। पहला कारण यह कि हमारा राज्य विकास के क्षेत्रवाद में इतना फंसा और धंसा हुआ है कि हम मानव अस्तित्व की चुनौतियों को ही निरस्त कर रहे हैं। मंडी शहर के विकास की जरूरतों का समाधान खोजते हुए हमने नगर निगम का जमूरा तो तैयार कर दिया, लेकिन आवासीय जरूरतों के विकल्प नहीं ढूंढे। जमीन पर बढ़ता दबाव और प्राकृतिक जल निकासी के मार्ग पर होता अतिक्रमण नहीं रोका। इतना ही नहीं, अवैध ढंग से निर्माण सामग्री या खुदाई से हुई डंपिंग ने जगह-जगह बरसात के सामने अवरोध पैदा कर दिए।

देश दुनिया से

डा. कलाम का शैक्षणिक योगदान

डा एपीजे अब्दुल कलाम देश के इतिहास में एक महान व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। डा. कलाम का जीवन एक शिक्षक के रूप में उनके शिक्षा के प्रति समर्पण का सबसे बड़ा प्रमाण है। उनकी अंतिम यात्रा भी एक शिक्षक के रूप में छात्रों के बीच हुई। 27 जुलाई 2015 को, शिलांग के आईआईएम में छात्रों को संबोधित करते हुए उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई और मृत्यु हो गई। यह घटना एक संकेत है कि वे अपने जीवन के अंतिम क्षण तक भी एक शिक्षक के रूप में ही जीते रहे। डा. कलाम शिक्षा को बहुत महत्व देते थे और उनका मानना था कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। वे शिक्षा को सेवा क्षेत्र का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा मानते थे, क्योंकि यह किसी भी काम को करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करती है। डा. कलाम के अनुसार, शिक्षा में रचनात्मकता को उजागर करने और विकसित करने की क्षमता होती है। उनका मानना था कि शिक्षा के माध्यम से, छात्रों को न केवल ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि वे अपने भीतर की रचनात्मकता को भी पहचानते हैं और उसे विकसित करते हैं। डा. कलाम ने शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने मूल्य आधारित शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया, जिसमें छात्रों को नैतिकता, ईमानदारी और देशभक्ति जैसे मूल्यों को सिखाया जाए। साथ ही शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि छात्रों को अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद आसानी से नौकरी मिल सके। डा. कलाम ने शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी ध्यान केंद्रित किया और कहा कि शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण विधियों और तकनीकों से अवगत कराया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा में खेलों के महत्व को भी रेखांकित किया और कहा कि खेलों के माध्यम से छात्रों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाया जा सकता है। डा. कलाम ने शिक्षा में तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित किया और कहा कि तकनीक के माध्यम से छात्रों को अधिक प्रभावी ढंग से सिखाया जा सकता है। उनका मानना था कि शिक्षण एक ऐसा कार्य है, जो न केवल ज्ञान के संचार में, बल्कि समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कई बार कहा था कि वे एक शिक्षक के रूप में जन्मे हैं और हमेशा एक शिक्षक ही बने रहना चाहते हैं। यहां तक कि राष्ट्रपति बनने के बाद भी, उनकी यह इच्छा कभी मंद नहीं हुई। वह हमेशा छात्रों के साथ समय बिताने के लिए उत्सुक रहते थे और उनसे संवाद करना उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। राष्ट्रपति पद से मुक्त होने के बाद, डा. कलाम ने कई कालेजों, विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग संस्थानों का दौरा किया। उन्होंने छात्रों को उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया और उन्हें विज्ञान तथा तकनीकी शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। साथ ही भारत के विभिन्न हिस्सों में युवाओं के साथ संवाद किया और उन्हें देश के विकास में अपनी भूमिका को समझने के लिए प्रोत्साहित किया। डा. कलाम ने आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) के छात्रों के साथ कई बार संवाद किया। एक बार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान वाराणसी के कार्यक्रम में उन्होंने कहा था, 'आप में से प्रत्येक के पास एक अद्वितीय क्षमता है, जिसे पहचानने और उसे बढ़ावा देने की आवश्यकता है।' उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी पढ़ाई को केवल नौकरी पाने का साधन न समझें, बल्कि उसे देश की सेवा का माध्यम मानें। छात्रों को नवाचार और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। डा. कलाम का मानना था कि ज्ञान ही वह शक्ति है, जो समाज में परिवर्तन ला सकती है। उन्होंने कहा, 'ज्ञान के बिना किसी भी समाज का विकास संभव नहीं है।' छात्रों को पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे वे अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। डा. कलाम ने हमेशा विज्ञान और तकनीकी शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नई खोजें और आविष्कार समाज को नई दिशा देने में सक्षम हैं। छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में नई सोच और अनुसंधान में संलग्न होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शिक्षा के प्रसार पर बल दिया। एक बार की बात है, जब डा. कलाम ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के दीक्षांत समारोह में भाग लिया। समारोह के दौरान जब छात्रों ने उनसे उनकी सबसे प्रिय भूमिका के बारे में पूछा, तो उन्होंने बिना किसी झिझक के कहा, 'मैं एक शिक्षक हूं और यह मेरे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है।' इस एक उत्तर ने छात्रों को गहराई से प्रेरित किया और उन्हें शिक्षा के महत्व को समझने में मदद की। डा. कलाम का मानना था कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज में सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं है, बल्कि एक बेहतर समाज का निर्माण करना है।' उन्होंने छात्रों को सिखाया कि कैसे वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज के विकास के लिए कर सकते हैं। विशेष रूप से समाज के गरीब और पिछड़े वर्गों के लिए शिक्षा के प्रसार पर जोर दिया। छात्रों को हमेशा समाज के प्रति उनके दायित्वों की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित व्यक्ति का कत्र्तव्य है कि वह अपने ज्ञान का उपयोग समाज की भलाई के लिए करे। छात्रों को सिखाया कि कैसे वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज में व्याप्त समस्याओं का समाधान करने के लिए कर सकते हैं। छात्रों को यह भी सिखाया कि वे कैसे अपने ज्ञान का उपयोग समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कर सकते हैं। डा. कलाम ने छात्रों के साथ संवाद के माध्यम से उन्हें प्रेरित करने का कार्य किया।

आप का नजरिया

आपरेशन सिन्दूर पर बहस

आपरेशन सिदूर की बहस में लगभग सभी पाटा के नेताओं ने अपनी बात रखी। विपक्ष ने सरकार के सामने सवालों का अम्बार लगा दिया तो सत्ता पक्ष ने उसका जवाब ऐसी बेबाकी से दिया कि देश की जनता के सामने भी आपरेशन सिदूर से जुड़े तथ्यों की सच्चाई सामने आ गईं। दोनों ने अपनी तरफ से किसी तरह का संकोच नहीं किया। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी-अपनी पार्टा लाइन पर बहस में हिस्सा लेते हैं। किन्तु विपक्ष के वुछ सदस्य ऐसे थे जिन्होंने बहस में इसलिए भाग नहीं लिया क्योंकि वह जो बोलना चाहते थे वह उनकी पाटा लाइन से विपरीत था। बहरहाल विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बोलने के बाद प्राधानमंत्री ने विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए जो कहा उसने विपक्ष के सामने ही सवाल खड़ा कर दिया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी का आरोप था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में आकर भारत ने हमला बंद कर दिया। विपक्ष के समाजवादी पाटा के नेता और डीएमके की कनिमोझी का मानना था कि यदि सरकार चाहती तो पाक अधिवृत कश्मीर पर भारत कब्जा कर सकता था। विपक्ष के जितने भी सदस्यों ने अपने विचार रखे उनमें तीन ही बातें प्रामुख थीं— पहली उन्हें इस बात की चिन्ता थी कि आपरेशन सिदूर को विराम देने का श्रेय राष्ट्रपति ट्रंप ने लिया, दूसरा— विपक्ष के सभी वक्ता चाहते थे कि युद्ध रोकना नहीं चाहिए था। ऐसे वक्ताओं के मुताबिक सेना तो पाकिस्तान का विनाश करना चाहती थी किन्तु सरकार ही डर गईं और युद्ध विराम की घोषणा कर दी। तीसरा— आरोप यह था कि भारत के विमान गिरा दिए गए और भारत को इस युद्ध में भारी क्षति हुईं। विपक्ष खुल कर बोल नहीं पा रहा है किन्तु वह यह कहना चाहता है कि पाकिस्तान ने अपने चीन से आयातित युद्धक विमान जे-10सी से भारत के रापेल को मार गिराया। प्राधानमंत्री, रक्षा मंत्री और गृहमंत्री सहित जितने भी सत्तापक्ष के सदस्यों ने बहस में भाग लिया, उन्होंने विपक्ष के सवालों का जो जवाब दिया वह निाति रूप से देश को जानने का अधिकार है। इसमें पहला जवाब राष्ट्रपति ट्रंप के मध्यस्थता के बारे में था जिसकी कईं बार पुनरावृत्ति हुईं किन्तु प्राधानमंत्री ने विस्तार से बताया कि दोनों देशों के डीजीएमओ से बात के बाद युद्ध विराम का पैसला हुआ। भारत ने अमेरिका द्वारा यह कहे जाने पर कि पाकिस्तान वुछ बड़ा करने वाला है पर उसकी कोईं परवाह नहीं की। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद में प्राधानमंत्री मोदी को चुनौती दी कि यदि ट्रंप ने युद्ध विराम नहीं कराया तो प्राधानमंत्री मना कर दें। कदाचित इसलिए प्राधानमंत्री मोदी ने देश की संसद के माध्यम से दुनिया को बता दिया कि भारत ने किसी के दबाव में युद्ध विराम नहीं किया। दूसरी आपत्ति कि सेना को भारत ने रोक दिया अन्यथा वह पीओके पर कब्जा कर लेती। इस मामले में प्राधानमंत्री मोदी और सभी एनडीए के सदस्यों ने सदन में स्पष्ट कर दिया कि भारत पर यह युद्ध थोपा गया था। भारत तो आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए लक्षित हमले किए थे। सेना के उन सभी अधिकारियों को अपना लक्ष्य पता था इसलिए भारत ने उन्हें ही ध्वस्त किया। किन्तु जब भारत नियंत्रण रेखा पर सामान्य नागरिकों को शिकार बनाना जारी रखा तो हमारे अर्धसैनिक बलों ने उनकी चौकियों को नष्ट कर दिया और जब चीन की मिसाइलों व ड्रोन से शत्रु ने भारत के रक्षा प्रातिष्ठानों को निशाना बनाया तो भारत मजबूत डिपेंस सिस्टम ने उन्हें न सिर्प नष्ट कर दिया बल्कि हमारी सेना ने पाकिस्तान के एयरबेस को ध्वस्त करके यह संकेत दिया कि यदि हमारी सेना चाहे तो पाकिस्तान को नेस्तनाबूत कर सकती है। लेकिन जब पाकिस्तान की सेना और सरकार घुटनों पर आ गईं तो भारत सरकार और सेना ने युद्ध विराम के लिए उसके अनुरोध को मान लिया। तीसरा मजेदार आरोप विपक्ष का रापेल के गिरने का था जिसे सरकार के जिम्मेदार लोगों ने पहले ही खण्डन कर दिया था। प्राधानमंत्री ने मंगलवार को दृढ़ता से खंडन क़िया और विपक्ष को नसीहत दी कि पाकिस्तान और उसके संगी साथियों के दुष्प्राचार पर विश्वास न करें। यदि भारत के विमानों को क्षति पहुंचती तो पाकिस्तान की मीडिया और सरकार फोटो और वीडियो पूरी दुनिया को दिखाती। लब्बोलुआब यह है कि भारत की संसद में जो सवाल किए गए उसे भी दुनिया और देश की जनता ने देखा। इस बात का एहसास सभी को हो गया कि भारत का विपक्ष अपनी सरकार से कोईं भी सवाल पूछ सकता है और सरकार की संसदीय जिम्मेदारी है कि वह उन शंकाओं, सवालों और आपत्तियों का जवाब दे। यही नहीं वह इस बात की कोशिश करे कि विपक्ष आश्वस्त हो जाए। किन्तु कभी-कभी विपक्ष वास्तविकता को जानने के बावजूद अपनी राजनीतिक मजबूरियों के कारण सरकार के मुखिया के जवाबों से संतुष्ट न दिखने पर भी अड़ा रहता है। यही तो है लोकतंत्र की विलक्षणता है क्योंकि ऐसा व्यवहार हर पाटा करती है जब वह विपक्ष में होती है।

दृष्टि कोण

प्रेमचंद के बहाने, आज के लेखकीय सरोकार

जहां एक ओर हम अंधेरे दुःस्वप्न सरीखे त्रासद समय में हैं, वहीं धर्मान्ध ताकतों के लिए शाइनिंग इंडिया, शॉपिंग मॉल, मेगा ट्रेड फेयर की चहल-पहल है, हॉलीवुड-बॉलीवुड की अश्लीलताएं हैं, तांत्रिकों की बलि पूजा है, दूसरी ओर किसानों की आत्महत्याएं हैं। वैश्विकता, बाजारवाद, उत्तर पूंजीवाद, अंध साम्राज्यवाद, अंध राष्ट्रवाद पर संगोष्ठी-सेमिनार हैं। इस त्रासद समय में कविता-कथा में नयी उम्मीद जगाने वाला नवलेखन है। स्थापित लेखकों को भ्रम है कि युवा लेखकों का बचपन छीन लिया गया है और वे असमय परिपक्वता के शिकार हैं। युवा लेखक अपनी हताशा को भी देख रहे हैं और अंधेरे समय को भी। उन्हें पता है, क्रांति यकायक नहीं आएगी। जहां आज के साहित्य में प्रयोग की निजता पर बल है, वहीं सामाजिक सरोकार भी बेचैन करने वाला है। सर्वग्रासी राजनीति के चलते पक्षधरता या प्रतिबद्धता गायब है। जहां सब कुछ ग्लोबल है और जहां सुपर पावर अमरीका का आतंक है, वहीं गरीबी का ग्राफ ऊपर है। उत्तर आधुनिकता के विमर्शकार मान रहे हैं कि इतिहास का अंत हो गया है, विचारधारा का अंत हो गया है। सब कुछ ब्रांड है, बिक रहा है, मूल्य और स्वप्न। उत्तर आधुनिकता दुहरी यंत्रणा है। न हम ठीक से आधुनिक हो पा रहे हैं, न ग्लोबल। साम्राज्यवाद की दासता से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं। उत्तर पूंजीवाद के घपले हमें भटकते हुए सन्नाटे में ले जा रहे हैं। साहित्य में विचार और दर्शन की भूमिका को नगण्य मानने वाले विद्वान आज भी बहुतायत हैं। साहित्यिक बिरादरी का यह वर्ग साहित्यिक अभिव्यक्ति में विचार और दर्शन की उपस्थिति को न केवल अनावश्यक मानता है, बल्कि विचार व दर्शन की चाशनी को देखने मात्र से इनकी भौंहें तिरछी होने लगती हैं। विचारधारा का अंत, इतिहास का अंत जैसी अवधारणाओं को गढ़ कर वे साहित्य को जीवन से परे भाववाद की भूलभुलैया में ले जाते हैं। यहां यह कहना भी प्रासंगिक होगा कि आधुनिक काल में जब-जब हमारे साहित्य को जीवन के यथार्थ से, जनता की मुक्ति और उसके सांस्कृतिक उत्थान के संघर्ष से विमुख करने के प्रयत्न हुए हैं, तब-तब निशाना प्रेमचंद को बनाया गया है। जबकि प्रेमचंद की महानता का स्रोत यह है कि अपने उन सैद्धान्तिक रुझानों और वैचारिक पूर्वाग्रहों से जो उन्हें अपने युगीन समाज से विरासत में मिले थे, वे निरंतर जूझते रहे। फलस्वरूप उनकी संवेदना भारतीय समाज के मूल अंतर्विरोधों को सामने लाने में सफल हुई। प्रेमचंद भारत के किसान को सुखी देखना चाहते थे। भारत का वह किसान वस्तुस्थिति से निराश और हताश आज आत्महत्या करने को विवश है। प्रेमचंद स्त्री की मुक्ति चाहते थे। स्त्री-समाज आज भी असुरक्षित अपनी अस्मिता की लड़ाई लड़ रहा है। वे बलात्कारियों की हवस का शिकार हो रही हैं, मुक्ति की बात तो कोसों दूर, महानगरों, नगरों, कस्बों, गांवों और दूरदराज के अंचलों में घरों की सीलन भरी कोठरियों में गीली लकड़ी की तरह सुलग और घुट रही हैं। पुरुष वर्चस्व का शिकंजा उनकी गर्दनों पर पहले जैसा ही कसा हुआ है। प्रेमचंद दलितों के लिए सामाजिक न्याय चाहते थे। दलित समाज आजादी के इतने वर्षों के बाद आज भी दमन और उत्पीडऩ का शिकार है, सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष कर रहा है। प्रेमचंद भारत की धर्मनिरपेक्षता के समर्थक थे। इस संदर्भ में 'सांप्रदायिकता और संस्कृति' उनका प्रसिद्ध एवं विचारणीय आलेख है। मगर आज सांप्रदायिक धर्मोन्माद इतने चरम रूप में है कि पूजा-उपासना के ध्वंस की बात अलग, सांप्रदायिक जुनून के चलते निरंतर हत्याएं हो रही हैं। गोरक्षा के नाम पर होने वाली हत्याओं को भी इसी प्रसंग में देखा जाना चाहिए। प्रेमचंद ने समाजवादी भारत का सपना देखा था। समाजवादी व्यवस्था विश्व स्तर पर ध्वस्त हो चुकी है और आज तो पहले का पूंजीवाद सांस्थानिक पूंजीवाद में रूपांतरित होकर, कमजोर, पिछड़े हुए और विकासशील देशों को अपने कर्ज के लपेटे में लेकर, उन्हें अपने बाजार के रूप में बदलता हुआ, आश्वस्त और निश्चिंत, उनका आर्थिक दोहन कर रहा है। प्रेमचंद आगे के जमाने को किसानों और मजदूरों के जमाने के रूप में देखना चाहते थे, मगर आज यदि समाज में किसी का वर्चस्व है, तो वह संपत्तिशालियों का, धनपतियों का, बाहुबलियों का, अपराधियों का और देश की कीमत पर अपनी झोलियां भरने वाले राजनेताओं का वर्चस्व है। जब स्थिति यह है, परिदृश्य की सच्चाई यह है, तो प्रेमचंद की प्रासंगिकता एक निर्विवाद सत्य है।

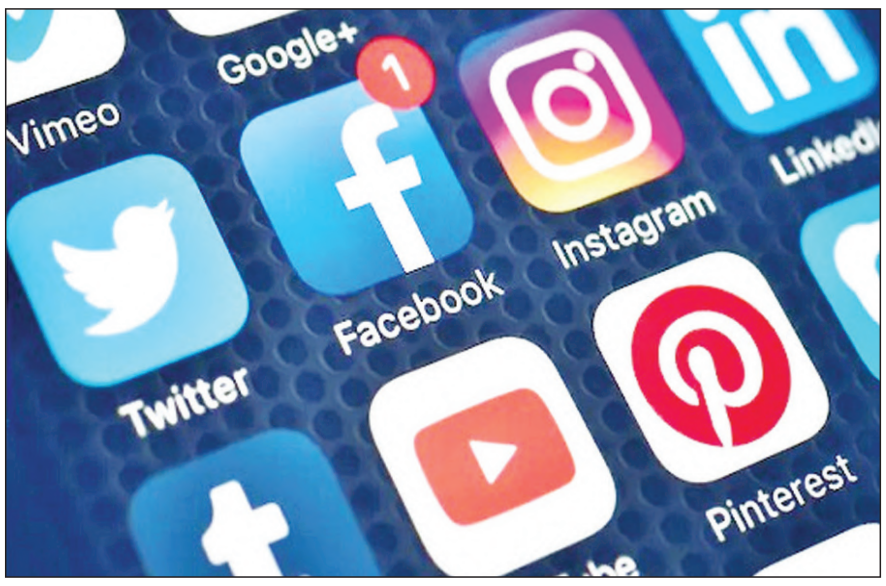

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यूट्यूब भी बैन, अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पहले से है पाबंदी

कैनबरा,30 जुलाई (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने बड़ा फैसला करते हुए 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रतिबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में यूट्यूब को भी शामिल किए जाने की घोषणा की है। इससे पहले यूट्यूब को इस नियम से छूट हासिल थी लेकिन सरकार ने अब इसे बदल दिया है। हालांकि यूट्यूब किड्स इससे मुक्त रहेगा। नया नियम 10 दिसंबर से लागू होगा।

ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने अपने ताजा आदेश में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यूट्यूब को बैन कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, स्नैपचैट और एक्स के इस्तेमाल पर पाबंदी है। इस सूची में यूट्यूब को भी शामिल किया गया है। सरकार ने इसे लेकर गाइड लाइन जारी करते हुए कहा है कि अगर 16 साल से कम उम्र के बच्चों का यूट्यूब अकाउंट मिला या बच्चों ने कोई सोशल मीडिया अकाउंट सबसक्राइब किया तो कानूनी कार्रवाई होगी। बच्चे यूट्यूब किड्स इस्तेमाल कर सकते हैं। यूट्यूब किड्स पर अपलोड कंटेंट बच्चों के लिए सुरक्षित है। इसमें बच्चे वीडियो अपलोड नहीं कर सकते। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यूट्यूब किड्स इससे मुक्त रहेगा। उन्होंने इस फैसले का श्रेय ई-सेफ्टी कमिश्नर की सलाह को दिया और कहा कि सरकार इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकती कि 10 में से चार ऑस्ट्रेलियाई बच्चों ने बताया है कि उन्हें सबसे अधिक नुकसान यूट्यूब के इस्तेमाल से हुआ है। वेल्स ने कहा कि सरकार सोशल मीडिया कंपनियों से डरेगी नहीं और माता-पिता को प्राथमिकता देते हुए यह नीति लाई गई है। सरकार का कहना है कि यूट्यूब को पाबंदी की सूची में शामिल करने का फैसला बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया है। यह अन्य देशों के लिए भी मॉडल बन सकता है। ऑस्ट्रेलिया का बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी से संबंधित कानून दुनिया में अपनी तरह का पहला कानून है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन का बिल संसद से पारित हो गया। विशेष बात यह है कि पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसका समर्थन किया। ऑस्ट्रेलिया ऐसा बिल पारित करने वाला दुनिया का पहला देश है।

न्यूज ब्रीफ

जस्टिन बीबर और हैली बाल्डविन के बीच दिखा रोमांस

लंदन। बीते कुछ समय से हॉलीवुड के चर्चित कपल जस्टिन बीबर और हैली बाल्डविन के रिश्ते में दरार की अफवाहें जोर पकड़ रही थीं, लेकिन हाल ही में सामने आई तस्वीरों ने इन अफवाहों पर पूरी तरह विराम लगा दिया है। बीते दिनों दोनों को सिंगर जस्टिन बीबर के नए रिकॉर्ड की लिसनिंग पार्टी में एक साथ देखा गया, जहां बर्ड स्ट्रीट क्लब में हुई इस पार्टी में कपल की रोमांटिक केमिस्ट्री सबका ध्यान खींच रही थी। पार्टी से सामने आई तस्वीरों में जस्टिन बीबर शर्टलेस नजर आ रहे हैं और उन्होंने हैली को दोनों हाथों से कसकर थाम रखा है। एक तस्वीर में दोनों लिपलॉक करते नजर आए, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। हैली इस दौरान ब्लैक क्रॉप्ड हॉल्टर टॉप में बेहद ग्लैमरस दिखीं, जबकि उनके हाथ में एक पीले रंग का कैन ड्रिंक और मोबाइल था। दूसरी ओर, जस्टिन ने सफेद बास्केटबॉल शॉर्ट्स के ऊपर ढीली डेनिम जीन्स पहन रखी थी और उनके टैटूज साफ नजर आ रहे थे। ब्लैक एंड व्हाइट फोटो में जस्टिन हैली को पीछे से प्यार से पकड़ते दिखे और हैली ने भी अपना हाथ उनके हाथ पर रखा, जो दोनों के मजबूत रिश्ते का प्रतीक माना जा रहा है। एक अन्य तस्वीर में हैली अपने पति जस्टिन को बेहद प्यार भरी नजरों से निहारती दिखीं, जबकि जस्टिन दोस्तों संग मस्ती में डूबे थे। पार्टी के दौरान जस्टिन हाथ में बीयर का कैन लिए शर्टलेस घूमते नजर आए। इन तस्वीरों से यह साफ हो गया है कि चाहे अफवाहें कुछ भी कहें, जस्टिन और हैली का रिश्ता अब भी उतना ही मजबूत और रोमांटिक है जितना पहले था।

दुबई में प्रवासी मजदूरों का जीवन जीना हुआ दूभर, एक कमरे में 20-20 लोग

दुबई। लग्जरी टावर और ऊंची-ऊंची इमारतों के लिए मशहूर दुबई में हजारों प्रवासी मजदूरों का जीवन इन दिनों और कठिन हो गया है। प्रशासन ने अवैध रूप से पार्टिशन किए गए अपार्टमेंट्स और भीड़भाड़ वाले किराए के कमरों पर सख्ती शुरू कर दी है। यह कदम जून में दुबई मरीना की 67 मंजिला इमारत में लगी आग के बाद उठाया गया, जिसमें 3800 से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला गया था। उस टावर के फ्लैट्स में औसतन सात-सात लोग रह रहे थे। एक बेडरूम का औसत किराया करीब 1,400 डॉलर मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि यह कार्रवाई सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और आग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए है। हालांकि, जिन मजदूरों पर इसका सीधा असर पड़ा है, उनके सामने अब समस्या खड़ी हो गई है। दुबई में किराए की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। रियल एस्टेट फर्म एंगेल एंड वोल्कर्स के मुताबिक एक बेडरूम का औसत किराया करीब 1,400 डॉलर है। वहीं, कम आय वाले इलाकों में पार्टिशन वाले कमरे 220 से 270 डॉलर में मिलते हैं और साझा बंक बेड की कीमत आधी होती है। ज्यादातर प्रवासी मजदूर अफ्रीका और एशिया से आते हैं। वे निर्माण, सुरक्षा, सफाई और डिलीवरी जैसे काम करते हैं और अक्सर 300 से 550 डॉलर मासिक कमाते हैं। कई अपने परिवार को पैसे भेजते हैं, जिससे खुद के लिए बहुत सीमित रकम बचती है।

वीकेंड को रिश्तों को जोड़ने के लिए करे इस्तेमाल

वाशिंगटन। अगर आप चाहते हैं कि आपके और आपके बच्चों के बीच का रिश्ता मजबूत हो, तो इस छुट्टी वाले

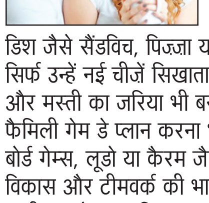

दिन को सिर्फ आराम के लिए नहीं, बल्कि रिश्तों को जोड़ने के लिए इस्तेमाल कीजिए। वीकेंड पर बच्चों को किचन में शामिल करें और साथ में कुछ आसान डिश जैसे सैंडविच, पिज्ज़ा या कुकीज़ बनाएं। यह न सिर्फ उन्हें नई चीजें सिखाता है, बल्कि आपसी बातचीत और मस्ती का जरिया भी बनता है। इसके अलावा फैमिली गेम डे प्लान करना भी एक शानदार तरीका है। बोर्ड गेम्स, लूडो या कैरम जैसे खेल बच्चों के दिमागी विकास और टीमवर्क की भावना को बढ़ाते हैं। कभी-कभी घर से बाहर निकलना भी बेहद जरूरी होता है। पास के पार्क में पिकनिक या नेचर वॉक प्लान करें। बच्चों को पेड़ों, फूलों, और कीड़ों के बारे में बताएं, जिससे उनके भीतर जिज्ञासा और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती है। साथ ही, कोई क्रिएटिव एक्टिविटी जैसे पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग या क्राफ्ट करने से बच्चों की कल्पनाशक्ति को नए पंख मिलते हैं। वीकेंड सिर्फ एक्टिव रहने का नहीं, बल्कि खुलकर बात करने का भी समय है। बच्चों से उनके स्कूल, दोस्तों, सपनों और परेशानियों के बारे में बात करें, बिना उन्हें जज किए। इससे वे ज्यादा सुरक्षित और समझे जाने का एहसास करते हैं।

रूस में 8.7 तीव्रता का भूकंप, सेवेरो-कुरिल्स्क के तटीय क्षेत्र में सुनामी, जापान, अमेरिका और न्यूजीलैंड तक हिली धरती

मॉस्को/टोक्यो/वाशिंगटन ,30 जुलाई (एजेंसियां)।

रूस के सुदूर पूर्व के कामचटका क्षेत्र में भूकंप के शक्तिशाली झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 8.7 दर्ज की गई। एक अन्य समाचार विवरण में भूकंप की तीव्रता 8.8 बताई गई है। कामचटका में साल 1952 के बाद का यह सबसे शक्तिशाली भूकंप है। सखालिन क्षेत्र की सरकार के अनुसार, इसके बाद सेवेरो-कुरिल्स्क शहर के तटीय क्षेत्र में सुनामी की लहर आई। खबरों के अनुसार, कामचटका के स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 12:00 बजे (मॉस्को समयानुसार, 00:00 जीएमटी) पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 150 किलोमीटर दूर यह भूकंप आया। इससे उत्तरी प्रशांत क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सुनामी आई है । अलास्का, हवाई और दक्षिण में न्यूजीलैंड के लिए चेतावनी जारी की गई। होनोलूलू में सुनामी की चेतावनी सायरन बजने के बाद लोग ऊंचे स्थानों पर चले गए।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने कहा कि लगभग 30 सेंटीमीटर (लगभग 1 फुट) ऊंची पहली सुनामी लहर होक्काइडो के पूर्वी तट पर नेमुरो पहुंची।

कामचटका प्रायद्वीप पर भूकंप के केंद्र के सबसे नजदीकी रूसी क्षेत्रों में काफी नुकसान होने की बात कही जा रही है। लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। गवर्नर वालेरी लिमारेंको के अनुसार, पहली सुनामी लहर प्रशांत महासागर में रूस के कुरील द्वीप समूह की मुख्य बस्ती, सेवेरो-कुरिल्स्क के तटीय क्षेत्र में आई। दोबारा लहर आने का खतरा टलने तक लोग ऊंचे स्थानों पर ही रहेंगे।

प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि हवाई, चिली, जापान और सोलोमन द्वीप समूह के कुछ तटीय क्षेत्रों में ज्वार स्तर से 1 से 3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं। रूस और इक्वाडोर के कुछ तटीय क्षेत्रों में तीन मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। केंद्र ने चेताया है कि सुनामी से सभी हवाई द्वीपों के तटीय क्षेत्रों में नुकसान हो सकता है। स्थानीय समयानुसार शाम 7 बजे के आसपास लहरें उठ सकती हैं। जापान और अमेरिका के भूकंप विज्ञानियों ने बताया कि जापानी समयानुसार सुबह 8:25 बजे आए भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 8.0 रही। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बाद में कहा कि इसकी तीव्रता 8.8 रही। अमेरिका के भूकंप विज्ञानियों ने कहा कि भूकंप 20.7 किलोमीटर (13 मील) की गहराई पर आया। इसका केंद्र रूसी शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से लगभग 119 किलोमीटर (74 मील) दूर कामचटका प्रायद्वीप रहा इस प्रायद्वीप की आबादी लगभग 1,80,000 है। तास के अनुसार, पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की में लोग बिना जूतों या बाहरी कपड़ों के सड़कों पर निकल आए। घरों के अंदर अलमारियां गिर गईं। शीशे टूट गए। चलती कारें सड़क पर हिलने लगीं। इमारतों की बालकनियां तेजी से हिलने लगीं। बड़े इलाके में बिजली गुल हो गई। कई इलाकों में मोबाइल फोन सेवा ठप हो गई। सखालिन द्वीप के निवासियों को निकाला जा रहा है। अलास्का स्थित राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र ने अलास्का अल्यूशियन द्वीप समूह के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। इस चेतावनी में अलास्का तटरेखा के एक बड़े हिस्से को भी शामिल किया गया है। इसमें पैनहैंडल के कुछ हिस्से भी शामिल हैं। जापान के भूकंप वैज्ञानियों के अनुसार मार्च 2011 में पूर्वोत्तर जापान में आए भूकंप की तीव्रता 9.0 दर्ज की गई थी। यह फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र को पिघलाने वाली भीषण सुनामी का कारण बना था। इस बीच न्यूजीलैंड के अधिकारियों ने पूरे देश के तटीय क्षेत्रों में अप्रत्याशित ऊंची लहरें उठने की चेतावनी जारी की है। सरकारी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा है लोगों तत्काल समुद्र तटों, तटीय क्षेत्रों, बंदरगाहों, नदियों और मुहाने से दूर चला जाना चाहिए। न्यूजीलैंड दक्षिण प्रशांत में है और भूकंप के केंद्र से लगभग 6,000 मील दूर है। इससे पहले जुलाई में कामचटका के पास समुद्र में पांच शक्तिशाली भूकंप आए थे। इनमें से एक की तीव्रता 7.4 रही थी। चार नवंबर, 1952 को कामचटका में 9.0 तीव्रता के भूकंप से भारी क्षति हुई थी। इससे हवाई में 9.1 मीटर ऊंची लहरें उठी थीं। खबरों में कहा गया है कि सुनामी के हवाई द्वीपों तक पहुंचने में बहुत कम समय बाकी है। गवर्नर जोश ग्रीन ने कहा कि यह किसी एक समुद्र तट को नहीं, बल्कि पूरे हवाई द्वीप समूह को अपनी चपेट में ले लेगा। जापान में आने वाली शुरुआती लहरें शुरुआती अनुमान से नीचे रहीं। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्रों ने कहा है कि इक्वाडोर और रूस के तटीय क्षेत्रों में सामान्य स्तर से 3 मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। चिली, कोस्टा रिका, फ्रेंच पोलिनेशिया, गुआम, हवाई, जापान और प्रशांत क्षेत्र के अन्य द्वीपों और द्वीप समूहों के कुछ तटों पर 1 से 3 मीटर, ऑस्ट्रेलिया, कोलंबिया, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, टोंगा और ताइवान में 1 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। ब्रुनेई, चीन, उत्तर कोरिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और वियतनाम के तटों पर ज्वार से एक फुट से भी कम ऊंचाई वाली लहरें उठने की संभावना है। इस बीच वोडोपाडनया मौसम केंद्र ने कहा कि कामचटका के येलिजोव्स्की जिले में 3-4 मीटर ऊंची लहरों वाली सुनामी दर्ज की गई। कामचटका तट पर एक घंटे में 5 से ज्यादा तीव्रता वाले कुल आठ भूकंप आए। विशेषज्ञों का अनुमान है कि कम से कम एक महीने तक इस क्षेत्र में 7.5 तीव्रता तक के झटके आ सकते हैं। पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की में एक किंडरगार्टन की दीवार गिर गई है। सखालिन क्षेत्र में सेवेरो-कुरिल्स्क बंदरगाह और एक मछली पकड़ने का केंद्र सुनामी की लहरों से जलमग्न हो गए हैं।

धरती की तरफ बढ़ रहा रहस्यमयी ऑब्जेक्ट, यह एलियंस का विमान तो नहीं

बल्गेरिया,30 जुलाई (एजेंसियां)।

बाबा वेंगा जिनकी आंखें भी नहीं थीं, उन्होंने सैकड़ों साल बाद होने वाली घटनाओं को बता दिया था। उन्होंने 2025 के बारे में कहा था कि ये वही साल होगा, जब इंसानों का एलियनों से संपर्क होगा। अब वैज्ञानिकों का दावा है कि एक रहस्यमयी ऑब्जेक्ट अंतरिक्ष में धरती की ओर बढ़ रहा है। इसका नाम 3आई/एटल्स है, जो शायद एलियन जहाज है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक जुलाई को चिली में एक टेलीस्कोप से इस ऑब्जेक्ट को देखा गया था। अगले 24 घंटे में ही पता चल गया कि ये हमारे सोलर सिस्टम के बाहर से आई चीज़ है। रिपोर्ट के मुताबिक ये धरती की ओर आते हुए देखा गया तीसरा इंटरसेलर है। आशंका है कि ये ऑब्जेक्ट इसी साल नवंबर में धरती के पास पहुंचेगा, जिसके बाद ये सूर्य के पीछे चला जाएगा और धरती से नहीं दिखेगा। यह 1.3 लाख मील प्रति घंटा की रफ्तार से सूर्य की ओर बढ़ रहा है। इसका आकार 10 से 20 किलोमीटर है, जो किसी सामान्य शहर से भी बड़ा है। शुरुआती अनुमान में यह एक धूमकेतु माना गया। हार्वर्ड के प्रोफेसर और उनकी

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी कहीं सही साबित न हो जाए, वैज्ञानिक परेशान

टीम ने दावा किया है कि इसकी कक्षा, संरचना और गति इसे एलियन जासूसी यान साबित कर सकते हैं। बाबा वेंगा ने 2025 में एलियंस से संपर्क की भविष्यवाणी की थी। उन्होंने इसी साल यूरोप में युद्ध, आर्थिक संकट और प्राकृतिक आपदाओं के बारे में भी कहा था, जो काफी हद तक सही साबित हुई हैं। ऐसे में 3आई/एटल्स की टाइमिंग और दिशा को लेकर कई लोग इसे उनकी भविष्यवाणी से जोड़ रहे हैं। इस वक्त डार्क फॉरेस्ट हाइपोथेसिस भी चर्चा में आ गई है, जिसके मुताबिक दुनिया की कुछ उन्नत सभ्यताएं खुद को छिपाकर रखती हैं, ताकि वे किसी खतरे में न आएं। इस एलियन यान को उससे भी जोड़कर देखा जा रहा है। प्रोफेसर का कहना है कि यह वस्तु जानबूझकर ऐसी कक्षा में आ रही है जिसे पृथ्वी से मॉनिटर करना मुश्किल है।

सालाना 32 करोड़ पेड़ आकाशीय बिजली गिरने से हो रहे नष्ट

ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि हर साल लगभग 32 करोड़ पेड़ केवल आकाशीय बिजली गिरने से मारे जा रहे हैं। यह आंकड़ा उन पेड़ों को छोड़कर है जो बिजली से लगी आग में जलकर नष्ट होते हैं। हाल ही में म्यूनिख की टेक्निकल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है। यह निष्कर्ष चौंकाने वाला है क्योंकि अब तक बिजली को केवल एक प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाता था, जिसके पर्यावरण पर इतने गंभीर असर की ओर ध्यान नहीं दिया गया था। इस अध्ययन में पहली बार बिजली गिरने के प्रभाव को इतने वैज्ञानिक तरीके से परखा गया है। इसके लिए वैज्ञानिकों ने एक वैश्विक मॉडल तैयार किया, जिसमें उन्होंने बिजली गिरने की घटनाओं के आंकड़ों को वनस्पति मॉडल से जोड़कर यह आकलन किया कि दुनिया के किन क्षेत्रों में यह समस्या सबसे ज्यादा है, कितने पेड़ इससे नष्ट होते हैं और इसका पर्यावरणीय असर कितना गहरा है। रिसर्च के प्रमुख लेखक एंड्रियास क्राउस ने बताया कि अब हम केवल यह नहीं जान पा रहे कि हर साल कितने पेड़ बिजली से मरते हैं, बल्कि यह भी समझ पा रहे हैं कि यह घटना किन इलाकों में सबसे ज्यादा होती है और इसका जंगलों की संरचना तथा कार्बन भंडारण पर क्या प्रभाव पड़ता है। बिजली गिरने से पेड़ों के मरने का सबसे गंभीर असर यह है कि जब ये पेड़ सड़ने लगते हैं, तो बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड वातावरण में पहुंचती है।

ईरान ने गाजा संघर्षविराम वार्ता में हस्तक्षेप के ट्रंप के दावे को किया खारिज, आरोप को बताया 'निराधार'

तेहरान,30 जुलाई (एजेंसियां)।

ईरान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को सख्ती से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान ने इजराइल और हमास के बीच गाजा संघर्षविराम वार्ता में हस्तक्षेप किया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माईल बघई ने मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में इस आरोप को पूरी तरह निराधार बताया।

यह बयान उस वक्त आया जब ट्रंप ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री किअर स्टारमर के साथ मुलाकात के दौरान दावा किया कि मुझे लगता है कि ईरान ने इस वार्ता में हस्तक्षेप किया है, हमास को इशारे और आदेश दिए जा रहे हैं। हालांकि ट्रंप ने इस आरोप के समर्थन में कोई ठोस प्रमाण नहीं दिया। इसी के जवाब में बघई ने कहा, यह आरोप केवल अमेरिका की उस भूमिका से ध्यान भटकाने का प्रयास है, जो उसने इजराइल के फिलीस्तीनी जनता के खिलाफ किए गए 'अत्याचारों' में निभाई है। उन्होंने कहा कि हमास के वार्ताकार गाजा की जनता के हितों को पहचानने और उनका पालन करने में पूरी तरह सक्षम हैं, उन्हें किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। ईरानी प्रवक्ता ने गाजा में जारी हिंसा को नरसंहार करार देते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से फिलीस्तीनी जनता की पीड़ा को समाप्त करने और इजराइली कार्रवाइयों को रोकने के लिए ठोस पहल की मांग दोहराई। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ऐसी हर पहल का समर्थन करता है जो शांति स्थापना और संघर्ष समाप्ति की दिशा में हो। उल्लेखनीय है कि इजराइल और हमास के बीच संघर्षविराम की वार्ता हाल ही में कतर में आयोजित की गई थी, लेकिन वार्ता उस वक्त स्थगित हो गई जब अमेरिकी और इजराइली प्रतिनिधिमंडल बैठक से बाहर निकल गए। इस घटनाक्रम ने मध्य-पूर्व में शांति की संभावनाओं पर एक बार फिर से प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है।

एपस्टीन केस के धागों में उलझे ट्रंप, गिस्लेन मैक्सवेल ने गवाही के लिए रखी शर्त

वाशिंगटन,30 जुलाई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका की राजनीति में इस समय हलचल मचा रहे यौन शोषण और नाबालिग लड़कियों की तस्करी के केस में दोषी गिस्लेन मैक्सवेल ने गवाही देने के लिए शर्त रखी है। अपने गुनाहों के लिए जेल में बंद यह महिला आरोपित अरबपति जेफरी एपस्टीन की मित्र है। एपस्टीन की जेल में मौत हो चुकी है। इस केस में कुछ समय से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

खबर के अनुसार, दोषी सह साजिशकर्ता गिस्लेन मैक्सवेल के वकीलों ने इस संबंध में सोमवार को कांग्रेस को एक पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि वह बिना किसी छूट या अपनी 20 साल की जेल की सजा कम करने के ट्रंप के आदेश के बिना गवाही देने को तैयार नहीं है। जेफरी एपस्टीन ने 2019 में यौन तस्करी के आरोप में गिरफ्तारी और आरोप लगने के कुछ ही समय बाद एक संघीय जेल की कोठरी में फांसी लगा ली थी।

एक दशक से भी अधिक समय पहले एक जांच के दौरान एपस्टीन ने फ्लोरिडा में राज्य के आरोपों पर गुनाह कुबूल किया था। इसके बाद नाबालिग लड़कियों को यौन संबंध बनाने के बदले पैसे देने के अपराध में उसे हल्की सजा मिली थी। एपस्टीन की मृत्यु के बाद मैक्सवेल पर उन नाबालिग लड़कियों को जाल में फंसाने की साजिश रचने का आरोप लगा। उसे अदालत ने दोषी ठहराया।

कुछ माह पहले तक अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी और ट्रम्प के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एपस्टीन की जांच से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलें सार्वजनिक करने का दम भरते रहे हैं। इस महीने उन्होंने रुख पलटते हुए कहा कि कोई और जानकारी नहीं दी जाएगी। खबरों में किए गए दावों के अनुसार, ट्रंप और एपस्टीन लंबे समय तक मित्र रहे हैं। 2004 में दोनों के बीच किसी बात को लेकर मतभेद हुआ। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है और हाल के दिनों में इस बात पर निराशा व्यक्त की है कि उन्हें अभी भी इस मामले से जुड़े सवालों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले सप्ताह द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने खुलासा किया था कि बॉन्डी ने वसंत ऋतु में ट्रंप को सूचित किया था कि उनका नाम एपस्टीन की फाइलों में है। इसके बाद कई रिपब्लिकन ने मत व्यक्त किया कि अगर मैक्सवेल से पूछताछ की जाए तो सच सामने आ सकता है। मगर जेल में बंद मैक्सवेल के वकील डेविड ओ. मार्कस का कांग्रेस को लिखा पत्र दर्शाता है कि पूछताछ करनी आसान नहीं है। मैक्सवेल के वकील ने कहा कि अब वह जो भी गवाही देगी, उससे उसकी अपील पर असर पड़ सकता है। डेविड ओ. मार्कस ने कहा कि मैक्सवेल पांचवें संशोधन के अधिकारों का प्रयोग करते हुए गवाही देने से इनकार कर देंगी। उन्होंने कहा कि आगे विचार-विमर्श के बाद हम कांग्रेस के साथ सहयोग करने का कोई निष्पक्ष और सुरक्षित रास्ता तलाशेंगे। वकील ने कहा कि इनमें से एक शर्त मैक्सवेल को प्रतिरक्षा प्रदान करने की होगी। उन्होंने कहा कि हालांकि नाबालिगों से जुड़े यौन तस्कर के रूप में उनकी सजा को देखते हुए यह एक बेहद पेचीदा मुद्दा है। मार्कस ने पत्र में लिखा, मैक्सवेल औपचारिक प्रतिरक्षा के बिना राजनीतिक रूप से आवेशित माहौल में आगे आपराधिक जोखिम का जोखिम नहीं उठा सकतीं। पत्र में कहा गया है कि वह फ्लोरिडा की संघीय जेल में कैद हैं। वह जेल में कांग्रेस के जांचकर्ताओं से बात नहीं करेंगी। वकील ने कहा कि अगर उनकी अपीलों का निपटारा हो जाए तो वह गवाही देने को तैयार हैं। मैक्सवेल की कानूनी टीम ने एक तरीका सुझाया है, जिससे इन बाधाओं को दूर किया जा सकता है। वह है मैक्सवेल को क्षमादान देने का। मार्कस ने पत्र में साफ किया है कि अगर उन्हें क्षमादान मिल जाता तो वह वाशिंगटन डीसी में कांग्रेस के सामने सार्वजनिक रूप से खुलेआम और ईमानदारी से गवाही देने के लिए तैयार और उत्सुक होतीं। वह सच्चाई साझा करने और इस मामले में शुरू से ही व्याप्त कई गलतफहमियों और गलत बयानों को दूर करने के अवसर का स्वागत करती हैं।

सीएएफए नेशंस कप 2025 : भारत लेगा मलेशिया की जगह, ईरान, ताजिकिस्तान जैसी टीमों से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली,30 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय फुटबॉल टीम अब सेंट्रल एशियन फुटबॉल एसोसिएशन(सीएएफए) नेशंस कप 2025 में भाग लेगी, जहां वह मलेशिया की जगह लेगी, जिसने लॉजिस्टिक कारणों से टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

सीएएफए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मलेशिया की भागीदारी पहले ही तय हो गई थी और उन्हें टूर्नामेंट की तारीखों (29 अगस्त से 8 सितंबर) की पूरी जानकारी थी, जो कभी बदली नहीं गयी, लेकिन इस देर से हुए नाम वापसी ने आयोजन की तैयारियों को प्रभावित किया है, क्योंकि योजनाएं पहले ही उन्नत चरण में थीं।अब भारत 'हरिमाउ मलाया' (मलेशिया की टीम) की जगह लेगा।

यह टूर्नामेंट भारतीय टीम के लिए एक नए युग की शुरुआत भी होगा, क्योंकि हाल ही में मैनोलो मार्केज़ के साथ पारस्परिक सहमति से करार खत्म हो गया था।

भारत को जिन टीमों के साथ ग्रुप में रखा गया है, वे ईरान (डिफेंडिंग चैंपियन), ताजिकिस्तान (2023 एशियन कप क्वार्टरफाइनलिस्ट) और अफगानिस्तान हैं। इस टूर्नामेंट में भारत के पास ईरान और ताजिकिस्तान जैसी ऊंची रैंकिंग वाली टीमों को हराकर मूल्यवान रैंकिंग अंक अर्जित करने का सुनहरा अवसर होगा।

टूर्नामेंट फॉर्मेट के अनुसार, हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें प्लेऑफ स्टेज में पहुंचेंगी।8 सितंबर को दो मुकाबले खेले जाएंगे, तीसरे स्थान के लिए मुकाबला (ग्रुप रनर-अप के बीच)दुशांबे में और फाइनल मुकाबला (ग्रुप विजेताओं के बीच) ताशकंद में होगा। भारत का संभावित कार्यक्रमः भारत बनाम ताजिकिस्तान - 29 अगस्त, भारत बनाम ईरान - 1 सितंबर , भारत बनाम अफगानिस्तान - 4 सितंबर , भारतीय फुटबॉल टीम पिछले 16 महीनों में किसी भी प्रतिस्पर्धात्मक मैच में जीत दर्ज करने में असफल रही है।2024 एशियन कप में ग्रुप स्टेज से ही बाहर होने के बाद पहले इगोर स्टिमैक और फिर मैनोलो मार्केज़ को कोच पद से हटाया गया। वर्तमान में भारत की फीफा रैंकिंग 133 है, जो

पिछले एक दशक में सबसे निचला स्तर है। अब टीम एक नई शुरुआत की ओर देख रही है, और 1 अगस्त को नया मुख्य कोच नियुक्त किया जाना तय है। संभावित उम्मीदवारों में खालिद जमील, स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन, और स्टेफ़न टार्कोविक के नाम शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

कनाडियन ओपन 2025: एक महीने बाद कोर्ट पर लौटे अलेक्जेंडर ज्वेरेव की विजयी वापसी

टोरंटो। कनाडियन ओपन 2025 (एटीपी टोरंटो मास्टर्स) में टॉप सीड जर्मन खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एक महीने बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मंगलवार को खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन को 7-6 (8/6), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बना ली। विंबलडन के पहले दौर में हारने के बाद ज्वेरेव ने मानसिक थकावट के कारण खेल से ब्रेक लिया था। इस दौरान उन्होंने राफेल नडाल की मल्लोर्का अकादमी का दौरा भी किया, जहां उन्होंने सलाह और करियर से जुड़े विचार-विमर्श किए। पहले सेट के टाईब्रेकर में वह 4-1 से पीछे थे, लेकिन शानदार वापसी करते हुए सेट अपने नाम किया। मैच के दौरान उन्होंने एक 52 शॉट्स की लंबी रैली भी खेली। जीत के बाद अब उनके करियर में कुल 499 मैच जीत हो चुकी हैं। ज्वेरेव ने मैच के बाद कहा, कभी-कभी केवल जीत ही मायने रखती है। यह सबसे सुंदर मैच नहीं था, लेकिन जीत जरूरी थी। अब उनका सामना इटली के माटेओ अर्नाल्डी से होगा, जिन्होंने त्रिस्टन स्कूलकेट को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया। अन्य मुकाबलों में तीसरे वरीय लोरेन्जो मुसेत्ती और पांचवें वरीय होल्गर रून ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज की। मुसेत्ती ने ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफायर जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-1 से हराया। रून ने फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरिकरड को 7-6 (9/7), 6-3 से मात दी। आठवें वरीय कैस्पर रूड ने रोमन सफियुल्लिन को 6-3, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। पूर्व चैंपियन और 10वें वरीय दानील मेदवेदेव ने डलिबोर स्विर्सना को 7-6 (7/3), 6-4 से हराया। स्विर्सना ने इस मैच में 40 से अधिक अनफोर्स्ड एरर्स किए।

हरदीप ने रचा इतिहास, अंडर-17 ग्रीको रोमन कुश्ती के 110 किग्रा वर्ग में बने विश्व चैंपियन

नई दिल्ली। एथेंस (ग्रीस) में आयोजित अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के हरदीप ने 110 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। फाइनल मुकाबले में हरदीप ने ईरान के यज़दान रज़ा डेलरूज़ को कड़े मुकाबले में क्लाइटेरिया के आधार पर हराया, क्योंकि मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ था। हरदीप ने क्वालिफिकेशन राउंड में कजाखस्तान के बाकतुर सोवेतखान को 2-0 से हराया। राउंड ऑफ 16 में उन्होंने पोलैंड के माटेउस यारोस्लाव टोमेल्का को 4-2 से मात दी। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन के अनातोली नोवाचेंको को 9-0 से पराजित किया। सेमीफाइनल में हरदीप ने तुर्किए के एमरुल्लाह कापकान को 4-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और अंततः ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हरदीप की यह जीत भारत के युवा कुश्ती प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा है।

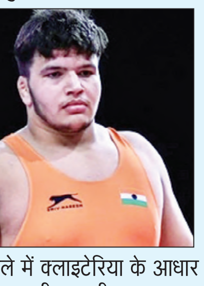

महिला कोपा अमेरिका 2025: ब्राजील ने उरुग्वे को 5-1 से रौंदा, फाइनल में किया प्रवेश

क्विटो। कोपा अमेरिका महिला फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 के सेमीफाइनल में ब्राजील ने मंगलवार को उरुग्वे को 5-1 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही ब्राजील ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। मैच में ब्राजील की ओर से अमांडा गुटिरेस ने दो गोल दागे और शानदार प्रदर्शन किया। शनिवार को होने वाले फाइनल में ब्राजील का मुकाबला कोलंबिया से होगा। यह 2022 के फाइनल की पुनरावृत्ति होगी, जिसमें ब्राजील ने जीत दर्ज कर अपना आठवां खिताब हासिल किया था। 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक का टिकट भी किया पक्का 24 वर्षीय गुटिरेस ने कहा, हम बहुत खुश हैं, यह मेरा पहला फाइनल है। यह हमारे कोच के साथ की गई कड़ी मेहनत का नतीजा है। कोलंबिया एक मजबूत टीम है, लेकिन हम ट्रॉफी जीतने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। गुटिरेस ने मैच की शुरुआत में 11वें मिनट में मार्ता की शानदार क्रॉस पर हेडर के जरिए पहला गोल किया। दो मिनट बाद ही जिओ गारबेलिनी ने ढीली पड़ी गेंद को नेट में डालते हुए ब्राजील की बढ़त 2-0 कर दी।

टेस्ट रैंकिंग्स में स्टोक्स और जडेजा की बड़ी छलांग, अभिषेक बने नंबर-1 टी20 बल्लेबाज़

नई दिल्ली,30 जुलाई (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने हाल ही में खेले गए इंग्लैंड-भारत चौथे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग्स में बड़ी छलांग लगाई है। स्टोक्स ने टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग्स में तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल कर लिया है, जो दिसंबर 2022 के बाद उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। उन्होंने मैच में 141 रन की पारी के साथ पहली पारी में पांच विकेट भी झटके थे। इससे वे बल्लेबाजों की सूची में आठ स्थान चढ़कर 34वें और गेंदबाजों में 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने 107* रन की जुझारू पारी और चार विकेट की मदद से ऑलराउंडर रैंकिंग्स में शीर्ष पर अपनी बादशाहत और भी पुख्ता कर ली है। वे अब 422 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे नंबर पर मौजूद बांग्लादेश के मेहदी हसन से 117 अंक आगे हैं। उन्होंने बल्लेबाजों की सूची में पांच स्थान चढ़कर 29वां स्थान और गेंदबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 14वां स्थान हासिल किया है।

रूट की बादशाहत कायम, डकेट और पोप को भी फायदा

इंग्लैंड के जो रूट ने ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में 150 रन की शानदार पारी खेली, जिससे वे बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद केन विलियमसन से 37 अंकों की बढ़त बनाए हुए हैं। इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट पांच स्थान ऊपर चढ़कर 10वें और ज़ैक क्रॉली दो स्थान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ओली पोप भी एक स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं। भारत के ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर, जिन्होंने जडेजा के साथ 203 रनों की नाबाद साझेदारी की और 101* रन बनाए, आठ स्थान की छलांग लगाकर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने दो विकेट भी लिए और ऑलराउंडर लिस्ट में भी आठ स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर आ गए हैं।

जॉफ्रा आर्चर और वोक्स को भी फायदा

तेज गेंदबाज जॉफ्रा आर्चर ने चार साल बाद टेस्ट क्रिकेट में लौटते हुए तीन विकेट लिए और गेंदबाजों की रैंकिंग में 38 स्थान ऊपर चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गए।

एवर्टन ने युवा मोरक्कन डिफेंडर आदम अजनोउ से किया करार

लंदन। इंग्लिश फुटबॉल क्लब एवर्टन ने 19 वर्षीय मोरक्कन अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर आदम अजनोउ को बायर्न म्यूनिख से साइन कर लिया है। बाएं फ्लैंक पर खेलने वाले अजनोउ ने क्लब के साथ चार साल का करार किया है। हालांकि ट्रांसफर फीस का आधिकारिक खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह राशि लगभग 8 मिलियन पाउंड (लगभग 10.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मानी जा रही है। एवर्टन के कोच डेविड मोयेस ने रविवार को अमेरिका में खेले गए प्री-सीजन फ्रेंडली मुकाबले में बर्नमाउथ से हारने के बाद अजनोउ में रुचि होने की पुष्टि की थी। पिछले सीजन में अजनोउ ने बायर्न म्यूनिख की सीनियर टीम के लिए चार मुकाबले खेले थे, इसके बाद वह सीजन के दूसरे भाग में ला लीगा क्लब वायाडोलिड को लोन पर भेजे गए थे, जहां उन्होंने 13 मैचों में हिस्सा लिया। एवर्टन की आधिकारिक वेबसाइट पर अजनोउ ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं यहां आकर बेहद खुश हूं और इस टीम का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहा हूं। जो प्रोजेक्ट मुझे दिया गया वह शानदार है। प्रीमियर लीग दुनिया की सबसे बेहतरीन लीग है और मैं इसे शुरू करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। नए एवर्टन स्टेडियम को लेकर उन्होंने कहा, यह स्टेडियम बेहद खूबसूरत है। यह एक अच्छा अहसास देता है और हमारे फैंस के लिए भी यह शानदार है। यह हमारे लिए एकदम परफेक्ट है। कोच डेविड मोयेस ने यह भी कहा कि नई प्रीमियर लीग सीजन की तैयारी के लिए क्लब को अभी करीब पांच और खिलाड़ियों की जरूरत है।

ई-स्पोर्टस वर्ल्ड कप 2025 अर्जुन एरिगैसी शतरंज इवेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली,30 जुलाई (एजेंसियां) ।

रियाद (सऊदी अरब) में चल रहे ई-स्पोर्टस वर्ल्ड कप 2025के शतरंज इवेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने मंगलवार को क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। एरिगैसी (ग्रुप बी) के साथ अन्य ग्रुप विजेता लेवोन अरोनियन (ग्रुप ए), अलीरेज़ा फिरोज़ा (ग्रुप सी) और मैग्नस कार्लसन (ग्रुप डी) भी अंतिम आठ में पहुंचे हैं। कुल 16 खिलाड़ियों की इस प्रतियोगिता में कुल इनामी राशि 15 लाख अमेरिकी डॉलर है।

क्वार्टरफाइनल के शेष चार स्थान लूजर्स ब्रैकेट के विजेताओं को मिलेंगे। ग्रुप ए में इयान नेपोमनियाची, व्लादिस्लाव अर्तेमिएव और आंद्रे एसिपेंको शामिल हैं। ग्रुप बी में अनीश गिरी, निहाल सरीन और मैक्सीम वाचिए-लाग्राव हैं। ग्रुप सी में जावोखिर सिंदारोव, वेई यी और हिकारू नाकामुरा जबकि ग्रुप डी में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, फाबियानो करूआना और जान-क्रिज़टोफ डूडा शामिल हैं।

हर मुकाबले का टाइम कंट्रोल 10 मिनट का है जिसमें कोई इनक्रिमेंट नहीं है। प्रत्येक मुक़ाबला दो गेम की श्रृंखला होती है, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर आर्मगेडन टाईब्रेकर भी खेला जाता है।

एरिगैसी ने अपने अभियान की शुरुआत हमवतन निहाल सरीन पर 2-0 की जीत से की। ग्रुप बी के एक अन्य मैच में मैक्सीम वाचिए-लाग्राव ने अनीश गिरी को 1.5-0.5 से हराया।

ग्रुप विजेता तय करने वाले मुकाबले में एरिगैसी ने काले मोहरों से पहला गेम जीता, हालांकि वाचिए-लाग्राव ने वापसी करते हुए दूसरा गेम जीत लिया और मुकाबला आर्मगेडन तक पहुंच गया। निर्णायक आर्मगेडन गेम में भारतीय ग्रैंडमास्टर ने सफेद मोहरों से जीत दर्ज कर ग्रुप टॉप करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

लूजर्स ब्रैकेट के सेमीफाइनल में निहाल सरीन का मुकाबला अब अनीश गिरी से होगा, जिसमें जीतने वाला खिलाड़ी क्वार्टरफाइनल के लिए वाचिए-लाग्राव से भिड़ेगा।

शंघाई मास्टर्स गोल्फ

शंघाई मास्टर्स गोल्फ में खेलते हुए गोल्फर जूड ट्रंप।

खो-खो को एआईईएससीबी के खेल कैलेंडर में मिली आधिकारिक मान्यता, पारंपरिक भारतीय खेल के लिए नया स्वर्ण युग शुरू

नई दिल्ली,30 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय पारंपरिक खेल खो-खो ने खेल जगत में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण बोर्ड (एआईईएससीबी) के वार्षिक खेल कैलेंडर में अपनी आधिकारिक जगह बना ली है। यह निर्णय एआईईएससीबी की मुंबई में आयोजित वार्षिक आम सभा बैठक में लिया गया, जहां खो-खो को क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, बैडमिंटन और टेनिस जैसे अन्य 16 प्रमुख खेलों के समकक्ष स्थान दिया गया। एआईईएससीबी भारत में ऊर्जा और विद्युत क्षेत्रों से जुड़े विभागों की प्रमुख खेल संस्था है, जो वर्षों से विभिन्न खेलों को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रही है। अब एआईईएससीबी की मान्यता मिलने के बाद, खो-खो खिलाड़ियों को न केवल प्रतिस्पर्धात्मक मंच मिलेगा, बल्कि उन्हें खेल कोटे के माध्यम से करियर के स्थायी अवसर भी मिल सकेंगे। इससे पहले सेनाएं (सर्विसेज) और भारतीय रेल (रेलवे) जैसे संस्थागत निकाय भी खो-खो को अपने आधिकारिक खेल कैलेंडरों में शामिल कर चुके हैं। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने इस अवसर को केवल प्रतीकात्मक मान्यता नहीं, बल्कि खेल की बढ़ती राष्ट्रीय प्रासंगिकता की पुष्टि बताया। उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि कैसे एक परंपरागत भारतीय खेल अब शीर्ष संस्थागत मंचों तक पहुंच रहा है। यह बदलाव ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत के युवाओं को खो-खो को एक व्यावसायिक करियर विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि यह विकास खो-खो के उस पेशेवर कायांतरण को रेखांकित करता है, जिसमें अब यह खेल रोजगार, सम्मान और भविष्य का माध्यम बनता जा रहा है। सरकारी विभागों में खो-खो टीमों के गठन और खिलाड़ियों को नियुक्ति में प्राथमिकता मिलने से इस दिशा में ठोस आधार बनता जा रहा है।

उच्चतम न्यायालय महोत्सव में भी मिली जगह

इस महीने की शुरुआत में, भारत के उच्चतम न्यायालय के वार्षिक खेल महोत्सव में पहली बार खो-खो को शामिल किया गया, जिसने इस खेल की प्रतिष्ठा को और बढ़ाया। ऐसे प्रतिष्ठित मंचों पर खो-खो की भागीदारी यह दर्शाती है कि अब यह केवल गांवों के मैदानों तक सीमित खेल नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय और संस्थागत पहचान पाने में सफल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिचेल ओवेन को पहली बार वनडे टीम में जगह, लाबुशेन बरकरार

पैट कमिंस और स्टार्क आराम पर, मिचेल मार्श होंगे कप्तान

मेलबर्न,30 जुलाई (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जाने वाले वनडे और टी20 श्रृंखला के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। युवा ऑलराउंडर मिचेल ओवेन को पहली बार वनडे टीम में मौका मिला है, वहीं तेज गेंदबाज लांस मॉरिस की 50 ओवर प्रारूप में वापसी हुई है।

टी20 में वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद मिचेल ओवेन को वनडे टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने उस सीरीज़ में 192.30 के स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए थे, जिसमें जमैका में पदार्पण मैच में अर्धशतक भी शामिल है। इसके अलावा उन्होंने पिछले वनडे कप सीज़न में तस्मानिया की ओर से साउथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 69 गेंदों में 149 रन की धमाकेदार पारी खेली थी।

वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट टीम से बाहर किए गए मार्नस लाबुशेन को वनडे टीम में बरकरार रखा गया है।

स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल के वनडे से संन्यास लेने के बाद यह टीम पहले बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है। स्पेंसर जॉनसन चोट के कारण बाहर हैं, जबकि जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कूपर कोनॉली, एरॉन हार्डी, टैनीवर संगा, और सीन एबॉट को टीम से बाहर कर दिया गया है। हेड और हेज़लवुड की वापसी, कमिंस-स्टार्क को आराम ट्रैविस हेड और जोश हेज़लवुड की टी20 और वनडे दोनों में वापसी हुई है। वहीं पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क को घरेलू समर सीज़न से पहले आराम दिया गया है। मिचेल मार्श दोनों प्रारूपों में कप्तानी की ज़िम्मेदारी संभालेंगे। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा,वेस्टइंडीज सीरीज़ में लचीलापन और गहराई का जो परिचय मिला, वह नतीजों से परे एक सकारात्मक संकेत था। बल्लेबाजी क्रम की लचीलापन और गेंदबाजों की विविधता विशेष रूप से प्रभावशाली रही।

उन्होंने आगे कहा, लांस मॉरिस को सावधानी से प्रबंधित किया गया है, लेकिन हमें भरोसा है कि वे तीनों प्रारूपों में प्रभावी हो सकते हैं।

कार्यक्रम

टी20 मैचः 10 और 12 अगस्त को डार्विन में, 16 अगस्त को केर्न्स में

वनडे सीरीजः 19 अगस्त (केर्न्स), 22 और 24 अगस्त (मैकाय)

ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम बनाम दक्षिण अफ्रीका - मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, टिम डेविड, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैट कुनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, एडम जांपा।

ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम बनाम दक्षिण अफ्रीका - मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, लांस मॉरिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, एडम एडम जांपा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जेनेरिक दवाएँ गरीबों के लिए वरदान : अभिनेता सुमन

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में जेनेरिक दवाएँ समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो रही हैं। प्रख्यात अभिनेता सुमन ने जोर देकर कहा कि जेनेरिक दवाएँ विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम आय वर्ग के लिए एक मूल्यवान विकल्प हैं। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं की उपलब्धता राष्ट्र के लिए एक सकारात्मक और आशाजनक विकास है।सुमन ने इस आंदोलन से जुड़े होने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जेनिविस रेमेडीज़ के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में सेवा करने का सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्होंने हैदराबाद के यूसुफगुड़ा में तेलंगाना की पहली जेनिविस रेमेडीज़ जेनेरिक मेडिकल स्टोर का औपचारिक उद्घाटन किया।

तेलंगाना में पहली जेनेरिक दवा दुकान

इस स्टोर का उद्घाटन हैदराबाद और तेलंगाना में जेनिविस रेमेडीज़ की पहली शाखा के शुभारंभ का प्रतीक है, जिसे आयोजकों ने बहुत गर्व का विषय बताया।उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, सुमन ने कहा, यह पहल प्रधानमंत्री की स्वास्थ्य सेवा दृष्टि के अनुरूप है – सभी नागरिकों को सुरक्षित, उच्च गुणवत्ता वाली दवाएँ किफायती कीमतों पर प्रदान करना। इस तरह की जेनेरिक दवा दुकानें गरीब और मध्यम वर्ग को बहुत लाभ पहुँचाएँगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का आर्थिक बोझ कम होगा।उन्होंने आगे बताया कि उनके व्यक्तिगत अनुरोध पर, सिनेमा और टेलीविजन तकनीशियनों के लिए जल्द ही अतिरिक्त छूट की सुविधा शुरू की जाएगी, जो अक्सर उद्योग के कम दृश्यमान लेकिन महत्वपूर्ण कर्मचारी होते हैं।

तेलुगु राज्यों में विस्तार की योजना

जेनिविस रेमेडीज़ के तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य प्रमुख, श्री महेश सिल्वेरी ने बताया कि तेलुगु राज्यों में 1,000 से अधिक ऐसी फ्रेंचाइज़ी शाखाएँ स्थापित करने की योजना है। उन्होंने कहा, हमारा मुख्य मिशन यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी परिवार आर्थिक तंगी के कारण आवश्यक दवाओं से वंचित न रहे।उद्घाटन समारोह में बीसी आयोग के प्रथम अध्यक्ष बी.एस. रामुलु, महेश सिल्वेरी, विवेक कुमार, संतोष शेडगे, और स्वास्थ्य व फार्मा क्षेत्र के प्रमुख मेहमान जैसे डॉ. श्रीकांत वोडनाला, डॉ. वामशी तिलक, डॉ. पी. पांडुरंगय्या, सी.एच. सुरेश, और डॉ. सी.एच. कृष्णमोहन उपस्थित थे।

ईथेम्स बिजनेस स्कूल का बीबीए कोर्स तेलंगाना में शीर्ष स्थान पर, 2025 रैंकिंग सर्वे में अव्वल

हैदराबाद, 30 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद स्थित ईथेम्स कॉलेज के बीबीए कार्यक्रम को टाइम्स बीबीए एजुकेशन रैंकिंग सर्वे 2025 (टीबीईआरएस) में तेलंगाना में प्लेसमेंट के लिए पहला स्थान और हैदराबाद के शीर्ष निजी बीबीए संस्थानों में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर, ईथेम्स ने भारत भर के बीबीए कॉलेजों में 47वां स्थान हासिल किया है। भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कुशल प्रबंधकों की आवश्यकता है, और बीबीए अब बी.टेक को पीछे छोड़ते हुए जेन जेड की पहली पसंद बन रहा है। पिछले तीन वर्षों में बीबीए कोर्स की मांग में 35% से अधिक की वृद्धि हुई है। यह बदलाव दर्शाता है कि भारत का युवा न केवल नौकरियाँ प्राप्त करने, बल्कि नौकरियाँ सृजित

करने के लिए तैयार हो रहा है। पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंद्रा नूयी के शब्दों में, मजबूत प्रबंधकों के बिना मजबूत अर्थव्यवस्था नहीं बनाई जा सकती।

टीबीईआरएस सर्वे की पद्धति

टीबीईआरएस द्वारा आयोजित इस सर्वेक्षण में तीन–चरणीय मजबूत पद्धति का उपयोग किया गया, जिसमें डेस्क रिसर्च, परसेप्चुअल सर्वे, और फैक्चुअल (भागीदारी) विश्लेषण शामिल थे। इसका उद्देश्य भारत के सबसे प्रभावशाली बीबीए संस्थानों की पहचान और रैंकिंग करना था। एक उद्योग विशेषज्ञ ने टिप्पणी की, यह बिजनेस स्कूल छात्रों को स्टार्टअप–तैयार स्नातक बना रहा है। इसके अलावा, ईथेम्स का बीबीए कार्यक्रम तेलंगाना में महिला बिजनेस लीडर्स को तैयार करने में भी योगदान दे रहा है।योरडिग्री के अनुसार, भारत में लगभग 3,729 बीबीए कॉलेज हैं, जिनमें 142 सरकारी और 3,261 निजी संस्थान शामिल हैं। शिखा.कॉम का अनुमान है कि 6,400 से अधिक संस्थान पूर्णकालिक, अंशकालिक, ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा सहित विभिन्न मोड में बीबीए और संबंधित कार्यक्रम प्रदान करते हैं। वर्थना के अनुसार, 4,600 से अधिक कॉलेज पूर्णकालिक बीबीए कार्यक्रम प्रदान करते हैं। स्टेटिस्टा के आँकड़ों के अनुसार, प्रतिवर्ष लगभग 1,00,000 छात्र बीबीए कार्यक्रमों में नामांकन करते हैं, जिसमें 13% की वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की गई है। भारत में उच्च शिक्षा में कुल नामांकन 43 मिलियन से अधिक है, जिसमें 79% स्नातक स्तर के छात्र हैं, और बीबीए भारत के बदलते शैक्षिक परिदृश्य में सबसे अधिक मांग वाले स्नातक कार्यक्रमों में से एक बन रहा है।

ईथेम्स की अनूठी पहल

ईथेम्स कॉलेज के अध्यक्ष और ईवाई के पूर्व क्षेत्रीय प्रबंध भागीदार, श्री काली प्रसाद गदिराजु ने इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए कहा, हम एक साधारण सिद्धांत पर काम करते हैं: शिक्षा को हमेशा समय से आगे रहना चाहिए।

छात्रों को केवल सिद्धांत से अधिक की आवश्यकता है; उन्हें गतिशील, निरंतर विकसित हो रहे वास्तविक विश्व के लिए तैयारी चाहिए। हमारा परिसर एक स्टार्टअप लैब की तरह डिज़ाइन किया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एनजीओ के...

इस मस्जिद को स्थानीय मुस्लिम आबादी का धार्मिक केंद्र बताया गया है।ऐश फाउंडेशन के अध्यक्ष इंजीनियर मुहम्मद नासिर उद्दीन ने 18 जुलाई 2025 को स्थानीय क्षेत्र के सांसद, वार्ड अध्यक्ष और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में इस्लामिक पद्धति से मस्जिद का भूमिपूजन कराया। भूमि पूजन के साथ ही मस्जिद निर्माण की सामग्रियां भी पहुंचनी शुरू हो गई और 19 जुलाई से बृहद पैमाने पर मस्जिद निर्माण का कार्य शुरू हो गया। समारोह के दौरान ऐश फाउंडेशन के प्रमुख की सार्वजनिक टिप्पणियां और भी चिंताजनक थीं। उसने खुले तौर पर कहा कि यह मस्जिद मुसलमानों के धार्मिक केंद्र के रूप में रहेगी और नेपाल की 95 प्रतिशत गैर–मुस्लिम आबादी खास कर हिंदुओं के इस्लामी दावा (धर्मांतरण) के मुख्य केंद्र के रूप में भी काम करेगी। यह सार्वजनिक ऐलान है कि यह परियोजना धर्म परिवर्तन और जनसांख्यिकीय इंजीनियरिंग के दीर्घकालिक लक्ष्य की ओर खु–लेआम बढ़ाया जा रहा कदम है।ऐश फाउंडेशन ने दावा किया कि रज्जाक मस्जिद सुनसरी में मुसलमानों के लिए एक आध्यात्मिक और सांप्रदायिक केंद्र बनेगा और नेपाल के साथ–साथ पूरे दक्षिण एशिया में अंतर–सामुदायिक सहयोग, विकास और इस्लामिक सिद्धांतों की स्थापना का उदाहरण बनेगा। ऐश फाउंडेशन की स्थापना 2018 में बांग्लादेश में हुई थी और इसे 20 सितंबर 2022 को बांग्लादेश में एक एनजीओ संस्था के रूप में औपचारिक रूप से पंजीकृत (पंजीकरण संख्या 3201) किया गया था। इससे पहले यह एक संयुक्त स्टॉक कंपनी (आरजेएससी संख्या 620/2018) के रूप में काम करती थी। 18 जुलाई 2025 को फाउंडेशन ने मस्जिद निर्माण के लिए धन जुटाने और नेपाल तथा अन्य पड़ोसी देशों में इसी तरह की परियोजनाओं के विस्तार के लिए दान का सार्वजनिक आह्वान भी किया।

दान और धार्मिक प्रचार–प्रसार के परदे के पीछे एक गहरी और ज्यादा कपटी साजिश छिपी है। पाकिस्तान की आईएसआई तुर्की और चुनिंदा खाड़ी देशों सहित इस्लामी देशों के एक नेटवर्क के साथ मिलकर इस पहल का गुप्त रूप से समर्थन कर रही है। नेपाल के विराटनगर में बन रही रज्जाक मस्जिद के पूरी तरह बन जाने के बाद दिखावटी तौर पर यह धार्मिक संरचना अल–कायदा, आईएसआईएस, हमास, लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी), तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य आतंकवादी संगठनों का अड्डा बनने वाली है। यह रणनीति अफ्रीका, दक्षिण–पूर्व एशिया और बाल्कन के कुछ हिस्सों में इस्तेमाल किए जाने वाले समान हथकंडों को दर्शाती है, जहां मस्जिदें और तथाकथित इस्लामी सांस्कृतिक केंद्र खुफिया जानकारी जुटाने, कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने और आतंकवादी भर्ती के अड्डे के रूप में काम करती रही हैं। इसका अंतिम लक्ष्य वैचारिक और जनसांख्यिकीय आधार बनाकर गैर–मुस्लिम राज्यों को कमजोर करना है, जिनका इस्तेमाल बाद में अशांति और सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है।नेपाल की खुली सीमाओं और शांतिपूर्ण समाज का फायदा उठाकर चरमपंथी तत्व अब नेपाल के सामाजिक ताने–बाने में घुसपैठ कर रहे हैं और भविष्य में कलह और आतंक के बीज बो रहे हैं। नेपाल में जो कुछ हो रहा है, वह सभी क्षेत्रीय हितधारकों के लिए एक चेतावनी है। मानवतावाद और अंतर्धार्मिक संवाद की आड़ में आतंकवाद से जुड़े गैर–सरकारी संगठनों और आईएसआई समर्थित धार्मिक केंद्रों को अपनी जगह बनाने की अनुमति देना एक भयावह सुरक्षा जोखिम है। अगर इसे अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो नेपाल अखिल–इस्लामी उग्रवाद का केंद्र बन सकता है, जो न केवल इसकी अपनी संप्रभुता, बल्कि भारत, भूटान और व्यापक दक्षिण एशियाई क्षेत्र की स्थिरता के लिए भी खतरा बन सकता है। एससीओ देशों के बीच तत्काल कूटनीतिक और खुफिया समन्वय आवश्यक है ताकि इस सुनियोजित जेहादी विस्तार को रोका जा सके, इससे पहले कि यह एक और शांतिपूर्ण राष्ट्र को आग की लपटों में झोंक दे।

नेपाल के हिंदू बहुल क्षेत्र में ऐश फाउंडेशन (एएसएच) मस्जिदों का जाल खड़ा कर रहा है। इसने बैंक खातों का विवरण जारी कर बांग्लादेशियों से दान मांगा है ताकि वे हिंदू बहुल देश में और अधिक मस्जिदें बनाने और स्थानीय आबादी का धर्म परिवर्तन करने के मिशन में योगदान दे सकें। नेपाल के हिंदू संगठनों ने सरकार और पुलिस को इसके लिए सचेत किया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उसकी वजह आप समझ सकते हैं। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हिंदुओं के खिलाफ मुस्लिमों की हिंसक घृणा की कई घटनाएं हो रही हैं। अप्रैल 2025 में नेपाल के परसा जिले के बीरगंज शहर में हिंसक मुस्लिम भीड़ ने हनुमान जयंती के जुलूस पर हमला किया था। उसके पहले जुलाई 2024 में मुस्लिमों ने नेपाल के सरलाही जिले में सड़क निर्माण कार्य रोक कर हिंदुओं पर हमला किया था और दलित हिंदुओं के घरों में तोड़फोड़ की थी। अभी हाल ही में मुस्लिमों ने रौतहट जिले में एक गांव का नाम बदलकर इस्लाम–नगर और ब्रह्म–स्थान का नाम बदलकर मदरसा–चौक कर दिया।

चीनी राजदूत से...

इसके साथ ही जयशंकर ने दो टूक कहा, मैं गुप्त बैठकें नहीं करता, न कोई डील करता हूं। ये काम ओलंपिक वाले लोग और चीन–गुरु करते हैं, न कि मेरे जैसे सामान्य लोग।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में चल रही बहस का दूसरा सत्र राज्यसभा में शुरू हुआ। चर्चा के दूसरे दिन विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद के घटनाक्रम और सरकार की ओर से उठाए गए कदम एवं देश की विदेश नीति के बारे में सदन में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विपक्ष के आरोपों पर भी पलटवार किया। विदेश मंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की तरफ से कई कदम उठाए गए। इसके तहत कई राजनयिकों को वापस भेजा गया और पाकिस्तानी नागरिकों को भी वापस भेजा गया। सबसे अहम कदम था सिंधु जल समझौते को स्थगित करना।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, सिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनोखा समझौता है। मैं दुनिया में ऐसे किसी भी समझौते के बारे में नहीं सुना या सोच सकता हूं, जहां किसी देश ने अपनी प्रमुख नदियों को उस नदी पर अधिकार के बिना दूसरे देश में बहने दिया हो। इसलिए यह एक असाधारण समझौता था और जब हमने इसे स्थगित कर दिया है, तो इस घटना के इतिहास को याद करना जरूरी है। कल मैंने लोगों को सुना, कुछ लोग इतिहास से असहज हैं। वे चाहते हैं कि ऐतिहासिक बातें भुला दी जाएं। शायद यह उन्हें शोभा नहीं देता, वे बस कुछ बातों को याद रखना पसंद करते हैं।

सिंधु जल संधि पर जयशंकर ने कहा कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को अपना समर्थन पूरी तरह से बंद नहीं कर देता। खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। सिंधु जल समझौते के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री (नेहरू) ने लोकसभा में दिए अपने भाषण में पाकिस्तान के हितों की बात की थी। उन्हें पाकिस्तान के पंजाब की फिक्र थी, लेकिन उन्होंने भारतीय राज्यों के हितों की अनदेखी की। तत्कालीन पीएम ने उस वक्त लोकसभा में कहा था कि संसद को यह हक नहीं कि कितना पैसा दिया जाए और कितना पानी। कहा गया था कि सिंधु जल समझौता अच्छी भावना और दोस्ती के तहत किया गया, लेकिन 1960 के बाद से पाकिस्तान ने लगातार भारत पर हमले किए और आतंकवाद को बढ़ावा दिया।अपने वक्तव्य में विदेश मंत्री ने साफ–साफ कहा कि संघर्ष विराम को लेकर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से लेकर 16 जून 2025 के दौरान कोई बातचीत नहीं हुई। इस मसले पर शोर करने वाले विपक्षी सदस्यों से विदेश मंत्री ने कहा, मैं आपको कहना चाहता हूं, आप कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से 16 जून तक राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच एक बार भी फोन पर बात नहीं हुई। हमारी राष्ट्रीय नीति है कि कोई भी बातचीत द्विपक्षीय होनी चाहिए।

पाकिस्तान के डीजीएमओ की तरफ से संघर्ष विराम का अनुरोध किया गया था।जयशंकर ने कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ तो कई देश यह जानना चाहते थे कि स्थिति कितनी गंभीर है और ये हालात कब तक चलेंगे, लेकिन हमने सभी को एक ही संदेश दिया कि हम किसी भी मध्यस्थता के लिए तैयार नहीं हैं। हमारे और पाकिस्तान के बीच कोई भी समझौता द्विपक्षीय तौर पर ही होगा। हम पाकिस्तानी हमले का जवाब दे रहे हैं और देते रहेंगे। अगर यह लड़ाई रुकनी है तो पाकिस्तान को इसका अनुरोध करना होगा और यह अनुरोध केवल डीजीएमओ के माध्यम से ही आ सकता है। विदेश मंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और सिंधु जल समझौता, मुंबई आतंकी हमला और चीन–पाकिस्तान गठजोड़ पर विपक्षी पार्टी की तीखी आलोचना की। सिंधु जल समझौता स्थगित करने के सरकार के फैसले पर बोलते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि सिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनोखा समझौता है। मैं दुनिया में ऐसे किसी भी समझौते के बारे में नहीं जानता, जहां किसी देश ने अपनी प्रमुख नदी के पानी को दूसरे देश में बहने दिया। जयशंकर ने इसके लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकार ने अपने देश के हितों की अनदेखी कर पड़ोसी देश के हितों का ध्यान रखा था।

संयुक्त राष्ट्र...

जो लश्कर का पर्याय है। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान ने इन विचारों को अस्वीकार कर दिया और कहा कि लश्कर–ए–तैयबा निष्क्रिय हो चुका है। रिपोर्ट में कहा गया कि हमले के बाद से क्षेत्रीय संबंध अभी भी नाजुक बने हुए हैं। इससे खतरा है कि आतंकी समूह इन क्षेत्रीय तनावों का फायदा उठा सकते हैं।प्रतिबंध निगरानी टीम ने रिपोर्ट में कहा है कि आईएसआईएल–के मध्य और दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे गंभीर खतरा बना हुआ है। लगभग दो हजार लड़ाकों के साथ आईएसआईएल–के (इस्लामिक स्टेट खुरासान) ने अफगानिस्तान के अंदर और बाहर, मध्य एशियाई राज्यों और रूसी उत्तरी काकेशस में भर्ती जारी रखी। रिपोर्ट में कहा गया कि उत्तरी अफगानिस्तान और पाकिस्तानी सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों में आईएसआईएल–के ने मदरसों में बच्चों को आत्मघाती विचारधारा से परिचित कराया। साथ ही लगभग 14 वर्ष की आयु के नाबालिगों के लिए आत्महत्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रम स्थापित किया। आईएसआईएल–के ने अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों और विश्व स्तर पर अपनी गतिविधियां स्थापित करने की कोशिश की। रिपोर्ट में कहा गया कि अफगानिस्तान में अलकायदा के कई प्रशिक्षण स्थल होने की सूचना मिली है। साथ ही तीन नए स्थलों की पहचान की गई है। हालांकि ये संभवतः छोटे और अल्पविकसित होंगे। इन जगहों पर कथित तौर पर अलकायदा और तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) दोनों के लड़ाकों को प्रशिक्षण दिया जाता था। टीटीपी के पास लगभग 6,000 लड़ाके थे और उसे अफगानिस्तान में अधिकारियों से लगातार पर्याप्त रसद और संचालनात्मक सहायता मिलती रही। कुछ सदस्य देशों ने बताया कि टीटीपी ने आईएसआईएल–के के साथ सामरिक स्तर के संबंध बनाए रखे थे। टीटीपी ने इस क्षेत्र में लगातार बड़े हमले किए। एक सदस्य देश ने बताया कि जनवरी 2025 में टीटीपी ने बलूचिस्तान में आतंकवादियों को प्रशिक्षण दिया था।रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ सदस्य देशों ने बताया कि दक्षिणी अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और टीटीपी के बीच बेहतर संबंध थे। उनके चार साझा प्रशिक्षण शिविर चलते थे। इसमें अलकायदा वैचारिक और हथियार प्रशिक्षण प्रदान करता था। बीएलए ने जब हाल ही में ट्रेन को हाईजैक किया था। इस हमले में बीएलए की क्षमता और क्रूरता में इजाफा देखने को मिला। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा (एक्यूआईएस) का आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा बढ़ना भी बड़ी चिंता का विषय है।पहलगाम आतंकी हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट से आतंक के खिलाफ भारत की जंग को और मजबूती मिली है।

दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर एक बार फिर पाकिस्तान बेनकाब हुआ है। इस रिपोर्ट से आतंक के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति को नया बल मिला है। संयुक्त राष्ट्र की यह रिपोर्ट आतंकियों के पनाहगाह पाकिस्तान के लिए अभिशाप बनकर सामने आया है। टीआरएफ और लश्कर–ए–तैयबा के जिक्र से पाकिस्तान को दुनियाभर के सामने एक बार फिर जिल्लत का सामना करना पड़ रहा है।22 अप्रैल का वो काला दिन भारतवासी आज भी नहीं भुला पा रहे। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में उसी दिन पांच आतंकियों ने वहां उपस्थित सभी पर्यटकों का धर्म पूछ–पूछ कर हिंदुओं पर अंधाधुंध गोली चलानी शुरू कर दी। इस आतंकी हमले में कुल 26 लोगों की जान गई। इस घटना को बीते अब तीन महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। लेकिन लोगों में नाराजगी और अपनों के खोने का गम अभी भी है। हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ ने उसी दिन ली थी और एक फोटो भी शेयर किया था।पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जारी यह रिपोर्ट यूएनएससी की मॉनिटरिंग टीम ने तैयार की है। साथ ही इसे 1267 प्रतिबंध समिति में पेश किया गया है। यह समिति दुनिया भर में आतंकियों और आतंकी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का काम करती है। खास बात यह है कि इस समिति के सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए जाते हैं, यानी सभी सदस्य देश इससे सहमत होते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अपनी संसद में दावा किया था कि उन्होंने यूएनएससी के बयान से टीआरएफ का नाम हटवा दिया। लेकिन अब इस रिपोर्ट में टीआरएफ का नाम आना यह साबित करता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की सच्चाई सामने आ रही है। इस रिपोर्ट से आतंक के खिलाफ भारत की नीति को और मजबूती मिलेगी। भारत लंबे समय से पाकिस्तान पर सीमा पार से आतंकवाद फैलाने की शिकायत करता रहा है। अब यूएनएससी की रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि होने के बाद भारत को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिलने की संभावना बढ़ गई है।पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जारी रिपोर्ट में एक सदस्य देश ने कहा है कि यह हमला लश्कर–ए–तैयबा की मदद के बिना मुमकिन नहीं था और टीआरएफ का सीधा संबंध एनईटी से है। वहीं दूसरे एक देश ने कहा कि टीआरएफ और एलईटी एक ही संगठन हैं, सिर्फ नाम बदला गया है। पाकिस्तान ने कहा कि लश्कर ए तैयबा अब खत्म हो चुका है लेकिन रिपोर्ट में यह साफ दिखता है कि दुनिया टीआरएफ और एलईटी के बीच संबंध को मान रही है, जिससे पाकिस्तान के नापाक इरादे और झूठ दुनिया के सामने उजागर हो रहे हैं।

स्मार्टफोन निर्यात में ...

सैमसंग और मोटोरोला जैसे अन्य ब्रांड भी अब भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन भेज रहे हैं, हालांकि सैमसंग अब भी वियतनाम पर ज्यादा निर्भर है और मोटोरोला की आपूर्ति श्रृंखला का बड़ा हिस्सा चीन में है। इन दोनों ब्रांड्स का योगदान, एप्पल की तुलना में काफी छोटा है।

ईडी ने पूर्व मंत्री समेत ...

ईडी ने पाया कि कैग की ऑडिट रिपोर्ट केवल सात जिलों (तेलंगाना के 33 में से) तक सीमित है, जहां राज्य सरकार को इस घोटाले से अनुमानित नुकसान 253.93 करोड़ रुपए आंका गया। तेलंगाना के सभी 33 जिलों के लिए आनुपातिक आधार पर नुकसान 1,000 करोड़ रुपए से अधिक होने की आशंका है। ईडी ने पाया है कि दर्ज एफआईआर में घोटाले की रकम केवल 2.1 करोड़ रुपए बताई गई, लेकिन सीएजी की एक रिपोर्ट में राज्य सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान बताया गया है। कैग की ऑडिट रिपोर्ट में प्रमुख भेड़ पालन विकास योजना (एसआरडीएस) के कार्यान्वयन में कई अनियमितताएं पाई गईं। इनमें लाभार्थीवार विवरण का रखरखाव न करना, परिवहन चालान और भुगतान से संबंधित चालानों का अनुचित रिकॉर्ड, यात्री वाहन या गैर–परिवहन वाहन पंजीकरण संख्या वाले चालानों के विरुद्ध भुगतान और भेड़ इकाइयों को आवंटित डुप्लिकेट टैग आदि शामिल हैं। मृत या अस्तित्वहीन व्यक्तियों को आवंटित भेड़ इकाइयों से संबंधित आरोपों की भी ईडी की ओर से जांच की जा रही है।

भारत में खुलेंगे ...

पहला कैंपस भारत में खोलने की अनुमति दी गई है। ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा के कैंपस में स्नातक में बिजनेस एनालिटिक्स और बिजनेस मार्केटिंग के अलावा स्नातकोत्तर में नवोन्मेषण और उद्यमिता एवं एमबीए की पढ़ाई करवाएगी। अन्य समझौतों के तहत आयुर्वेद–आधुनिक चिकित्सा अनुसंधान के लिए एआईआईए, जल शक्ति मंत्रालय के साथ भूजल प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा पर आईसीएआर और न्यूरोमॉर्फिक इंजीनियरिंग पर आईआईएससी के साथ भी काम करेगी।वहीं, ऑस्ट्रेलिया की विक्टोरिया यूनिवर्सिटी, नोएडा में कैंपस बनाएगी। यह स्नातकोत्तर में बिजनेस, डाटा साइंस, साइबर सुरक्षा और एमबीए, आईटी में मास्टर की पढ़ाई करवाएगी। उधर, ऑस्ट्रेलिया की ही ला ट्रोब यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु कैंपस में स्नातक में बिजनेस, (फाइनेंस, मार्केटिंग, मैनेजमेंट), कंप्यूटर साइंस (एआई, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग) और जन स्वास्थ्य आदि की पढ़ाई होगी। भारत में कुल 11 विदेशी विश्वविद्यालयों को आशय पत्र जारी हो चुका है, शेष चार की प्रक्रिया अभी जारी है।यूजीसी ने ब्रिटेन के ब्रिस्टल विश्वविद्यालय को मुंबई में परिचालन की मंजूरी दे दी है। यह विश्वविद्यालय 2026 से परिचालन शुरू कर देगा। विवि ने मुंबई शहर को प्रौद्योगिकी, नवाचार और कला क्षेत्रों में अच्छी पकड़ के कारण इसी क्षेत्र में पढ़ाई करवाने की तैयारी की है। यूजी और पीजी कार्यक्रमों के अलावा एआई, डिजाइन तथा डिजिटल तकनीकों में भी काम करेगा।

अपार–आईडी...

जबकि उत्तराखंड में 16.33 लाख, हरियाणा में 48.54 लाख,चंडीगढ़ में 2.19 लाख,हिमाचल में 9.06 लाख, जम्मू–कश्मीर में 13.78 लाख, लद्दाख के 45 हजार, मध्य प्रदेश के 99 हजार, राजस्थान के 1.03 करोड़, पंजाब में 35.94 लाख, दिल्ली के 34.77 लाख को यूनिक नंबर मिल चुका है। इसके अलावा नवोदय स्कूल में 2.69 लाख और केंद्रीय विद्यालय के 10.70 लाख छात्र शामिल हैं। इसके अलावा 17 अप्रैल को एक दिन में एक लाख से अधिक अपार–आईडी बनने का रिकार्ड बना है।अपार आईडी छात्रों के लिए एक 12 अंकों की विशिष्ट डिजिटल पहचान है, जिसे ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री के रूप में जाना जाता है। यह छात्रों के शैक्षणिक रिकॉर्ड जैसे कि परीक्षा परिणाम, प्रमाण पत्र, और अन्य उपलब्धियों को डिजिटल रूप से संग्रहीत करने के लिए है। अपार आईडी छात्रों को एक ही स्थान पर अपनी सभी शैक्षणिक जानकारी तक पहुंचने में मदद करती है।

गुरुवार को तुलसी के उपायों से महालक्ष्मी धन-दौलत और सुखों से भर देंगी जीवन

हिंदू धर्म में गुरुवार का दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति को समर्पित माना जाता है। ऐसे में लोग विधि-विधान से विष्णुजी की पूजा करते हैं और व्रत भी रखते हैं। वहीं, शास्त्रों में इस दिन केले के वृक्ष के साथ-साथ तुलसी के पौधे की पूजा करने का भी विशेष महत्व बताया गया है। ऐसे में अगर आप गुरुवार के दिन तुलसी से जुड़े कुछ उपाय कर लें, तो इससे विष्णुजी के साथ-साथ माता लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त हो सकती है और उनका आशीर्वाद घर के हर सदस्य पर बना रहता है। विधि पूर्वक उपाय करने से जातक का जीवन सुखों से भर सकता है और धन-दौलत की भी प्राप्ति होती है।

जीवन में तरक्की और सुख-शांति का उपाय

सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा व आरती करें। अब एक लोटा जल में थोड़ी सी हल्दी व गंगाजल मिलाकर तुलसी के पौधे में अर्पित करें। हर गुरुवार को यह उपाय जरूर आजमाकर देखें। ऐसा करने से कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होने लगती है और जीवन में खूब तरक्की प्राप्त होती है। गुरुवार को तुलसी के इस उपाय से जातक को विष्णुजी के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

धन-दौलत में वृद्धि के लिए गुरुवार का उपाय

इसके लिए सुबह विष्णु भगवान और केले के वृक्ष की पूजा करने के साथ-साथ आप शाम के समय एक छोटा सा उपाय कर सकते हैं। सूर्यास्त के वक्त विष्णुजी की पूजा करने के बाद तुलसी के पास घी का दीपक अवश्य जलाएं। साथ ही, 'ओम श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं लक्ष्मी नारायणाय नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। इस उपाय को करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में उनका आगमन हो सकता है। साथ ही, घर में चल रही आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है और धन-दौलत में भी वृद्धि होने लगती है।

माता लक्ष्मी और विष्णुजी की कृपा पाने का उपाय

गुरुवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें और विधि पूर्वक लक्ष्मी माता व विष्णुजी की पूजा करें। इसके बाद, तुलसी के पौधे में एक लोटा जल अर्पित करें और 108 बार 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' नमः' मंत्र का जाप करें। इस उपाय को करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और माता लक्ष्मी की कृपा भी परिवार के सदस्यों पर बनी रहती है। पूरी श्रद्धा से गुरुवार को यह उपाय करने से जीवन से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

कारोबार और करियर में तरक्की का उपाय

अगर आप करियर या कारोबार में बार-बार समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो गुरुवार को तुलसी का एक छोटा सा उपाय कर सकते हैं। इसके लिए शाम के समय तुलसी के पास दीपक जलाएं और 5 या 7 पीली कौड़ी पौधे में रख दें। इसके बाद, अगले दिन सुबह पूजा के बाद कौड़ियों को उठाकर लाल या पीले रंग के वस्त्र में बांधकर अपने धन रखने वाले स्थान पर रखें। आप इस पोटली को अपने कार्यस्थल पर दराज में भी रख सकते हैं। ऐसा करने से करियर और कारोबार में आ रही बाधाएं दूर होने लगती हैं और जीवन में तरक्की के नए मार्ग खुलने लगते हैं।

आज वरिष्ठ योग में भगवान विष्णु इन राशियों की कराएंगे धन लाभ

आज के दिन सूर्य से तीसरे स्थान में इस महीने के अंतिम दिन कन्या राशि में रहेंगे जिससे वरिष्ठ योग का शुभ संयोग बन रहा है। ऐसे में भगवान विष्णु मेष, कर्क, तुला और धनु राशि को भर-भरकर लाभ दिलाने वाले हैं। जिससे इनका पूरा दिन लाभों से भरा होगा और समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार के साथ-साथ परिवार के मामले में भी दिन शुभ रहेगा और कारोबार में थोड़ा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में की गई मेहनत का भी इन्हें तुरंत सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा और दिनभर लाभ कमाने के कई अवसर आते रहेंगे। नौकरी करने वालों को नए काम की शुरुआत से बड़ा लाभ हो सकता है और धन लाभ के भी शुभ योग बनेंगे। व्यापार में पार्टनरशिप और जोखिम उठाने से फायदा होने की संभावना है।

मेष राशि : मान-सम्मान में होगी वृद्धि

आपका दिन शुभ रहने वाला है। बिजनेस के मामले में कोई बड़ी और खास डील फाइनल हो सकती है। जिससे मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, समाज में भी आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भौतिक सुख भी बढ़ेंगे। आप कुछ शुभ व्यय भी कर सकते हैं, जिससे लोग आपकी सराहना करेंगे। परिवार में भी शांतिपूर्ण और खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

वृषभ राशि : चौतरफा लाभ होगा प्राप्त

व्यापार के मामले में आप को नई योजना बना सकते हैं। यह भविष्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। साथ ही, अगर किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब उसमें सफलता प्राप्त हो सकती है। दिन के समय कामकाज में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन आप समझदारी से इन्हें पूरा कर लेंगे। कार्यस्थल पर भी वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और साथी का पूरा सहयोग मिलेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मिथुन राशि : व्यापार को लेकर बनाएंगे नई योजनाएं

आपका दिन रचनात्मक रहने वाला है। ऐसे ही किसी कार्य में आप अपना ज्यादा समय बिता सकते हैं, जिससे मन को सुकून मिलेगा। कार्यक्षेत्र में भी आप वही काम करेंगे, जो आपको सबसे ज्यादा प्रिय है। व्यापार को लेकर नई योजनाएं दिमाग में आती रहेंगे। इसके लिए आप किसी अनुभवी और सीनियर व्यक्ति का सहयोग भी ले सकते हैं।

कर्क राशि : मेहनत का फल तुरंत होगा प्राप्त

आपका दिन शुभ फल देने वाला हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आप जो भी काम पूरी मेहनत और लगन के साथ करेंगे उसका परिणाम तुरंत प्राप्त हो सकता है। अगर लंबे समय से काम अधूरे पड़े थे, तो वे भी अब पूरे हो सकते हैं। साथ ही, कार्यस्थल पर महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा हो सकती है। इसमें आपको अपने साथियों का भी पूरा सहयोग मिलेगा और रात में आप किसी कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

सिंह राशि : कार्यक्षेत्र में रहें सतर्क

आप कामकाज के मामले में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कुछ वरिष्ठ अधिकारी आपके जरूरी कार्यों में परेशानियां या बाधाएं डालने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में आपको सतर्क रहने की जरूरत होगी और किसी पर भी जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें। धैर्य और संयम के साथ काम करना फलदायी साबित हो सकता है। दिन के साथ-साथ स्थिति बेहतर होने लगेगी।

कन्या राशि : आत्मविश्वास के साथ करें काम

कार्यक्षेत्र में आसपास के लोगों से टकराव होने की स्थिति बन सकती है, जिससे आपको दूरी बनाए रखनी होगी। साथ ही, कटु वाणी का प्रयोग करने से बचें और संयम बनाए रखें, अन्यथा कोई बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। कार्यस्थल पर आत्मविश्वास के साथ काम करना आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा और स्थिति में भी सुधार देखने को मिलेगा।

तुला राशि : लाभ कमाने के मिलेंगे नए अवसर

व्यापार और नौकरी के मामले में दिन लाभदायक साबित होगा। अगर कार्यस्थल पर कोई विवाद चल रहा था, तो वह अब सुलझ सकता है। वहीं, व्यापार के मामले में नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो सकता है, जो भविष्य में बड़ा लाभ दिला सकते हैं। नौकरी करने वालों का दिन भी शुभ रहेगा और लाभ कमाने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन संपत्ति के मामले में कुछ लोग आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि : नए काम की शुरुआत में होगा लाभ

कारोबार में आपका दिन बहुत बहुत अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में दिनभर लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त होंगे। ऐसे में आप काफी व्यस्त भी रह सकते हैं। नौकरी व व्यापार के मामले में कुछ नया करने से आपको भविष्य में लाभ प्राप्त हो सकता है। कामकाज भी नए सिरे से शुरू हो सकता है। परिवार में सुख-शांति और स्थिरता बनी रहेगी।

धनु राशि : बिजनेस में जोखिम उठाने से होगा फायदा

आपको कार्यक्षेत्र में सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है। सोच-समझकर फैसले लेना ही आपके लिए बेहतर होगा। बिजनेस में समझदारी के साथ थोड़ा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ मिलने की संभावना भी बनी हुई है। व्यापार में किसी नए अवसर को आपको पहचानना होगा और कुछ नए काम में हाथ लगाने से लाभ हो सकता है। आपको किसी अपने के लिए पैसों की जरूरत भी पड़ सकती है।

मकर राशि : व्यापार में पार्टनरशिप से होगा लाभ

कारोबार के मामले में दिन सामान्य रहेगा। पार्टनरशिप में किए गए व्यापार से लाभ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपको कई प्रकार के कार्य एक साथ करने पड़ सकते हैं, जिससे व्यस्त रहेंगे और थोड़ा तनाव बढ़ सकता है। आपको अपनी संतान को लेकर भी कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। ऐसे में सोच-विचार करके निर्णय लेना बेहतर होगा।

कुंभ राशि : जल्दबाजी में न लें फैसले

व्यापार के मामले में दिन शुभ रहने वाला है। कामकाज तेजी से होगा और लाभ कमाने के भी अवसर मिल सकते हैं। लेकिन आपको किसी भी कार्य या निर्णय में जल्दबाजी से बचना होगा, अन्यथा कोई महत्वपूर्ण बात दिमाग से निकल सकती है। ऐसे में कोई भी काम सोच-समझकर करना बेहतर होगा। स्वास्थ्य के प्रति भी सावधान रहने का आवश्यकता होगी।

मीन राशि : व्यापार में जोखिम उठाने से होगा लाभ

दिन लाभकारी रहने वाला है और व्यापार में जोखिम उठाने से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है। लेकिन ज्यादा जल्दबाजी से भी बचना होगा। अगर कुछ परेशानियों का सामना कर रहे हैं, तो उन्हें धैर्य और संयम के साथ सुलझाया जा सकता है। कार्यस्थल पर अपनी बुद्धि और समझदारी से आप हर काम आसानी से कर लेंगे और सफलता भी प्राप्त करेंगे। आप किसी परेशानी में फंसे व्यक्ति की सहायता भी कर सकते हैं।

अगस्त में व्रत त्यौहार की बहार! जानिए तिथि और महत्व

अगस्त के महीने में कई व्रत त्योहार मनाए जाने हैं। अगस्त महीने के शुरुआत सावन मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को ही रही है। इस दिन चित्रा नक्षत्र का संयोग होगा, जबकि महीने का समापन भाद्रपद शुक्ल अष्टमी को ज्येष्ठा नक्षत्र के संयोग में होगा। अगस्त का महीना व्रत त्योहार के लिहाज से बेहद अहम रहने वाला है। अगस्त में रक्षाबंधन, तीज, जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी जैसे महत्वपूर्ण त्योहार मनाए जाएंगे, जिनका सनातन धर्म में विशेष महत्व है। इसके साथ ही अगस्त में श्रावण पुत्रदा एकादशी, अजा एकादशी और शिव-पार्वती को समर्पित प्रदोष व्रत रखा जाएगा।

पवित्रा/पुत्रदा एकादशी कब है?

सावन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को पवित्रा एकादशी के नाम से जाना जाता है, जिसे पुत्रदा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। संतान की प्राप्ति के लिए इसका व्रत अहम माना जाता है। पवित्रा एकादशी 5 अगस्त, दिन मंगलवार को मनाई जाएगी। इस दिन सावन मास का अंतिम मंगला गौरी व्रत भी रखा जाएगा।

बुध प्रदोष व्रत किस दिन रखा जाएगा?

भगवान शिव को समर्पित प्रदोष व्रत अगस्त महीने के पहले सप्ताह में रखा जाएगा। 6 अगस्त, दिन बुधवार को सावन मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि है। इस दिन प्रदोष व्रत रखा जाएगा। चूंकि इस दिन बुधवार है इसलिए इसे बुध प्रदोष व्रत भी कहा जाएगा। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती का पूजन किया जाता है।

सावन पूर्णिमा व्रत किस दिन है?

सावन मास की पूर्णिमा तिथि का बड़ा महत्व है। जहां पूर्णिमा तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है वहीं सावन मास में भोलेबाबा की पूजा होती है। ऐसे में सावन पूर्णिमा तिथि पर भगवान विष्णु महेश दोनों का आशीर्वाद मिलता है। इस दिन व्रत रखने से दुख दूर होते हैं और सुख शांति मिलती है। इस साल सावन पूर्णिमा का व्रत 9 अगस्त को रखा जाएगा।

रक्षाबंधन कब है?

बहन और भाई के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार सावन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। उदया तिथि के अनुसार इस साल राखी का त्योहार 9 अगस्त, शनिवार को मनाया जाएगा। रक्षाबंधन पर इस बार भद्रा का साया नहीं रहने वाला है। राखी पर 9 अगस्त को सुबह से दोपहर तक भद्रा का कोई मुहूर्त नहीं है। इसके साथ ही राखी पर ही अमरनाथ यात्रा भी समाप्त होगी।

कजरी तीज कब मनाई जाएगी?

भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि पर कजरी तीज का व्रत रखा जाता है। माना जाता है कि कजरी तीज का व्रत मां पार्वती ने शिवजी को पाने के लिए किया था। इसलिए कुंवारी कन्याएं इस दिन व्रत रखती हैं। वहीं सुहागिन महिलाएं भी अपने पति की सलामती के लिए कजरी तीज का व्रत रखती हैं। इस बार कजरी तीज 12 अगस्त को मनाई जाएगी।

जन्माष्टमी कब है?

कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 15 अगस्त को देर रात 12 बजे के बाद शुरू होगी और 16 अगस्त को रात 10.29 बजे तक रहेगी। ऐसे में 16 अगस्त को जन्माष्टमी मनाई जाएगी। जहां 15 अगस्त को स्मार्थ और 16 अगस्त को वैष्णव जन्माष्टमी का व्रत रखेंगे।

अजा एकादशी किस दिन है?

अजा एकादशी भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है। चूंकि एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित होती है ऐसे में इस दिन व्रत रखने और श्रीहरि विष्णु की पूजा करने से सभी संकट दूर होते हैं। सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस साल अजा एकादशी व्रत 19 अगस्त को रखा जाएगा।

प्रदोष व्रत कब है?

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर अगस्त महीने का दूसरा प्रदोष व्रत रखा जाएगा, जो शिव-पार्वती को समर्पित होता है। अगस्त महीने का दूसरा प्रदोष व्रत 20 अगस्त, बुधवार को रखा जाएगा। इस दिन बुधवार होने की वजह से इसे बुध प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाएगा। यानी अगस्त महीने में दोनों बुध प्रदोष व्रत ही हैं।

मासिक शिवरात्रि व्रत कब रखा जाएगा?

प्रत्येक महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है। यह दिन भगवान शिव की पूजा करने के लिए अति उत्तम होता है। मासिक शिवरात्रि का व्रत करने से सभी तरह की बाधाएं दूर होती हैं और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। अगस्त की मासिक शिवरात्रि का व्रत 21 अगस्त को रखा जाएगा।

भाद्रपद अमावस्या कब है?

भाद्रपद मास की अमावस्या तिथि जिसे पिठोरी अमावस्या और कुशाग्रहणी अमावस्या भी कहा जाता है, यह हिंदू धर्म की विशेष तिथि है। अमावस्या तिथि पर पितरों का पूजन, तर्पण, श्राद्ध आदि किया जाता है। इसके साथ ही अमावस्या तिथि पर पवित्र नदियों में स्नान, दान करने का बड़ा महत्व है। पिठोरी अमावस्या 22 अगस्त को मनाई जाएगी। क्योंकि सूर्योदय कालीन अमावस्या तिथि नहीं लग रही है जबकि 23 अगस्त को कुशाग्रहणी अमावस्या मनाई जाएगी क्योंकि इस दिन सूर्योदय कालीन अमावस्या तिथि है।

हरतालिका तीज व्रत कब रखा जाएगा?

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज मनाई जाती है। इस दिन महिलाएं अपने वैवाहिक जीवन में सुख शांत के लिए व्रत रखती हैं और भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करती हैं। इसके साथ ही अविवाहित कन्याएं भी मनचाहे वर के लिए यह व्रत रखती हैं। इस साल हरतालिका तीज का व्रत 26 अगस्त को रखा जाएगा।

गणेश चतुर्थी कब है?

गणेश चतुर्थी भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाई जाती है। माना जाता है कि भाद्रपद मास की चतुर्थी तिथि को वेदव्यासजी के कहने पर गणपति महाराज ने महाभारत को लिपिबद्ध करना शुरू किया था। इस साल गणेश चतुर्थी 27 अगस्त को मनाई जाएगी। इस दिन सिद्धि विनायक व्रत भी रखा जाएगा।

मछलियों की पेंटिंग घर की इस दिशा में लगाएं, गुड लक हो जाएगा शुरू, खींचा चला आएगा धन और सौभाग्य

मछलियों की पेंटिंग अक्सर लोग अपने घरों में लगाते हैं। घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ इसे वास्तुशास्त्र में बहुत शुभ भी माना जाता है। कहते हैं कि घर में मछलियों की पेंटिंग लगाने से आसपास से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसे घर की सही दीवार पर लगाने से जातक को गृह क्लेश से भी मुक्ति मिलती है और जीवन से बुरा वक्त दूर हो सकता है। लेकिन अगर आपने इस शुभ पेंटिंग को गलत स्थान या दिशा में लगाया है, तो पेंटिंग का विपरीत प्रभाव भी देखने को मिल सकता है।

फिश पेंटिंग सही दिशा में लगाने के लाभ

वास्तुशास्त्र के अनुसार मछलियों की पेंटिंग को सही दिशा में लगाने से जातक को घर की आर्थिक समस्याओं से निजात मिल सकती है और धीरे-धीरे धन लाभ के योग बनने लगते हैं। माना जाता है कि वास्तु के सभी नियमों का ख्याल रखकर अगर कोई व्यक्ति फिश की पेंटिंग लगाता है, तो इससे उसके घर में हमेशा सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। इससे परिवार के सदस्यों को जीवन और करियर में तरक्की प्राप्त होती है। साथ ही, गुड लक हमेशा साथ रहता है और घर में सौभाग्य आता है। इस एक पेंटिंग को घर में लगाने से परिवार के बीच खुशनुमा माहौल बना रहता है और मानसिक शांति भी महसूस होती है।

इस दिशा में लगाएं फिश पेंटिंग

माना जाता है कि मछलियों की तस्वीर को घर में सही दिशा में लगाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। ऐसा न करने से घर में इसका विपरीत प्रभाव देखने को मिल सकता है। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, फिश पेंटिंग को हमेशा घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप इसे उत्तर दिशा में भी लगा सकते हैं। पेंटिंग के लिए इन दिशाओं को सबसे उत्तम माना गया है। इस दिशा में मछलियों की तस्वीर लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मकता दूर रहती है।

घर में फिश पेंटिंग लगाने के वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार, मछलियों की तस्वीर को घर में कभी भी ऐसे स्थान पर नहीं लगाना चाहिए जहां गंदगी रहती हो। ऐसा करने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है।

फिश पेंटिंग को रसोईघर या बाथरूम या टॉयलेट की पास वाली दीवार पर लगाने की भी मनाही होती है। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता आ सकती है।

घर में कभी भी मछलियों की ऐसी तस्वीर नहीं लगानी चाहिए, जिसमें मछलियां धुंधली दिखाई दे रही हों या तस्वीर कहीं से टूटी-फूटी हो। इस प्रकार की फोटो लगाना शुभ नहीं माना जाता है।

वास्तु के अनुसार, मछलियों की तस्वीर के बैकग्राउंड पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। कभी भी ऐसी पेंटिंग न लगाएं जिसमें पीछे तूफान या जल में ज्यादा उथल-पुथल दिख रही हो।

घर में ऐसी लगाएं मछलियों की तस्वीर

माना जाता है कि घर में फिश की ऐसी पेंटिंग लगानी चाहिए जिसमें वे चलती हुई नजर आ रही हों और पीछे का बैकग्राउंड भी पॉजिटिव होना चाहिए। वास्तु के अनुसार घर में कोइ और सुनहरी मछली की तस्वीर लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में हमेशा संतुलन और प्रेम बना रहता है। आप चाहें तो फिश पेंटिंग को अपने घर के लिविंग रूम में लगा सकते हैं। ऐसा करने से जातक को पैसों की तंगी से भी छुटकारा मिल सकता है।

बस कंडक्टर से बने फिल्मी कॉमेडी के बादशाह जानें जॉनी वॉकर की दिलचस्प कहानी

मुंबई की सड़कों पर किसी वक्त एक ऐसा शख्स बस में टिकट काटता था, जिसने आगे चलकर लोगों के चेहरे पर हंसी और दिल में प्यार भर दिया। उनका नाम था 'बदरुद्दीन जमालुद्दीन काजी', लेकिन दुनिया ने उन्हें 'जॉनी वॉकर' के नाम से जाना। यह वही नाम है जो आज भी पुरानी फिल्मों के शौकीनों की जुबान पर आते ही मुस्कान ला देता है। जॉनी वॉकर का जन्म 11 नवंबर 1926 को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था। वह एक मध्यमवर्गीय परिवार से थे। उनके पिता कपड़ा बुनाई का काम सिखाकर घर चलाते थे। घर में 12 बच्चों का पालन-पोषण आसान नहीं था। जब पिता की नौकरी चली गई, तो पूरा परिवार रोजगार की तलाश में मुंबई आ गया।

मुंबई में बदरुद्दीन ने बेस्ट (बॉम्बे इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट) में बस कंडक्टर की नौकरी की। हर दिन की भागदौड़ में, वह कंडक्टर के तौर पर बस में बैठी सवारी का टिकट काटते थे। वहीं समय मिलने पर अपने हंसाने वाले अंदाज और एक्टिंग से यात्रियों का मनोरंजन भी करते थे। वह कभी किसी फिल्मी हीरो की नकल करते, तो कभी नशे में चूर आदमी की एक्टिंग कर सबको हंसाते।

कंडक्टर के अंदर छिपे कलाकार को अभिनेता बलराज साहनी ने पहचाना। एक दिन बलराज ने उनकी यह परफॉर्मेंस देखी और प्रभावित होकर उन्हें मशहूर निर्देशक गुरु दत्त से मिलवाया। गुरु दत्त ने उनसे नशेड़ी आदमी की एक्टिंग करने के लिए कहा।

बदरुद्दीन ने जब अभिनय करके दिखाया, तो गुरुदत्त दंग रह गए और उन्होंने उसी वक्त उन्हें अपनी फिल्म बाजी में काम दे दिया। साथ ही उनका नाम बदलकर मशहूर शराब ब्रांड के नाम पर जॉनी वॉकर रख दिया। दिलचस्प बात ये है कि जॉनी वॉकर ने फिल्मों में बेशक कई बार शराबी का किरदार निभाया, लेकिन असल जिंदगी में उन्होंने जाम को हाथ तक नहीं लगाया।

गुरु दत्त को जॉनी वॉकर का काम काफी पसंद था, वह लगभग हर फिल्म में उन्हें काम देते थे, जिनमें आर-पार, मिस्टर एंड मिसेज 55, कागज के फूल, प्यासा, और चौदहवीं का चांद जैसी फिल्में शामिल हैं। 1950 और 60 का दौर जॉनी वॉकर के लिए सुनहरे युग की तरह था। वह हर फिल्म में कॉमेडी का ऐसा तड़का लगाते कि दर्शक हंसी से लोटपोट हो जाते। उनका सबसे यादगार गाना ऐ दिल है मुश्किल जीना यहां है,

जो फिल्म सीआईडी में फिल्माया गया था। इस गाने को आज भी लोग काफी पसंद करते हैं और गुनगुनाते रहते हैं। इसके अलावा सर जो तेरा चकराए... गाना भी बहुत लोकप्रिय हुआ था। उन्होंने करीब 300 फिल्मों में अभिनय किया, जिनमें टैक्सी ड्राइवर, मधुमती, नया दौर, सूरज, आनंद, प्रतिज्ञा जैसी फिल्में शामिल हैं। 1975 की फिल्म प्रतिज्ञा में उनका एक डायलॉग था, जो दर्शकों को आज भी याद है; वो डायलॉग था- 'इतनी सी बात के लिए, इतना गुस्सा...

1970 के बाद उन्होंने धीरे-धीरे फिल्मों से दूरी बना ली, लेकिन 1997 में फिल्म 'चाची 420 में वह नजर आए। यह उनकी आखिरी फिल्म थी। इस फिल्म के लिए कमल हासन ने उन्हें काफी मनाया था, जिसके बाद वह इस फिल्म को करने के लिए राजी हुए थे। इसके बाद उन्होंने परिवार और समाज सेवा पर ध्यान देना शुरू कर दिया।

अपने शानदार करियर में उन्हें कई पुरस्कार भी मिले। फिल्म 'मधुमती' के लिए उन्हें 'फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर' का पुरस्कार मिला और 'शिकार' में शानदार कॉमेडी के लिए 'बेस्ट कॉमिक एक्टर का फिल्मफेयर अवार्ड' मिला।

29 जुलाई 2003 को जॉनी वॉकर का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। बेशक, आज वह हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनके किरदार, कॉमेडी और मुस्कान आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं।

ग्रेजुएट हुईं नीसा देवगन, काजोल बोलीं

बेहद गर्व महसूस कर रही हूं

मशहूर बॉलीवुड जोड़ी अजय देवगन और काजोल स्विट्जरलैंड में अपनी लाडली नीसा देवगन के ग्रेजुएशन सेरेमनी में शामिल हुए। मंगलवार को एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बेटी के ग्रेजुएट होने पर अपनी खुशी और भावनाओं को जाहिर किया। वीडियो में अजय देवगन, काजोल, नीसा और उनके बेटे युग साथ में तस्वीरें खिंचवाते नजर आ रहे हैं। साथ ही, मां-बेटी की जोड़ी भी अलग से कैमरे के सामने पोज दे रही है। इस वीडियो के बैकग्राउंड में काजोल ने रोडेल डफ का पॉपुलर गाना 'गुड डेज' लगाया। वीडियो के साथ काजोल ने एक छोटा सा कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, यह बहुत खास मौका है... मुझे बहुत गर्व है... और मैं पूरी तरह भावुक हो गई हूं।

इसके साथ उन्होंने कुछ हैशटैग, जैसे ग्रेजुएशन और फर्स्ट बेबी, का इस्तेमाल किया था। बता दें कि नीसा ने अपनी पढ़ाई स्विट्जरलैंड के ग्लियन इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन से पूरी की है। उनके ग्रेजुएशन सेरेमनी को यूट्यूब पर लाइव दिखाया गया। इस सेरेमनी की कई वीडियो क्लिप्स इंटरनेट पर भी सामने आई। एक क्लिप में नीसा को डिग्री प्राप्त करते हुए दिखाया गया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने जोरदार तालियों और आवाजों से उनका स्वागत किया। वहीं काजोल उत्साहित होकर 'कम ऑन बेबी!' चिल्लाती दिख रही हैं। नीसा ने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में डिग्री हासिल की है।

नीसा उन स्टार किड्स में से हैं जो किसी न किसी वजह से सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। उनके फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने को लेकर फैंस अक्सर काजोल और अजय देवगन से सोशल मीडिया के जरिए सवाल करते रहते हैं। हाल ही में काजोल ने एक इंटरव्यू में साफ किया कि नीसा का एक्टिंग में कदम रखने का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने कहा, नीसा 22 साल की हो गई है, और मुझे लगता है उसने अपना माइंड बना लिया है कि वो अभी बॉलीवुड में नहीं आने वाली है।

वसुधा का हिस्सा बनीं परिणीता बोरठाकुर, बोलीं

मजबूत महिला किरदार निभाना पसंद है

अभिनेत्री परिणीता बोरठाकुर जल्द ही जी टीवी के लोकप्रिय शो वसुधा में खास किरदार में नजर आएंगी। नई और प्रभावशाली भूमिका निभाने के लिए तैयार अभिनेत्री ने बताया कि शो में उनके किरदार का नाम 'चंद्रिका सिंह चौहान' है, जो एक परिवार मुखिया का सशक्त और दमदार किरदार है। परिणीता ने बताया कि किसी चल रहे शो में बीच में किसी किरदार को निभाना अपने आप में कई चुनौतियां लेकर आता है, लेकिन वह इसे एक बड़े अवसर के रूप में देखती हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें मजबूत महिला किरदारों वाली कहानियां पसंद हैं।

परिणीता ने अपने किरदार के बारे में बताया, वासुधा जैसे शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत रोमांचक है। यह शो पहले से ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय है और हाल ही में टीवी इंडस्ट्री के टॉप 10 शोज में शामिल हुआ है। बीच में किसी किरदार को अपनाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मैं इसे एक अवसर के रूप में देखती हूं, जिसके जरिए मैं एक ऐसी कहानी का हिस्सा बन सकती हूं, जो पहले से ही लाखों लोगों के दिलों को छू चुकी है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे हमेशा से गहरी भावनाओं और मजबूत महिला किरदारों वाली कहानियां पसंद रही हैं। चंद्रिका के किरदार के बारे में जानते ही मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ। वह एक ऐसी महिला है जो शांत, दमदार और दृढ़ विश्वास के साथ परिवार का नेतृत्व करती है। मैं इस किरदार में अपनी शैली लाने की कोशिश करूंगी, साथ ही उस मूल भावना को बनाए रखूंगी, जिसे दर्शकों ने पसंद किया है।

'वसुधा' की कहानी में करिश्मा और मेघा की साजिशों के बीच चंद्रिका एक स्थिर और मजबूत किरदार के रूप में उभरती है, जो अनुशासन और गरिमा के साथ परिवार को संभालती है। परिणीता ने कहा, चंद्रिका का किरदार भावनात्मक मुश्किलों और सिद्धांतों से भरा है। इसे निभाना मेरे करियर का सबसे रचनात्मक अनुभव रहा है। मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शक मेरे इस किरदार को अपनाएंगे। पहले इस किरदार को नौशीन अली सरदार ने निभाया था। निर्माता अरविंद बब्बल ने बताया, नौशीन ने चंद्रिका के किरदार को बहुत खूबसूरती और गरिमा के साथ निभाया। हम उनके योगदान के लिए आभारी हैं। अब परिणीता बोरठाकुर का स्वागत करते हुए हमें खुशी है। वह एक संवेदनशील और प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, जिन्होंने चंद्रिका के व्यक्तित्व को गहराई से समझा है। हमें विश्वास है कि उनका अभिनय दर्शकों को बहुत पसंद आएगा।

कभी नीम नीम कभी शहद शहद में शीतल मौलिक की एंट्री

निभाएंगी खलनायिका की भूमिका

जानी-मानी टेलीविजन अभिनेत्री शीतल मौलिक ने प्रेम कहानी पर आधारित शो 'मेरी भव्य लाइफ' को अलविदा कह दिया है और अब वह 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' शो की टीम में शामिल हो चुकी हैं। 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' शो में अभिनेत्री नकारात्मक किरदार में नजर आएंगी। 'मेरी भव्य लाइफ' में पृषा धतवालिया और करण वोहरा मुख्य भूमिकाओं में थे। शीतल ने इस शो में प्रिया का किरदार निभाया था, जिसे वह अपने करियर का एक महत्वपूर्ण अनुभव मानती हैं। हालांकि, शो और अपने किरदार को लेकर उनका मानना है कि यह उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा।

शीतल ने बताया, प्रिया का किरदार निभाना मेरे लिए एक खास अनुभव था, लेकिन मुझे किरदार में वह गहराई नहीं मिली, जिसकी मैं अपेक्षा कर रही थी। फिर भी इस शो के दौरान मुझे कुछ शानदार लोगों से मिलने और उनके साथ गहरे रिश्ते बनाने का मौका मिला, जो मेरे लिए परिवार की तरह बन गए। ये रिश्ते मेरे लिए इस अनुभव का सबसे मूल्यवान हिस्सा हैं।

अब शीतल 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' में अंबिका की भूमिका में नजर आएंगी। शीतल ने बताया, अंबिका का किरदार बहुत दिलचस्प है। वह बाहर से मीठी दिखती है, लेकिन अंदर से थोड़ी चालाक भी है। यह एक मुश्किल भरा, लेकिन मजेदार किरदार है, जो परिवार में अपनी चतुराई से सभी का ध्यान खींचता है और बड़ों का सम्मान हासिल करता है। मैं इस किरदार की गहराई को दिखाने के लिए उत्साहित हूं।

शीतल इस शो में अभिनेत्री खालिदा जान की जगह अंबिका का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा, किसी का स्थान लेना मेरे लिए पहला अनुभव है। मैं क्रू, कास्ट, डायरेक्टर और क्रिएटिव्स की धैर्य और सहायता की सराहना करती हूं। अंबिका का किरदार निभाना और उसकी बारीकियों को समझना मेरे लिए खास अनुभव रहा। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि अंबिका की कहानी आगे कैसे बढ़ती है।(शीतल मौलिक को 'गुम है किसी के प्यार में' में सोनाली चव्हाण के किरदार के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, वह 'दिवानियत', 'सुहागन', 'बरसातें: मौसम प्यार का', 'प्यार की लुका छुपी' और 'ये उन दिनों की बात है' जैसे शोज में भी नजर आ चुकी हैं। 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' स्टार प्लस पर प्रसारित होता है, जिसमें आफिया तायबली और अबरार काजी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शो बंगाली सीरियल 'कोथा' का रीमेक है।

कृति खरबंदा का भावुक खुलासा: शादी में ज़रूर आना मेरे लिए पैसे नहीं बल्कि जादू का अनुभव था!

अभिनेत्री कृति खरबंदा, जो अपनी हर भूमिका को सशक्त बनाने के लिए जानी जाती हैं, ने हाल ही में अपने करियर की एक फिल्म शादी में ज़रूर आना को लेकर एक बेहद भावुक खुलासा किया है। राणा नायडू सीज़न 2 में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीतने वाली कृति ने बताया कि यह फिल्म आज भी उनके दिल के सबसे करीब क्यों है - इसका कारण न तो शोहरत थी, न ही मिली हुई फीस, बल्कि उस टीमवर्क और जुनून का जादू था जो इस फिल्म का हिस्सा था। एक दिल छू लेने वाली बातचीत में कृति ने साझा किया, मुझे ऐसे लोगों के साथ काम करना पसंद है जो टीमवर्क में विश्वास रखते हैं। मुझे पहली बार ऐसा अनुभव शादी में ज़रूर आना के दौरान मिला था। जब उनसे पूछा गया कि यह फिल्म उनकी पसंदीदा क्यों है, तो उन्होंने बताया, इसका कारण ये है कि इस फिल्म में मैंने सबसे ज्यादा मेहनत की और मुझे पूरे करियर में सबसे कम फीस मिली। लेकिन मैंने कभी पैसों को लेकर बहस नहीं की, क्योंकि मैं ये फिल्म दिल से करना चाहती थी। कृति ने आगे बताया कि कैसे महज एक सीन के ऑडिशन ने उन्हें इस फिल्म से भावनात्मक रूप से जोड़ दिया था। उन्होंने कहा, जब मैंने 'शादी में ज़रूर आना' का ऑडिशन दिया, तब मैंने सिर्फ एक सीन परफॉर्म किया, और वही एक सीन मेरे दिल से जुड़ गया। ये फिल्म टीम वर्क का जादू थी, और हर एक इंसान इसका क्रेडिट डिज़र्व करता है। मैं आज भी उस एनर्जी को सेट पर फिर से महसूस करने का इंतज़ार कर रही हूं।

कृति का यह बयान इस बात की याद दिलाता है कि सच्चा जुनून और कलाकारिता अक्सर आर्थिक लाभ से कहीं बढ़कर होती है।

एक कलाकार के लिए असली संतुष्टि तब मिलती है जब वह एक ऐसी टीम का हिस्सा बनता है जो उस कहानी पर पूरी तरह विश्वास रखती है, जिसे वो दुनिया के सामने ला रही होती है। वर्क फ्रंट पर, कृति खरबंदा को हाल ही में लोकप्रिय वेब सीरीज़ 'राणा नायडू सीजन 2' में आलिया ओबेरॉय के किरदार में देखा गया था, जहाँ उनकी अदाकारी ने काफी प्रशंसा बटोरी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिला झुला रहेगा । कुछ कामों में रुकावटें आएंगी कुछ काम भी बनेंगे. मेहनत ज्यादा हो सकती है. जॉब बदलाव के योग बनेंगें , लेकिन सोच–समझकर फैसला लें. किसी काम या बात में जल्दबाजी करने से नुकसान हो सकता है. सेहत को लेकर सावधान रहें. आज कुछ नयी वस्तु खरीदारी के लिए बाजार जा सकते हैं पैसे सेविंग के लिए किसी ऐक्सपर्ट से सलाहमशवरा हो सकती हैं . निवेश या खर्चे को लेकर भी बातचीत हो सकती है. बच्चों का व्यवहार अच्छा रहेगा. दाम्पत्य जीवन मे मधुरता रहेगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

काफी समय से चल रही महनत आज रंग लाएगी नये कारखाने की नींव आप के हाथों से रखी जाएगी समझौते के रास्ते पर भविष्य में अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते है. सामाजिक दायरे में सम्मान और प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए दिन अनुकूल है. आपको योग्य लोगों के साथ संबंध स्थापित कर सकते हैं. पारिवारिक जीवन आरामदायक और शांतिपूर्ण रहेगा.आपको अपनी जीवन–शैली में सुधार करना चाहिए भविष्य मे संतुष्टि होगी .आप और आपके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य शुभ रहेगा. चिन्ता को छोड दें मुसकुराते रहें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप की अव्यवस्थित दिनचर्या और सुस्त और आलसी रवैया आप को सेहत संबंधी समस्या बना सकता हैं. आज दिनभर आप किसी न किसी मीटिंग में व्यस्त रहेंगे .आपके सुझावों को महत्व मिलेगा. और लाभकारी भी रहेंगे । आपके परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी. कोई कोर्ट न्यायालय सम्बन्धित वाद–विवाद में आपकी विजय होगी. जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें–गे.भगवान शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज यात्रा का योग बन सकता हैं गुड धनिया का सेवन करके ही यात्रा पर प्रस्थान करें इससे आपको धन संबंधित फायदा हो सकता है. किसी काम की गति धीमी हो सकती है. इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ भी सकती है. परन्तु कार्य पूरे जरूर होंगे जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर हो सकते हैं. दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम आपको कैंसिल करना पड़ सकता है. किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखना चाहिए.. छोटे बच्चे को पार्क मे घूमने लेकर जाए खुशी का संचार होगा । कुछ हल्का भोजन ही करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज सरकारी कामकाज मे दिक्कतें आ सकती हैं कोई पुरानी फाईल के काम मे अधिकारि आप का सहयोग नही करेंगे और आपको बिजनेस में सावधान रहना होगा. ऑफिस और बिजनेस में जो काम हाथ में लेंगे, उसमें सफलता की संभावना कम है. बिजनेस के मामलों में किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें. जल्दबाजी न करें. अकेलेपन से बचें. अधूरे काम पहले निपटाले में आज मिलने वाले पैसों को आने वाले समय के लिए बचा कर रखें.दाम्पत्य जीवन को अगर सुखी बनाना हो तो संयम बहुत जरूरी हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

काफी समय से चालू व्यापरिक गतिविधियों को मूर्त रुप देने का सही समय हैं पुश्तैनी जमीन जायदाद का झगड़ा सुलझ सकता हैं छात्रों को सफलता मिलेगी आर्थिक रूप से दिन समृद्ध है. आज आपकी मेहनत का फल आपको लाभ मिलेगा. आपका पारिवारिक–जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. रिश्तेदारों के साथ संबंध में काफी सुधार होगा. आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी राजनीति सफर भी सुखद रहेगा। अपने ईष्टदेव को भोग अर्पित करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का चोला चढाए मनोकामना सिद्ध होंगी आपकी चिंता कम होगी और उसके कारण आपका मन खुश रहेगा. व्यावसायिक बाधाएं आएंगी. व्यापार मे प्रतिस्पर्धा बढेगी विवादो से दूर रहें आपका ध्यान परिवार और पैसे पर होगा. हर मौके का फायदा उठाने की कोशिश करें. आपके सारे काम आसानी से और समय पर निपट सकते हैं.पारिवारिक बातों को सोचकर ज्यादा संवेदनशील होने की आवश्यकता नही हैं यात्रा पर जाना चाहते हैं तो यात्रा फायदेमंद रहेगी.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपको धर्म के क्रियाकलापों मे समय व्यतीत करना चाहिए समय अनुकूल रहेगा. आप व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम कर सकते हैं. आपका कुछ अच्छा खाने का मन कर सकता है. घर–परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा. उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न हो सकते हैं. घर पर मेहमानों का आगमन हो सकता है. करियर में आपको कोई बड़ी सफलता हासिल हो सकती है. साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा.दैनिक गाय को गुड और रोटी खिलाए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप का स्वतंत्र व्यापार हैं , तो सोच विचार कर के ही निर्णय करें क्योंकि मुसीबतें आप का ही इन्तजार कर रही हैं नौकरीपेशा लोगों के काम में रुकावटें आ सकती है. कानूनी मामले उलझ सकते हैं. फालतू कामों में समय खराब होने के योग हैं. स्थान में बदलाव संबंधी कोई बात हो सकती है. कामकाज के सिलसिले में कहीं बाहर जाना पड़ सकता है अगर आप अविवाहित है तो विवाह सम्बन्ध के योग बनेंगे. सेहत के मामले में रिस्क नही लेना चाहिए .

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज पारिवारिक दृष्टि से और दाम्पत्य जीवन मे भी चीजें आप के प्रतिकूल होंगी परन्तु मित्रों और व्यापारिक प्रेम संबंध यथावत रहेंगे. समर्पित परिश्रम से आप वरिष्ठों को संतुष्ट कर सकते हैं. यदि आप अपना दृष्टिकोण बदल सकते हैं और ईमानदारी से काम कर सकते हैं तो. आपको आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है.योग और व्यायाम करें स्वास्थ्य ठीक रहेगा मौसमी बिमारियों से बचें रहेंगे अपने कार्यों मे गौ सेवा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को वर्कलोड ज्यादा रहेगा जिससे दिमाग मे तनाव रहेगा स्वभाव मे झुंझलाहट रहेगी काम के बीच मे थोडा रैस्ट लेते रहें । नए काम को फिलहाल टाल दें लोगों के साथ आपका दुविधापूर्ण व्यवहार आपको मुश्किल में डाल सकता है. अपने जिद्दी स्वभाव को त्याग दें, नहीं तो किसी के साथ विवाद होने की संभावना है. आज आपको बेहतर मौके मिलेंगे खुद को स्वस्थ रखने के और फिजूल बातों से बचें. यात्रा पर जाने का आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा. समय के अन्तराल मे हैल्थ चैकप करालें

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज काफी समय के बाद खुशी होने का मौका हैं आपका दिन बढ़िया रहेगा. आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता हो सकती है. नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं. आज परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं. आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है. आपका स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा. दाम्पत्य जीवन में सलाह–मशविरा से आगे बढ़ना होगा . स्टूडेंट्स को अपने सब्जेक्ट में आ रही प्रॉब्लम्स का हल मिल सकता है. आप को अपने दैनिक पूजा पाठ मे हनुमान चालीसा का अनुष्ठान करना चाहिए पदोन्नति और सफलता मिलती रहेगी ।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 जुलाई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 05:00 तक
नक्षत्र : चित्रा रात्रि 12:42 तक
योग : साध्य रात्रि 04:32 तक
करण : गर सायं 03:50 तक
चन्द्रराशि : कन्या प्रातः 11:16 तक
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शील सप्तमी , श्री तुलसीदास जयंती , भद्रा रात्रि 04:39 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

निरंतर बारिश के चलते अधिकारी रहें सतर्क रहें : भजनलाल

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हो रही निरंतर बारिश के चलते अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें। अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ काम करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव वाले स्थानों पर सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ काम करें जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आपदा राहत प्रबंधन की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हो रही निरंतर बारिश के चलते अधिकतर बांध, नदियां, तालाब और जलाशय लबालब भर चुके हैं। ऐसे में अधिकारी इनके जल स्तर संबंधी अपडेट लेते हुए निचले और बाढ़ संभावित इलाकों को सूचीबद्ध कर कार्मिक नियुक्त करें तथा उन क्षेत्रों की विशेष निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार चेतावनी बोर्ड लगाकर किसी भी तरह की दुर्घटना से रोका जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और होमगॉर्ड्स के दल पर्याप्त संसाधनों के साथ अलर्ट रहें तथा आमजन की आवाजाही को ऐसे स्थानों पर निषेध किया जाए। साथ ही, रपट जैसे स्थानों पर पानी चलने के दौरान अस्थायी चौकी लगाकर वाहनों का आवागमन रोका जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन पूरी सक्रियता से काम करे। शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की कि बारिश के मौसम में विशेष सावधानी बरतें। भारी बारिश, आकाशीय बिजली एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए भी पूरी तरह सतर्क रहें। बाढ़ग्रस्त मार्गों, पुलों और तेज बहाव वाले नदी–नालों को पार करने से बचें। साथ ही, प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। किसी भी तरह की आपदा की स्थिति में तुरंत कंट्रोल रूम को जानकारी दें जिससे राहत कार्यों में तेजी आ सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग द्वारा राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1070 तथा 112 एवं जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1077 का 24x7 संचालन किया जा रहा है। अधिकारी कंट्रोल रूम में आई शिकायतों पर त्वरित एक्शन लेते हुए आमजन को शीघ्र राहत पहुंचाएं। उन्होंने अधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित आमजन और पशुधन को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने तथा वहां साफ पानी के साथ नियमित सफाई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता और सेवाओं को सुचारू रखा जाए। जलभराव क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को पेयजल–खाद्य सामग्री सहित जरूरी वस्तुओं की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जलभराव वाले स्थानों पर मौसमी बीमारियों की रोकथाम, दवाईयों की पर्याप्त आपूर्ति, अस्पतालों में आपातकालीन चिकित्सा सहायता जैसे कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि पंचायतीराज विभाग संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए संसाधनों की पर्याप्त आपूर्ति प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। शर्मा ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए कि आमजन के लिए पीने योग्य जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो। उन्होंने अधिकारियों को सड़कों की मरम्मत, बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली को और अधिक सक्रिय करने, आमजन को विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जागरूक करने, स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता बढ़ाने, नालों की सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था जैसे कामों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए।

बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने आपदा राहत की तैयारियों को लेकर जानकारी दी। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए राज्य सरकार कृत–संकल्पित : अविनाश गहलोत

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए कृत–संकल्पित है। सरकार की मंशा है कि सामाजिक न्याय की सभी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को मिल सके।

गहलोत बुधवार को अनुसूचित जाति के प्रबुद्ध नागरिकों–प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति कल्याण से सम्बन्धित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रभावी नेतृत्व में समाज के अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अनुसूचित जाति वर्ग का उत्थान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यालय अम्बेडकर भवन के सभागार में हुई बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के विकास की संकल्पना दशा और दिशा पर विस्तार से मंथन हुआ। बैठक में छात्रवृत्ति प्रक्रिया में सुधार, आक्षेपों का तुरंत निस्तारण, छात्रवृत्ति के लिए तय आय सीमा को बढ़ाने, छात्रवृत्ति राशि बढ़ाने, छात्रावासों के आधुनिकीकरण, अंबेडकर भवनों में पुस्तकालय खोलने, पंचतीर्थ योजना में खासकर युवाओं को शामिल करने, छात्रावासों में भोजन व्यवस्था बेहतर करने, छात्रावासों की मॉनिटरिंग करने, नए छात्रावास खोलने सहित अन्य विषय संस्थाओं द्वारा उठाए गए।निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने कहा कि विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग को सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। समाज के प्रबुद्धजनों से प्राप्त सुझावों पर अमल कर योजनाओं में आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

विश्व मानव तस्करी निषेध दिवस के अवसर पर पुलिस मुख्यालय में हुआ आयोजन

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा है कि मानव तस्करी एक गंभीर विषय है और सरकार ने इसे रोकने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

शर्मा बुधवार को पुलिस मुख्यालय में विश्व मानव तस्करी निषेध दिवस के अवसर पर बच्चों की सुरक्षा विषय पर सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर के सेंटर फॉर चाइल्ड प्रोटेक्शन द्वारा आयोजित पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे ।

इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों में भी मानव तस्करी एवं महिला तथा बाल सुरक्षा विषय के महत्वपूर्ण प्रावधान रखे गए हैं। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता की धारा 143 व 144 का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठित अपराधों में मानव तस्करी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी में महिला व बच्चें सर्वाधिक प्रभावित होते हैं और इसमें एक राज्य से दूसरा राज्य जुड़ा होता है ऐसे में अन्तर्राज्यीय पुलिस के मध्य पोर्टल द्वारा रियल टाईम सूचना साझा करने का मैकेनिज्म विकसित किया गया है जिससे इस दिशा में प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।अपने संबोधन में पुलिस महानिदेशक शर्मा ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इस विषय में किसी एक व्यक्ति व एजेंसी के स्थान पर सामूहिक जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने राजस्थान पुलिस की प्राथमिकता व प्रतिबद्धता को बताते हुए संबंधित समस्त एजेंसियों से समन्वय स्थापित करते हुए इस दिशा में प्रभावी कार्यवाही करने की मंशा उजागर की। उन्होंने कहा कि पुलिस विश्वविद्यालय को ऐसे अपराधों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए शोध–अध्ययन करवाना चाहिए ताकि धरातल पर परिणाम नजर आवें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एसपीयूपीयू के माननीय कुलपति डॉ. आलोक त्रिपाठी ने चाइल्ड ट्रैफिकिंग की रोकथाम हेतु विश्वविद्यालय की भूमिका पर प्रकाश डाला। त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों की मुट्ठी में ही देश की तकदीर होती है ऐसे में उनकी सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी समाज व हम सबको निभानी होगी।

हरियाणा विधान सभा में पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक रंगों के साथ तीज उत्सव सम्पन्न

चंडीगढ़, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा में आज तीज उत्सव पारंपरिक उल्लास, उमंग और लोक संस्कृति की छटा के साथ सम्पन्न हुआ। इस विशेष आयोजन में महिला विधायक, विधायकों की पत्नियां, विधान सभा का महिला स्टाफ तथा महिला पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम स्थल को सावन की मेला थीम पर सजाया गया था, जहां पारंपरिक झूले, मेहंदी, लोकगीत, नृत्य, खेल और श्रृंगार की विभिन्न गतिविधियों ने माहौल को जीवंत कर दिया। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की धर्मपत्नी लेखिका रेशमा कल्याण मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम में अनेक विधायक सपत्नी शामिल हुए।

इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि आज विधान सभा परिसर में महिला शक्ति की आवाज गूंजी है। उन्होंने तीज को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व बताते हुए कहा कि 'आई तीज, बो गई बीज' की कहावत को चरितार्थ करते हुए देश में त्योहारों की श्रृंखला शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि हर त्योहार अच्छाई, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक होता है और ऐसे आयोजनों से समाज को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं का आह्वान किया कि वे इस अवसर को आत्मिक बल और सामाजिक सद्भावना को बढ़ाने के संकल्प के रूप में लें और भविष्य में इस आयोजन को और अधिक भव्यता के साथ मनाएं।

इस अवसर पर विधान सभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने तीज पर्व का पारंपरिक महत्व बताते हुए कहा कि यह हरियाणा की उत्सवधर्मी संस्कृति का त्योहार है। यह हमें उमंग और हर्षोल्लास के साथ–साथ धर्म से जुड़ने की प्रेरणा देता है। मुख्य अतिथि लेखिका रेशमा कल्याण ने कहा कि तीज पर्व हमारी आस्था और प्रेम का प्रतीक है। विधान सभा सचिवालय की महिला कर्मचारियों की भागीदारी से आयोजित इस कार्यक्रम में यह आस्था स्पष्ट रूप से प्रकट हुई है। उन्होंने कहा कि भारत के सभी हिस्सों में इस प्रकार के त्योहार अलग–अलग रूप में मनाए जाते हैं, जो हमारी संस्कृति की विविधता में एकता के प्रतीक हैं।

हरियाणा सरकार का बड़ा सम्मान, पैरा एथलीटों को 31.72 करोड़ का नकद पुरस्कार

चंडीगढ़, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने चौथे पैरा एशियन गेम्स–2022 में हिस्सा लेने वाले 17 खिलाड़ियों को कुल 31.72 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया है। स्वास्थ्य मंत्री और पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष आरती सिंह राव ने अपने खिलाड़ियों पर गर्व जताते हुए कहा कि हरियाणा एथलीट्स को सबसे ज्यादा प्रोत्साहित करने वाला राज्य है। आरती सिंह राव ने 'आईएएनएस' से कहा, मुख्यमंत्री की ओर से 31 करोड़ से ज्यादा राशि रिलीज की गई है। यह सभी खिलाड़ियों के अकाउंट में पहुंच चुकी है। इससे पैरा एथलीट्स बेहद खुश हैं। एथलीट्स भविष्य में भी अपने देश का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने आगे कहा, हमारे पैरा एथलीट्स ने देश का नाम रोशन किया है। हमें उन पर फख्र है। हरियाणा अपने खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा प्रोत्साहित करने वाला राज्य है। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के 13 खिलाड़ियों को 19 करोड़ 72 लाख 50 हजार रुपये, जबकि चार खिलाड़ियों को 12 करोड़ रुपये जारी किए। गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को तीन करोड़, सिल्वर मेडल विजेताओं को 1.50 करोड़, जबकि कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों को 75 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

हरियाणा सरकार की ओर से पैरा बैडमिंटन में स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले नितेश कुमार को 4.5 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार मिला है, जबकि गोल्ड मेडलिस्ट रमन शर्मा, प्रवण सूरमा, सुमित (एथलेटिक्स) और तरुण ढिल्लो (पैरा बैडमिंटन) को तीन–तीन करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।योगेश कथुनिया, सरिता अढाना, पूजा सहित कई अन्य खिलाड़ियों को रजत पदक जीतने पर 1.5–1.5 करोड़ रुपये मिले, जबकि जसबीर (एथलेटिक्स), अंजू बाला (पैरा लॉन बॉल), जयदीप (कैनोइंग) को भागीदारी के लिए 7.5–7.5 लाख रुपये दिए गए हैं।

एक लाख वंचित परिवारों को पहले चरण में दिए जाएंगे 100-100 गज के प्लॉट : सैनी

चंडीगढ़, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अंत्योदय श्रेणी में शामिल भूमि से वंचित 1 लाख परिवारों को जल्द ही 100–100 गज के प्लॉट दिए जाएंगे। साथ ही उस प्लॉट के कागज भी सौंपे जाएंगे। इस लक्ष्य के बाद इस योजना को और आगे बढ़ते हुए आगामी चरण में 1 लाख और लोगों को चयनित करने का काम भी शुरू कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं, सरकार द्वारा प्राइवेट अस्पताल की तर्ज पर आधुनिक सेवाओं और उपकरणों से युक्त तैयार किये गए 10 जिलों के सरकारी अस्पतालों में 15 अगस्त से हर प्रकार की बीमारी का इलाज शुरू हो जाएगा। इससे प्रदेशवासियों को सस्ती दरों पर बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री बुधवार को लाडवा विधानसभा के गांव डगाली, डीग, बीड कालवा और धनानी में आयोजित धन्यवादी कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे। मुख्यमंत्री का हर गांव में लोगों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं को भी सुना और उनका समाधान करने के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने गांव डगाली में स्वच्छ पेयजल की पाइप लाइन के लिए 55 लाख 41 हजार रुपए, बीड कालवा में 52 लाख 64 हजार रुपए व गांव धनानी के लिए 27 लाख 15 हजार रुपये देने की घोषणा की तथा गांव डीग में 6 करोड़ 38 लाख 42 हजार रुपए की लागत से बनने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने सभी गांवों में विकास कार्यों के लिए 21–21 लाख रुपए देने की घोषणा करते हुए कहा कि सरपंचो की तरफ से सौंपे गए मांग पत्रों को संबंधित विभागों को भेज कर पूरा करवाया जाएगा।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिला के किसान सूरजमुखी की फसल को अधिक मात्रा में उगाते है जिसको देखते हुए सरकार ने निर्णय लिया है कि शाहबाद में सूरजमुखी ऑयल मिल लगाई जाएगी। साथ ही सरसों ऑयल मिल के लिए रेवाड़ी में भी जगह चिन्हित कर ली गई है। इन दोनों मिल से प्रदेश के किसानों को सूरजमुखी और सरसों की फसल का उचित भाव मिलेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जहां किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। साथ ही सब्जी व अन्य फसलों में भावांतर भरपाई योजना के तहत कम भाव मिलने पर किसानों को भरपाई की जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस परिवार की आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम है, उस परिवार को 500 रुपए में गैस सिलेंडर मुहैया करवाया जा रहा है। प्रदेश के 18 लाख ऐसे परिवार इस योजना का लाभ ले रहे है। इसी तरह आयुष्मान कार्ड योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज प्रदेश के लोगों को दिया जा रहा है। 70 वर्ष से ऊपर की आयु वाले बुजुर्गों का 10 लाख रुपए तक का इलाज इस योजना के तहत किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के लिए 6 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि किडनी के मरीजों का डायलिसिस अब सरकारी अस्पतालों में मुफ्त किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव की पंचायती भूमि पर 20 वर्ष से ज्यादा समय से मकान बनाकर रहने वाले ग्रामीणों को कोर्ट व अन्य मुकदमों से निजात दिलवाने की पॉलिसी बनाई गई। अब ऐसे परिवार 500 वर्ग गज तक उस जगह की रजिस्ट्री अपने नाम करवा सकते है।

आशा-ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने पर सियासत

सरकार का डर देख अच्छा लगता है : तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसियां)। बिहार में आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने पर सियासत शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस पर भी अपना क्रेडिट ले लिया और कहा कि मैंने 17 महीने स्वास्थ्य मंत्री रहते आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू दी थी जो अंतिम स्टेज में थी लेकिन तब तक सरकार और मुख्यमंत्री आदतन पलटी मार गए। ये निकम्मी एनडीए सरकार उस पर भी दो साल से कुंडली मार कर बैठी रही। अब आखिरकार इन्हें आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की हमारी

इस मांग के सामने भी झुकना ही पड़ा।

तेजस्वी यादव ने कहा कि यहां सरकार ने चालाकी करते हुए हमारी इस मांग को पूर्णरूपेण लागू नहीं किया। इनको प्रोत्साहन राशि नहीं बल्कि मानदेय मिलना चाहिए। हम इन्हें मानदेय देंगे। अब इस सरकार को आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका और रसोइयां के मानदेय में भी बढ़ोतरी करने की हमारी मांग को भी मजबूरन मानना ही पड़ेगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमारे 17 महीनों के अल्प कार्यकाल में ही हमने विकास मित्र, शिक्षा मित्र/टोला सेवक, तालीमी मरकज़ और पंचायती राज जनप्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाया था।

तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी मांगों, घोषणाओं, वादों, इरादों और दावों को देखकर इस नकलची, थकी-हारी, दृष्टिहीन और विजन रहित सरकार का डर देखकर अच्छा लगता है। ये डर अच्छा है लेकिन 20 साल तक क्या यह मूंगफली छील रहे थे? यही सरकार, इनके नेता-मंत्री और अधिकारी जो हमारी घोषणा का मखौल उड़ाते थे वो अब सत्ता जाते देख दौड़ रहे है। सब कुछ तेजस्वी का ही नकल करोगे या अपनी भी अक्ल लगाओगे?

बता दें कि बुधवार सुबह ही सीएम नीतीश कुमार ने आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ने का एलान किया है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं को अब एक हजार रुपये की जगह तीन हजार रुपए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव 300 रुपये की जगह 600 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इससे उनका मनोबल और बढ़ेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी।

करंट की चपेट में आकर युवक की दर्दनाक मौत

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के मुशहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत रजवाड़ा गांव में बुधवार को करंट की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई।

यह हादसा उस वक्त हुआ जब 11 हजार वोल्ट का हाई वोल्टेज तार टूटकर सड़क पर गिर गया था। उसी दौरान सड़क से गुजर रहा युवक तार की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान रजवाड़ा गांव निवासी 28 वर्षीय गजेन्द्र कुमार के रूप में हुई है, जो मजदूरी का काम करता था। हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों में बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों ने विभाग के खिलाफ सख्त कार्रवाई

की मांग की है।

सूचना मिलते ही मुशहरी थाना प्रभारी रंजीत कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। घटना को लेकर स्थानीय मुखिया ने भी बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि घटना अत्यंत दुखद है। हमारे गांव के एक गरीब मजदूर की जान चली गई। अगर बिजली विभाग समय रहते जर्जर तारों की मरम्मत करवा देता या तार में करंट नहीं होता, तो शायद युवक की जान बचाई जा सकती थी।'

थाना प्रभारी रंजीत कुमार गुप्ता ने बताया हमें सूचना मिली थी कि हाई वोल्टेज तार गिरने से एक युवक की मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बिजली विभाग को मामले की जानकारी दी गई है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषी कर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे।

कोलकाता डॉक्टर दुष्कर्म कांड में पीड़ित परिजनों की अब बिहार सरकार से न्याय की गुहार

गया जी (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बीते वर्ष नाइट ड्यूटी पर तैनात एक महिला पीजी डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। पीड़िता के माता-पिता मंगलवार को बिहार के गया पहुंचे, जहां उन्होंने बेटी की आत्मा की शांति के लिए विष्णुपद मंदिर के निकट फल्गु नदी के देवघाट तट पर पिंडदान किया।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि घटना को एक वर्ष से अधिक बीत चुका है, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिला है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि आर-ोपी को जमानत तक मिल गई। यह न सिर्फ हमारी बेटी के लिए, बल्कि देश की उन तमाम बेटियों के लिए खतरा है, जो सेवा-भावना से डॉक्टर बन रही हैं।

पीड़ित पिता ने बिहार सरकार को न्याय दिलाने की अपील करते हुए एक लिखित ज्ञापन भी सौंपा है। साथ ही, उन्होंने देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर अब भी चुप्पी साधी गई, तो यह भविष्य की पीढ़ी के लिए घातक होगा।

यह वारदात 8-9 अगस्त 2024 की रात कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की है। 31 वर्षीय महिला डॉक्टर नाइट ड्यूटी के बाद अस्पताल के सेमिनार हॉल में आराम कर रही थीं, तभी आरोपी संजय रॉय पीछे के रास्ते से घुसा और कथित रूप से बलात्कार व हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

घटना के बाद कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश पर जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। इस दौरान 42 दिनों तक जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल की थी और देशभर में चिकित्सक समुदाय में आक्रोश देखने को मिला था। लेकिन अब एक साल गुजरने के बाद भी पीड़ित परिवार न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है। गया में पिंडदान के दौरान मृतका की मां की आंखें बार-बार भर आती थीं।

जाम से निजात दिलाने में खुद प्रशासन फेल, घंटों जाम में फंसीं रहीं डीएम

पटना (एजेंसियां)। जिला मुख्यालय सासाराम की पुरानी जीटी रोड पर जाम की समस्या प्रशासन के लिए लगातार चुनौती बनी हुई है। सड़क पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी ने शहर को पूरी तरह बेहाल कर दिया है। चंद मिनटों की दूरी तय करने में लोगों को घंटों लग रहे हैं। प्रशासन की तमाम कोशिशों के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है।

शहर के पोस्ट ऑफिस चौराहा, कचहरी मोड़, काली स्थान, धर्मशाला मोड़ और गौरक्षणी जैसे प्रमुख स्थानों पर हर रोज सुबह 10 बजे के बाद जाम की भयावह तस्वीरें सामने आने लगती हैं। सड़कों पर वाहन रेंगते हैं, पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

खासकर पोस्ट ऑफिस चौराहा पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है।

बुधवार को जिला प्रशासन की यातायात व्यवस्था की पोल तब खुल गई जब खुद जिलाधिकारी उदिता सिंह जाम में फंस गईं। अपने आवास से समाहरणालय स्थित कार्यालय तक महज एक किलोमीटर की दूरी तय करने में उन्हें आधे घंटे से अधिक समय लग गया। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस और अंगरक्षकों को जाम से निकालने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। कचहरी मोड़ से समाहरणालय तक डीएम के वाहन को पहुंचाने में अंगरक्षकों के पसीने छूट गए।

जाम से मुक्ति दिलाने को लेकर प्रशासन द्वारा कई बार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया है। अवैध पार्किंग पर चालान भी किए जाते हैं। लेकिन, लगातार और प्रभावी निगरानी के अभाव में ये अभियान असफल साबित हो रहे हैं। सड़क किनारे दुकानों, ठेले-खोमचों और बेतरतीब खड़े वाहनों पर प्रशासन का कोई प्रभाव नहीं दिखता।

ट्रैफिक नियमों के पालन में वाहन चालकों और राहगीरों की लापरवाही भी व्यवस्था बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभा रही है। टेंपो, रिक्शा और सिटी बस चालक मनमाने तरीके से सड़क किनारे वाहन खड़े कर सवारियों को चढ़ाते और उतारते हैं, जिससे यातायात और बाधित हो जाता है।

यातायात थाना द्वारा शहर में ट्रैफिक पुलिस बल की संख्या बढ़ाई गई है और प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल भी लगाए गए हैं। इसके बावजूद ट्रैफिक व्यवस्था में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। ट्रैफिक पुलिस सिग्नल व नियंत्रण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में नाकाम साबित हो रही है।

वैशाली में एटीएम काटकर 13.70 लाख रुपये की चोरी

वैशाली (एजेंसियां)। हाजीपुर जिले के हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र स्थित बागमल्ली गांव में देर रात बदमाशों ने एक बड़ा वारदात को अंजाम दिया। गांव में स्थित भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम को गैस कटर से काटकर अपराधियों ने 13 लाख 70 हजार रुपये की नकदी उड़ा ली। घटना मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात करीब 1:30 बजे की बताई जा रही है। बुधवार सुबह जब स्थानीय लोगों ने एटीएम मशीन टूटी हुई देखी, तो हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। बैंक अधिकारियों के अनुसार, उक्त एटीएम में मंगलवार को ही करीब 4 लाख रुपये डाले गए थे, जबकि मशीन में पहले से भी रकम मौजूद थी। बताया गया कि रात में गश्ती के दौरान पुलिस की एक टीम ने एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन को रोकने की कोशिश की। इस दौरान बदमाशों ने गश्ती वाहन को टक्कर मार दी और वाहन लेकर छपरा की दिशा में फरार हो गए। पुलिस ने उनका करीब पांच किलोमीटर तक पीछा किया, लेकिन वे फरार होने में सफल रहे। घटना की सूचना मिलते ही हाजीपुर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इसके साथ ही फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस द्वारा आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।

महागठबंधन में तेजस्वी यादव की बैठक से मुकेश सहनी गायब

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ थी। लोकसभा चुनाव में सहनी ने महागठबंधन की पतवार संभाली और तेजस्वी यादव के साथ साये की तरह नजर आए। बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों में भी वह तेजस्वी यादव के साथ नजर आ रहे थे, लेकिन बुधवार को महागठबंधन की बैठक से मुकेश सहनी का गायब रहना चर्चा में है। चर्चा इसलिए भी गरम हो गई है, क्योंकि बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने उन्हें

एनडीए में आने का न्योता दे दिया है।

संतोष सुमन ने कहा कि एनडीए ही मुकेश सहनी के समाज का भला कर सकता है। उनका निषाद समुदाय अब एनडीए की विकासोन्मुखी विचारधारा के साथ खड़ा है। इसलिए मुके सहनी को भी उसी धारा में बहना चाहिए। संतोष सुमन ने तंज कसते हुए कहा कि मुकेश सहनी का अब महागठबंधन से मन भर गया है। उनका समाज एनडीए की विच-ारधारा के करीब है, इसलिए उन्हें भी एनडीए में आ जाना चाहिए। अगर वो आना चाहते हैं, तो एनडीए में उनका स्वागत किया जाना चाहिए। इधर, सियासी गलियारे में चर्चा है कि मुकेश सहनी 60 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ना चाह रहे हैं। इसलिए उन्होंने गठबंधन से 60 सीटें मांगी हैं।

इधर, कांग्रेस बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने आज की बैठक में हमलोग सभी कार्यक्रम पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीट शेयरिंग से लेकर सभी बातों पर चर्चा हुई। वहीं मुकेश सहनी के 60 सीट वाली बात पर कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि इस बार महागठबंधन के सभी नेता 243 सीट पर चुनाव लड़ेगी। कोई किसी भी सिंबल से चुनाव लड़ेगा तो उसके लिए सभी दल मजबूती से साथ देंगे।

हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत, मुआवजे की मांग

जमुई (एजेंसियां)। जमुई जिले के खैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंगारपुर गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में निर्माण कार्य में लगे मजदूर की मौत हो गई।

वह मकान की ढलाई का सेंटरिंग खोल रहा था, तभी छत के ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद अन्य मजदूर और मिस्त्री डर के कारण भाग खड़े हुए। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए और पुलिस को इसकी जानकारी दी गई।

सूचना पर पहुंची खैरा थाना पुलिस ने शव को बिजली प्रवाह बंद कराने के बाद कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल भेज दिया। मृतक की पहचान अड़सार गांव निवासी के रूप में की गई है।

स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कई बार विभाग को उक्त हाईटेंशन तार को लेकर शिकायत की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। नतीजतन यह हादसा हुआ।

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर जमुई-खैरा मुख्य मार्ग को करीब आधे घंटे तक जाम रखा। लोगों की मांग है कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। पुलिस और प्रशासन की पहल के बाद लोगों ने जाम हटाया। फिलहाल प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

शेखपुरा में सड़क पर रोपा गया धान, अनोखे तरीके से ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

शेखपुरा (एजेंसियां)। शेखपुरा जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत सिरारी से महसार को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की बदहाली के विरोध में ग्रामीणों ने बुधवार को अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। सड़क की जर्जर स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने कीचड़ से भरे सिरारी-महसार सड़क मार्ग पर बीच सड़क पर ही धान की रोपनी कर दी। इस विरोध प्रदर्शन की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए वे विगत चार वर्षों से लगातार प्रशासनिक स्तर पर गुहार लगाते आ रहे हैं।

कई बार वरीय अधिकारियों को आवेदन भी दिया गया, लेकिन अब तक इस सड़क की मरम्मत या पुनर्निर्माण का काम शुरू नहीं हो सका। परिणामस्वरूप, बरसात के दिनों में सड़क कीचड़ से लथपथ हो जाती है, जिससे राहगीरों, बाइक सवारों और छोटे वाहनों को काफी परेशानी होती है। यहां तक कि दुर्घटनाएं भी

आम हो गई हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि गर्मियों में उड़ती धूल और बरसात में जल-जमाव व फिसलन की वजह से राहगीरों के साथ-साथ स्थानीय दुकानदारों और घरों में रहने वाले लोगों को भी भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बुधवार की सुबह बड़ी संख्या में लोग सिरारी चौक से महसार टाल क्षेत्र की ओर पहुंचे और मुख्य सड़क पर धान की रोपनी की। इस दौरान प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।

वहीं, इस विरोध प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्थिति स्पष्ट की है। विज्ञप्ति में बताया गया कि 'सिरारी-महसार पथ के निर्माण कार्य की शुरुआत जून माह में ही कर दी गई थी। अब तक 1855 मीटर कालीकरण (ब्लैक टॉपिंग) का कार्य पूरा किया जा चुका है। लगातार बारिश के कारण कार्य कुछ समय के लिए बाधित हुआ है। शेष लगभग 300 मीटर पी-सीसी ढलाई और नाले का निर्माण कार्य बाकी है, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। प्रशासन ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए विश्वास दिलाया है कि शेष कार्य भी शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com